शर्मा हार्ডওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 228 | गुवाहाटी | सोमवार, 13 मार्च, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

20 करोड़ की हेरोइन जब्त पुलिस ने एक आरोपी को दबोचा पेज 3
प्रधानमंत्री ने कर्नाटक के मांड्या में प्रमुख विकास परियोजनाओं का किया... पेज 4
दुनिया में भारत को कोसने वाले, लोकतंत्र का गला घोंटते रहे हैं : मुख्यमंत्री पेज 5
पंजाब में राजनीति गरमाई विधानसभा में गूंजा मामला पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

समलैंगिक विवाह बिल्कुल उचित नहीं : एससी में केंद्र

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने के अनुरोध से संबंधित याचिकाओं का यह कहते हुए विरोध किया कि इससे व्यक्तिगत कानूनों और स्वीकार्य सामाजिक मूल्यों में संतुलन प्रभावित होगा। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को इस मामले पर सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दाखिल हलफनामे में सरकार ने कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा 377 के जरिये इसे वैध करार दिए जाने के बावजूद, याचिकाकर्ता देश के कानूनों के तहत समलैंगिक विवाह के लिए मौलिक अधिकार का दावा नहीं कर सकते हैं। उसने कहा कि विवाह, कानून की एक संस्था के रूप में, विभिन्न विधायी अधिनियमों के तहत कई वैधानिक परिणाम हैं। इसलिए, ऐसे मानवीय संबंधों की किसी भी औपचारिक मान्यता को दो वयस्कों के बीच केवल गोपनीयता का मुद्दा नहीं माना जा सकता है। केंद्र ने अपने हलफनामे में कहा कि भारतीय लोकाचार के आधार पर ऐसी सामाजिक नैतिकता और सार्वजनिक स्वीकृति का न्याय करना और उसे लागू करना विधायिका का काम है। केंद्र ने कहा कि भारतीय संवैधानिक कानून न्यायशास्त्र में किसी भी आधार के बिना पश्चिमी निर्णयों को इस संदर्भ में आयात नहीं किया जा सकता है। केंद्र ने कहा कि समलैंगिक व्यक्तियों के बीच विवाह को न तो किसी असंहिताबद्ध कानूनों या किसी संहिताबद्ध वैधानिक कानूनों में मान्यता दी जाती है और न ही इसे स्वीकार किया जाता है। केंद्र ने कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा 377 के बावजूद, याचिकाकर्ता देश के कानूनों के तहत समलैंगिक विवाह को मान्यता देने के मौलिक अधिकार का दावा नहीं कर सकते हैं। केंद्र का -शेष पृष्ठ दो पर

सामाजिक कार्यों में महिलाओं की भूमिका बढ़ाएगा आरएसएस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) सामाजिक कार्यों में महिलाओं की भूमिका बढ़ाने पर गंभीरतापूर्वक विचार कर रहा है। महिला सशक्तीकरण, परिवार कल्याण, लैंगिक भेदभाव उन्मूलन के प्रति जागरूकता, सांस्कृतिक कार्यों के प्रति परिवारों में जागरूकता, पर्यावरण संवर्धन और समाज के विभिन्न वर्गों में आपसी सामंजस्य बढ़ाने के उद्देश्य से संगठन द्वारा जारी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने में महिला स्वयंसेवकों को ज्यादा सशक्त भूमिका सौंपी जा सकती है। ये कार्यक्रम आरएसएस की महिला विंग राष्ट्र सेविका समिति के माध्यम से संचालित किए जा सकते हैं। आरएसएस सूत्रों के मुताबिक, हरियाणा के समालखा में आयोजित की जा रही संगठन की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में इससे संबंधित विषयों पर विचार किया जा सकता है। विचार-विमर्श के बाद इससे संबंधित एक प्रस्ताव भी पास किया जा सकता है। संघ की सबसे शक्तिशाली संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में पास प्रतिवेदन को आगामी वर्षों में स्वयंसेवकों के माध्यम से संबंधित क्षेत्रों में लागू किया जाता है। इस अर्थ -शेष पृष्ठ दो पर

कांजीरंगा के हाथी महोत्सव में आएंगी राष्ट्रपति

गोलाघाट (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने दो दिवसीय दौरे पर 6 अप्रैल को असम आएंगी। वह काजीरंगा राष्ट्रीय राष्ट्रीय उद्यान में आयोजित होने वाले हाथी महोत्सव में शामिल होंगी। यह जानकारी काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक जतींद्र शर्मा ने रविवार को दी है। उन्होंने कहा कि काजीरंगा में 6 एवं 7 अप्रैल को हाथी महोत्सव का आयोजन होगा है। इस हाथी महोत्सव में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शिरकत करेंगी। निदेशक शर्मा ने बताया कि राष्ट्रपति काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के दौरे के दौरान जीप और हाथी की सफारी भी -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा में हमले से नाराज विपक्ष संसद में उठाएगा मुद्दा

अगरतला। भाजपा नीत त्रिपुरा में विधानसभा चुनावों के बाद हुई हिंसा और झड़पों को गंभीरता से लेते हुए वामपंथी दलों और कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि हम इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे ताकि देश की जनता इससे अवगत हो सके। नेहालचंद्रनगर इलाके में असामाजिक तत्वों के हमले के शिकार बने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने यह भी कहा कि वाम दलों और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलेंगे और राज्य में भाजपा और आरएसएस की ओर से फैलाए गए आतंक के बारे में बताएंगे। सेपाहिजाला जिले के नेहालचंद्रनगर इलाके में शुक्रवार को हुई घटना के सिलसिले में अभी तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। माकपा के राज्यसभा सदस्य इलामारम करीम ने दावा किया कि भाजपा-आरएसएस समर्थित गुंडों ने ना सिर्फ राज्य के लोगों पर हमला किया बल्कि उनकी -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

अगर किसी देश को भ्रष्टाचार से मुक्त होना है और खूबसूरत दिमाग वाले लोगों से भरना है तो समाज में तीन ऐसे लोग हैं, जो ऐसा कर सकते हैं। वे हैं- पिता, माता और अध्यापक।

अब्दुल कलाम

न्यूज गैलरी

सेना ने 370 लोगों को बचाया

गंगटोक। सिक्किम में भारी बर्फबारी के चलते सैकड़ों पर्यटक फंस गए। जिसके बाद भारतीय सेना ने पर्यटकों को बचाने के लिए ऑपरेशन हिमराहट शुरू किया और देवदूत बनकर इन पर्यटकों को बचाया। समाचार एजेंसी एएनआई ने बर्फबारी के चलते नाथूला और त्सोमगो (चांगू) झील में फंसे पर्यटकों को बचाने की जानकारी साझा की। बकौल एजेंसी भारतीय सेना ने पूर्वी सिक्किम में भारी बर्फबारी के कारण नाथूला और त्सोमगो (चांगू) झील में 370 पर्यटकों को बचाया। -शेष पृष्ठ दो पर

हर चुनाव अग्निपरीक्षा : सीईसी

नई दिल्ली। भारत ने 70 साल में अपने सामाजिक, राजनीतिक और भाषाई मुद्दों को बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण तरीके से स्थिर किया है। लोग चुनाव परिणामों पर भरोसा करते हैं लेकिन फिर भी चुनाव आयोग को हर चुनाव के बाद *अग्निपरीक्षा* से गुजरना पड़ता है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने ये बातें कही हैं। सीईसी शनिवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उनसे सवाल किया गया कि क्या कर्नाटक के लोग राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष -शेष पृष्ठ दो पर

नगालैंड में *विपक्ष रहित* सरकार लोकतंत्र का उपहास

कोहिमा। नगालैंड के एक विपक्ष-रहित सरकार की ओर बढ़ने के बीच राज्य के राजनीतिक विश्लेषकों और टिप्पणीकारों ने इसे लोकतंत्र का मजाक बताते हुए इस व्यवस्था की आलोचना की है। नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 40 और 20 के अनुपात में सीट बंटवारा करके नगालैंड विधानसभा चुनाव लड़ा था और लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए बहुमत हासिल कर सत्ता बरकरार रखी। नगालैंड में लगभग सभी दल एनडीपीपी-भाजपा गठबंधन को समर्थन दे रहे हैं जिससे यह राज्य विपक्ष मुक्त होने की ओर बढ़ रहा है। राजनीतिक -शेष पृष्ठ दो पर

मैं विधायकी से खुश नहीं हूं : अखिल

गुवाहाटी। जेल से 2021 का विधानसभा चुनाव जीतकर सनसनी पैदा करने वाले असम के विधायक अखिल गोगोई एक बार फिर चर्चाओं में आए हैं। गोगोई ने रविवार को कहा कि वह एक विधायक होने के नाते खुश नहीं है और उन दिनों को याद कर रहे हैं, जब कार्यकर्ता के रूप में वह लोगों के मुद्दों को ठोस और मजबूत ढंग से उठाते थे। शिवसागर विधानसभा क्षेत्र से पहली बार विधायक बने अखिल गोगोई ने यह भी दावा किया कि वह सरकार के जनविरोधी फैसलों की आलोचना और विरोध करने में अकेले पड़ गए हैं, क्योंकि अन्य विपक्षी दल चुप हो गए हैं। वह कहते हैं कि मैं विधायक के इस पद से खुश नहीं हूं। मैं एक कार्यकर्ता हूं। मैं केंद्र और राज्य सरकार की सभी जनविरोधी गतिविधियों के खिलाफ लड़ता हूं। गोगोई की राजनीतिक पार्टी *रायजोर दल* संसाधनों के निगमीकरण, फासीवादी माहौल और शासन की सांप्रदायिक व अलोकतांत्रिक भावना जैसे विभिन्न मुद्दों के खिलाफ लड़ रही है। यह पूछे जाने पर कि क्या कार्यकर्ता रहते हुए लोगों के हितों के लिए लड़ने की अधिक गुंजाइश थी, गोगोई ने कहा कि मैं एक्टिविज्म के दिनों में ज्यादा खुश था। अब, मैं एक विधायक हूं। -शेष पृष्ठ दो पर

अहम विषयों पर संसद में हमेशा हुई व्यापक चर्चा : बिरला

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को वैश्विक मंच से लंबे समय से चले आ रहे भारत के इस दृष्टिकोण को दोहराया कि सभी वैश्विक मुद्दों का समाधान बातचीत के माध्यम से शांतिपूर्ण ढंग से किया जाना चाहिए। उन्होंने सभा को यह जानकारी दी कि भारत की संसद ने हमेशा जलवायु परिवर्तन, महिला-पुरुष समानता, सतत विकास और कोविड महामारी जैसी समकालीन वैश्विक चुनौतियों पर व्यापक एवं सार्थक वाद-विवाद और विचार-विमर्श किया है। ओम बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि शांति, सद्भाव और न्याय का प्रसार करने वाली वैश्विक संस्थाएं शांति, समृद्धि, स्थिरता और न्यायोचित -शेष पृष्ठ दो पर

ईडी-सीबीआई की कार्रवाई पर संसद में हमलावर रहेगा विपक्ष

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण कल यानी सोमवार से शुरू होगा। बजट सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच एक बार फिर हंगामे के आसार नजर आ रहे है। बता दें संसद बजट सत्र के दूसरे भाग में भी कांग्रेस अडानी के मसले पर सत्ता पक्ष पर हमलावर रहेगी। जानकारी के अनुसार कल सुबह 10 बजे समान विचारधारा वाले दलों के बैठक करके रणनीति को अंतिम रूप दिया जाएगा यानी सत्र की शुरुआत हंगामे के साथ होनी तय है। राज्यसभा में वीडियो बनाने पर कांग्रेस सांसद रजनी पाटिल के सदन से निलंबन और सदन के नेता पीयूष गोयल की विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे से लगातार माफी मांग कर रहे है। क्योंकि पीएम के भाषण के वक्त विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया था। ऐसे कड़वे रुख पर सत्र का पहला भाग समाप्त हुआ था। -शेष पृष्ठ दो पर

कोरोना : 113 दिन बाद सबसे ज्यादा मामले

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर से कोरोना वायरस के मामले बढ़ने शुरू हो गए हैं। भारत में 113 दिन बाद एक दिन में कोविड-19 के 524 नए मामले सामने आए, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 3,618 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, केरल में संक्रमण से एक मरीज की मौत होने से मृतकों की संख्या 5,30,781 पर पहुंच गई है। आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 4.46 करोड़ (4,46,90,492) -शेष पृष्ठ दो पर

भारत लोकतंत्र की जननी है, इसे नुकसान पहुंचाना असंभव : पीएम मोदी

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक अंतर्राष्ट्रीय मंच पर देश में लोकतंत्र के संबंध में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी को लेकर रविवार को उन पर निशाना साधा और कहा कि दुनिया की कोई ताकत भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं को नुकसान नहीं पहुंचा सकती। राहुल गांधी का नाम लिये बिना लंदन में की गई *भारतीय लोकतंत्र के खतरे में होने* संबंधी कांग्रेस नेता की टिप्पणी का जिक्र करते हुए कि मोदी ने इसे 12वीं शताब्दी के समाज सुधारक बसवेश्वर, कर्नाटक के लोगों, भारत की महान परंपराओं और यहां के नागरिकों का अपमान बताया। मोदी इस साल कर्नाटक के अपने छठे दौरे पर आए, जहां मई में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

अमित शाह के स्वागत में निरमा गर्ल पोस्टर

हैदराबाद। तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को *रावण* करार देकर और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के *स्वागत* में वाशिंग पाउडर निरमा गर्ल के चेहरे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में आए अन्य दलों के नेताओं का चेहरा लगाकर नया विवाद खड़ा कर दिया है। बीआरएस ने तंज कसते हुए पोस्टर के माध्यम से यह कहा है कि ऐसे नेता विभिन्न घोटालों से जुड़े होने के बावजूद अब किसी केंद्रीय एजेंसी के छापे का सामना नहीं कर रहे हैं। पोस्टर पर नीचे लिखा है कि अमित शाह का स्वागत। इसे राजनीतिक हलकों में विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच पोस्टर युद्ध छिड़ने का संकेत माना जा रहा है। शाह आज यहां के पास हकीमपेट में 54वें सीआईएसएफ स्थापना दिवस में भाग लेने के लिए शहर में थे। बीआरएस ने शाह का स्वागत करते हुए, निरमा गर्ल के चेहरे पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी, आंध्र प्रदेश के उद्योगपति सुजाना चौधरी और केंद्रीय मंत्री नारायण राणे का चेहरा लगाया गया है। इनमें से अधिकांश पर विभिन्न अनियमितताओं में आरोपों का सामना कर रहे थे। शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) -शेष पृष्ठ दो पर

95 फीसदी गांवों को मिल रहा पीने का पानी : सरकारी रिपोर्ट

नई दिल्ली। एक सरकारी सर्वे से पता चला है कि 2020-2021 के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में 95 प्रतिशत और शहरों में 97.2 प्रतिशत लोगों की पेयजल (पीने योग्य) पानी के बेहतर स्रोतों तक पहुंच है। नेशनल सैंपल सर्वे (एनएसएस) के 78वें दौर के मल्टीपल इंडिकेटर सर्वे (एमआईएस) पर आधारित रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रामीण इलाकों में करीब 56.3 फीसदी और शहरी इलाकों में करीब 76.3 फीसदी लोगों ने घरेलू परिसर में स्थित पेयजल के बेहतर स्रोत का इस्तेमाल किया, जो पूरे वर्ष पर्याप्त रूप से उपलब्ध था। एमआईएस का प्राथमिक उद्देश्य सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के कुछ महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संकेतकों के निर्माण के लिए डेटा एकत्र करना है। सर्वे को शुरू में जनवरी-दिसंबर 2020 के दौरान आयोजित करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसके कवरेज के संदर्भ में सर्वे संचालन की पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए डेटा संग्रह 15 अगस्त, 2021 तक जारी रखा गया था। केंद्रीय नमूने के लिए, सर्वे 14,266 प्रथम चरण इकाइयों (ग्रामीण क्षेत्रों में 8,469 और शहरी क्षेत्रों में 5,797) में फैला हुआ था, जिसमें 2,76,409 परिवार शामिल थे। इनमें ग्रामीण क्षेत्रों में 1,64,529 और शहरी क्षेत्रों में 1,11,880 परिवार शामिल थे। मार्च में जारी एमआईएस पर आधारित रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 78.7 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में लगभग 97.1 प्रतिशत परिवारों ने बताया कि घर के अधिकांश सदस्य शौचालय का इस्तेमाल करते हैं। जिन लोगों ने शौचालय तक पहुंच की सूचना दी थी, उनमें से ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 97.5 प्रतिशत की उन्नत शौचालय तक पहुंच थी, जबकि शहरी क्षेत्रों में लगभग 99 प्रतिशत की पहुंच बेहतर शौचालय तक थी। ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 77.4 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में लगभग 92.7 प्रतिशत लोगों के पास परिसर के भीतर पानी और साबुन/डिटर्जेंट के साथ हाथ धोने की सुविधा थी। जिन व्यक्तियों ने शौचालय और हाथ धोने की सुविधा तक पहुंच की सूचना दी थी, उनमें से ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 73.3 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में लगभग 81.4 प्रतिशत लोगों के पास घरेलू परिसर के भीतर बेहतर शौचालय और पानी और साबुन/डिटर्जेंट के साथ हाथ धोने की सुविधाओं तक विशेष पहुंच थी। ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 49.8 प्रतिशत परिवार और शहरी क्षेत्रों में लगभग 92.0 प्रतिशत परिवार खाना पकाने के लिए ऊर्जा के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पीएम की सुरक्षा में सेंध : केंद्र ने पंजाब सरकार से मांगी कार्रवाई रिपोर्ट

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पिछले साल 5 जनवरी को राज्य की अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा उल्लंघन पर पंजाब सरकार से विस्तृत कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है। सूत्रों के अनुसार, गृह मंत्रालय (एमएचए) के माध्यम से पंजाब सरकार को एक पत्र भेजा गया है, जिसमें दोषी अधिकारियों के खिलाफ विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है। यह पता चला है कि केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने पंजाब के मुख्य सचिव विजय कुमार जंजुआ से पंजाब सरकार द्वारा दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई में देरी पर प्रकाश डालते हुए कार्रवाई रिपोर्ट जमा करने को कहा है। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट जल्द से जल्द साझा करने की ओर इशारा करते हुए इस महीने की शुरुआत में पत्र भेजा गया था। 5 जनवरी, 2022 को पीएम मोदी की पंजाब यात्रा के दौरान सुरक्षा में सेंध की जांच करने वाली सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त जांच समिति की एक रिपोर्ट, जो छह महीने पहले प्रस्तुत की गई थी, तत्कालीन राज्य के मुख्य सचिव अनिरुद्ध तिवारी, पुलिस प्रमुख एस चट्टोपाध्याय और अन्य को दोषी ठहराया गया था। सुरक्षा उल्लंघन के तुरंत बाद, एमएचए ने एक तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था, जिसने पंजाब पुलिस के महानिदेशक, सिद्धार्थ चट्टोपाध्याय, पंजाब के एडीजीपी, पटियाला के आईजीपी और फिरोजपुर के डीआईजी सहित पंजाब पुलिस के एक दर्जन से अधिक शीर्ष अधिकारियों को तलब किया था। 5 जनवरी को पंजाब के फिरोजपुर की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए वे जिम्मेदार थे। केंद्र 5 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी की पंजाब यात्रा के दौरान उनकी सुरक्षा में सेंध के बाद पंजाब पुलिस अधिकारियों के खिलाफ विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) अधिनियम के तहत कार्रवाई पर विचार कर रहा है। एसपीजी अधिनियम की धारा 14 प्रदान करने के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार बनाती है। समूह को सहायता नामक प्रावधान में कहा गया है कि यह केंद्र सरकार या राज्य सरकार या केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के प्रत्येक मंत्रालय और विभाग, प्रत्येक भारतीय मिशन, प्रत्येक स्थानीय या अन्य प्राधिकरण या प्रत्येक नागरिक या ऐसे निदेशक या सदस्य को सौंपे गए कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को आगे बढ़ाने के लिए जब भी ऐसा करने के लिए कहा जाता है, निदेशक या समूह के किसी भी सदस्य की सहायता के लिए, सैन्य प्राधिकरण। गृह मंत्रालय की तीन सदस्यीय टीम ने फ्लाईओवर के अपने दौरे से अपनी जांच शुरू की, जहां प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान प्रदर्शनकारियों द्वारा सड़क जाम किए जाने के कारण उनका काफिला 15-20 मिनट से अधिक समय तक फंसा रहा। गृह मंत्रालय ने पंजाब के फिरोजपुर में पीएम की यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर चूक की जांच के लिए, तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था, जिसके कारण वीवीआईपी की सुरक्षा को गंभीर खतरा था। एमएचए ने तब पंजाब सरकार से इस चूक के लिए जिम्मेदारी तय करने और कड़ी कार्रवाई करने के लिए भी कहा था। यह कार्रवाई पंजाब में राष्ट्रीय शहीद स्मारक की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री के काफिले के सड़क मार्ग से एक फ्लाईओवर पर पहुंचने के बाद की गई, जहां कुछ प्रदर्शनकारियों द्वारा सड़क को अवरुद्ध कर दिया गया था। प्रधानमंत्री 15-20 मिनट तक फ्लाईओवर पर फंस रहे थे। यह प्रधानमंत्री की सुरक्षा में बड़ी चूक थी। पंजाब सरकार ने इस घटना की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का भी गठन किया था। प्रधानमंत्री मोदी 5 जनवरी की सुबह बठिंडा पहुंचे जहां से उन्हें हेलीकॉप्टर से हुसैनीवाला स्थित राष्ट्रीय शहीद स्मारक जाना था।

केरल में गरजे अमित शाह

तिरुवनंतपुरम। केंद्रीय गृहमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह रविवार को एक दिवसीय दौरे पर केरल पहुंचे। गृहमंत्री यहां भाजपा के त्रिशूर संसदीय क्षेत्र के पदाधिकारियों की एक बैठक में भी भाग लेंगे। वे त्रिशूर में वडक्कुमनाथन मंदिर भी जाएंगे। त्रिशूर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि वे हमारे प्रिय नेता पीएम मोदी की कब्र खोदेंगे। मैं राहुल गांधी से कहना चाहता हूं कि आपक उन्हें जितना बदनाम करने की कोशिश करेंगे, देश में कमल उतना ही खिलेगा। उन्होंने कहा कि केरल के लोगों ने लंबे समय से कांग्रेस और कम्युनिस्टों को राज्य पर शासन करने का मौका दिया है। कम्युनिस्टों को दुनिया ने खारिज कर दिया है और देश ने कांग्रेस पार्टी को खारिज कर दिया है। शाह ने कहा कि केरल में कम्युनिस्ट और कांग्रेस एक-दूसरे से लड़ रहे हैं। हालांकि त्रिपुरा चुनाव में कम्युनिस्टों और कांग्रेस ने एक-दूसरे के साथ गठबंधन किया था। उन्होंने त्रिपुरा में भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ा था। लेकिन, त्रिपुरा के लोगों ने भाजपा का समर्थन किया। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि कोच्चि मेट्रो फेज 1 का उद्घाटन हो चुका है और दूसरे फेज के लिए 1950 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। दो स्मार्ट शहरों के लिए 773 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए 55,000 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पीएफआई को मोदी सरकार ने पूरे तरह से बैन कर दिया है। इस प्रकार, पीएफआई की हिंसा से केरल को छुटकारा दिलाने में मदद करना। इस कदम का न तो कांग्रेस ने स्वागत किया और न ही कम्युनिस्टों ने। उन्होंने आगे कहा, केरल का सार्वजनिक कर्ज 3.40 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।

रंगिया में कांग्रेस ने निकाली हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के रंगिया नगर में रविवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के देशव्यापी अभियान के तहत हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा का आयोजन किया गया। रविवार को रंगिया विधानसभा क्षेत्र के कामरूप (ग्रामीण) जिला कांग्रेस कमेटी की पहल पर रंगिया नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने पार्टी कार्यकर्ताओं की कार्यकर्ताओं के साथ हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा का आयोजन किया गया। इसमें कामरूप (ग्रामीण) जिला कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष कोंकण दास, रंगिया ब्लॉक कमेटी के अध्यक्ष उद्धव दास, मुर्तज रहमान, उज्ज्वल लहकर, अबू बकर सिद्दीकी आदि के नेतृत्व में जिले के विभिन्न हिस्सों से सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। अभियान से पहले, पार्टी नेताओं के साथ-साथ कार्यकर्ता स्थानीय राजीव भवन में एकत्र हुए और रंगिया शहर की सड़कों पर एक विरोध मार्च निकाला। कांग्रेस नेता व कार्यकर्ताओं ने सत्तारूढ़ भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध जता रहे थे।

ब्लैक टाइगर सीमेंट ने शुरू की टाइगर दस का दम दो योजना

गुवाहाटी। क्षेत्र के प्रमुख सीमेंट ब्रांडों में से एक ब्लैक टाइगर सीमेंट की ओर से टाइगर दस का दम 2 नामक उपभोक्ता योजना का शुभारंभ किया गया है। इस बंपर योजना के पहले वर्ष में मिली अपार सफलता के बाद टाइगर दस का दम 2 योजना को इस बार भी ग्राहकों के लिए लांच किया गया है। यह अनूठी योजना ग्राहकों के लिए ब्लैक टाइगर सीमेंट के प्रत्येक सीमेंट बैग में 10 रुपए का नकद पुरस्कार सुनिश्चित करेगा। इस योजना के तहत कोई भी ग्राहक अपनी किस्मत को आजमा सकता है। प्रत्येक बोरी की खरीदारी पर उसके पास 10 रुपए से लेकर 10 लाख रुपए तक जीतने का सुनहरा मौका है। इस स्कीम के माध्यम से ग्राहक अपने सपने के घर का निर्माण कर सकता है। टाइगर दस का दम 2 के लांच के साथ ही पूर्वोत्तर के ग्राहकों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। इस पहल के संदर्भ में गोल्डस्टोन सीमेंट लिमिटेड के मैनेजिंग पार्टनर संजय कुमार गुप्ता ने कहा की हमे टाइगर दस का दम 2 की इस नई उपभोक्ता योजना को दूसरी बार लांच करते हुए बेहद खुशी हैं। उपभोक्ता योजना के पीछे ब्लैक टाइगर सीमेंट ब्रांड का विचार ग्राहकों की खुशी के साथ साथ उनके प्रति अपना दायित्व का निर्वहन करना भी है। गुप्ता ने कहा की इसके लांच के समय से लेकर आज तक, ब्लैक टाइगर सीमेंट ने हमेशा असम और पूर्वोत्तर के लोगों हितों के लिए कार्य किया है ओर आगे भी करते रहेगा। टाइगर दस का दम 2 उसी के प्रति अपना आभार व्यक्त करने का हमारी ओर से एक छोटा सा प्रयास है। गुप्ता ने कहा कि उपभोक्ताओं को इस स्कीम के माध्यम से 10 रुपए से लेकर दस लाख रुपए तक जीतने का सुनहरा मौका हैं। टाइगर दस का दम 2 योजना में प्रत्येक ब्लैक टाइगर सीमेंट बैग में निश्चित उपहार होने से ब्रांड के उपभोक्ताओं द्वारा इस पहल की खुले दिल से सराहना की गई है।

करोड़ों रुपए की हेरोइन समेत एक ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

कार्बी आंग्लांग (हि.स.)। कार्बी आंग्लांग पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर भारी मात्रा में प्रतिबंधित हेरोइन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि कार्बी आंग्लांग जिला के खटखटी इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान एक वाहन से 5 किलो 100 ग्राम प्रतिबंधित हेरोइन जब्त किया गया है। हेरोइन को बड़े शातिराना तरीके से 390 साबुनदानी में छिपाकर लाया जा रहा था। इस मामले में एक शातिर ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। जब्त की गई हेरोइन की कीमत करो ?ों रुपए आंकी गई है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार ड्रग्सस तस्कर से सघन पूछताछ कर रही है।

पैगंबर मुहम्मद की आड़ में भारत के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय अभियान अब भी जारी!

नई दिल्ली। इस्लाम के अनुयायियों के लिए सबसे घृणित चीजों में से एक पवित्र पैगंबर मुहम्मद का अपमान करना है। मुस्लिम बहुल देशों में इसे ईशनिंदा कहा जाता है और इसके लिए आजीवन कारावास से लेकर मौत की सजा तक दंडनीय है। पैगंबर मुहम्मद के खिलाफ की गई कोई भी अपमानजनक टिप्पणी दुनिया के 1.8 अरब मुसलमानों को प्रभावित करती है। मुसलमान दुनिया की आबादी का लगभग एक चौथाई हिस्सा बनाते हैं। इसका मतलब है कि दुनिया का हर चौथा व्यक्ति अपने प्यारे पैगंबर का अपमान करने पर अपना विरोध दर्ज कराएगा। किसी अन्य मुद्दे पर ईशनिंदा के मामले जैसी तीव्र सार्वजनिक प्रतिक्रिया की आवश्यकता नहीं है। वास्तव में इस मुद्दे में भू-राजनीति की दिशा बदलने की क्षमता है और ऐसा बहुत बार हो भी चुका है। हाल ही में डीएफआरएसी ने पैगंबर की गरिमा की रक्षा के नाम पर भारत को बदनाम करने के एक अंतर्राष्ट्रीय प्रयास किया जो अब भी जारी है। पैगंबर मुहम्मद की आड़ में भारत के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय अभियान का भंडाफोड़ बहुत पहले ही हो चुका है। इस्लाम के पैगंबर का समर्थन करने के लिए यह संगठन विशेष रूप से पश्चिमी देशों को लक्षित कर *पैगंबर मुहम्मद का समर्थन* नाम से एक अंतर्राष्ट्रीय अभियान चला रहा है। हाल के वर्षों में, इस संगठन के सदस्यों ने भारत और इसकी दक्षिणपंथी सरकार पर भी हमले किए हैं। हमने अपनी पिछली रिपोर्ट में चर्चा की थी कि कैसे भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा द्वारा एक लाइव टीवी शो के दौरान पैगंबर पर अप्रिय टिप्पणी के बाद भारत को दुर्भावनापूर्ण प्रचार का निशाना बनाया गया था। अरब और खाड़ी देशों में एक अभियान भी चलाया गया कि भारतीय उत्पादों का बहिष्कार किया जाए और भारतीय दूतों को बाहर निकाला जाए। इस विस्तृत रिपोर्ट के दूसरे भाग में हम भारत विरोधी अंतर्राष्ट्रीय अभियान के तीन प्रमुख आंकड़ों की साइबर गतिविधियों की पड़ताल कर रहे हैं। पैगंबर के सम्मान की रक्षा की आड़ में वे भारत की छवि को खराब कर रहे हैं। ये तीनों कट्टरपंथी मुस्लिम ब्रदरहुड समूह से ताल्लुक रखते हैं। मुस्लिम ब्रदरहुड का लक्ष्य एक वैश्विक खिलाफत स्थापित करना है। इसकी स्थापना 1928 में मिस्र में हसन अल-बन्ना नामक एक स्कूल शिक्षक ने की थी। ब्रदरहुड की दुनिया भर में बिखरी शाखाओं की संख्या बहुत अधिक है। ये शाखाएं विभिन्न छद्म पहचानों के तहत काम करती हैं, और यहां तक कि अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए हिंसक उपायों को अपनाने से भी पीछे नहीं हटती हैं। भाईचारे को अल कायदा और आईएसआईएस जैसे आतंकी संगठनों के जन्म के पीछे की वैचारिक ताकत के रूप में भी जाना जाता है।

तिनसुकिया से 13 मवेशियों को लेकर मेघालय जा रहा ट्रक जब्त

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य में सख्त पशु कानून लागू लागू होने के बावजूद अवैध तरीके से पशुओं की तस्करी जारी है। इसी कड़ी में गुवाहाटी के जोराबाट पुलिस चौकी प्रभारी कपिल पाठक के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान तिनसुकिया से मेघालय के पशु बाजार तक जा रहे 13 मवेशियों से लदा एक ट्रक को जब्त किया है। जोराबाट पुलिस चौकी प्रभारी ने बताया है कि रविवार तड़के सुबह चलाए गए अभियान के दौरान तिनसुकिया से मेघालय के पशु बाजार तक 13 मवेशियों को लेकर जा रहे मिनी ट्रक (एएस-23सीसी-4669) को जब्त किया गया। इस मामले में ट्रक चालक पुलिस को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार ट्रक चालक की पहचान तिनसुकिया जिला के बूल अलू (33) के रूप में की गई। पुलिस ने इस मामले एक प्राथमिकी दर्ज कर जांच में जुटी हुई है।

पृष्ठ एक का शेष

समलैंगिक विवाह बिल्कुल ...

कहना है कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अधीन है और इसे देश के कानूनों के तहत मान्यता प्राप्त करने के वास्ते समलैंगिक विवाह के मौलिक अधिकार को शामिल करने के लिए विस्तारित नहीं किया जा सकता है, जो वास्तव में इसके विपरीत है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने छह जनवरी को समलैंगिक विवाहों को कानूनी मान्यता देने के मुद्दे पर देश भर के विभिन्न उच्च न्यायालयों के समक्ष लंबित सभी याचिकाओं को एक साथ जोड़ते हुए उन्हें अपने पास स्थानांतरित कर लिया था।

सामाजिक कार्यों में ...

में यह प्रस्ताव बेहद महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। आरएसएस के शताब्दी वर्ष तक संघ देश के हर ब्लॉक स्तर तक पहुंचने की योजना बना रहा है। अभी भी वह देश के 42,613 क्षेत्रों में 68,651 शाखाएं संचालित कर रहा है। इसे बढ़ाकर एक लाख शाखाएं किये जाने की योजना है। राष्ट्र सेविका समिति के द्वारा महिलाओं के लिए अलग से शाखा कार्यक्रम चलाया जा रहा है। संघ महिलाओं की शाखाओं को बढ़ाने के लिए भी विचार कर रहा है। महिला शाखा को दो गुना तक किए जाने का प्रस्ताव है। इसके लिए राष्ट्र सेविका समिति के माध्यम से एक अलग अभियान संचालित किया जाएगा। महिला अधिकारों के लिए लगातार मुखर रहने वाली लेखिका क्षमा शर्मा ने अमर उजाला से कहा कि आरएसएस की यह पहल स्वागत योग्य है। महिलाएं इन विषयों के प्रति ज्यादा संवेदनशील होती हैं और वे इनसे सीधे तौर पर सबसे ज्यादा प्रभावित भी होती हैं, लिहाजा उन्हें इन योजनाओं से सीधे तौर पर जोड़कर ज्यादा सटीकता के साथ लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। इससे महिलाओं का सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण भी होगा।

कांजीरंगा के हाथी...

करेंगी। वह जीप और हाथियों की सवारी करके काजीरंगा के मनोरम दृश्यों का आनंद लेंगी। साथ ही वह काजीरंगा में विभिन्न स्थानों पर आयोजित हाथी महोत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों में भी भाग लेंगी। हालांकि, मुख्य स्थल के अलावा अन्य स्थलों के आयोजन को लेकर अभी फैसला होना बाकी है। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक जतींद्र शर्मा ने कहा कि उन सभी स्थानों को उच्च स्तरीय बैठकें भी आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में हर वर्ष एशियाई हाथियों के संरक्षण और सुरक्षा में मदद के लिए हाथी महोत्सव मनाया जाता है। राज्य में बढ़ते हाथी-मानव संघर्ष की ओर ध्यान आकर्षित करने के साथ-साथ इसका समाधान खोजने के उद्देश्य से पर्यटन और वन विभाग द्वारा इस तरह के उत्सवों का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस महोत्सव में सौ से अधिक पालतू एशियाई हाथी सजधज कर नृत्य, फुटबॉल, परेड और दौड़ सहित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर आगंतुकों का मनोरंजन करने का प्रयास करेंगे।

त्रिपुरा में हमले ...

जीविका के साधनों को भी बर्बाद किया, यहां तक कि कुछ लोग अपने घर छोड़कर भागने को मजबूर हो गए। उन्होंने कहा कि पुलिस हंगामा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है, उन्हें खुले तौर पर घूमने और पूर्वोत्तर राज्य में तोड़फोड़ करने की छूट है। ऐसा लगता है कि त्रिपुरा में कानून-व्यवस्था पूरा तरह ध्वस्त हो चुकी है और सरकार शांति बनाए रखने में बुरी तरह विफल रही है। त्रिपुरा में स्थिति की समीक्षा करने के लिए सात अन्य सांसदों और वरिष्ठ नेताओं के साथ यहां आए करीम ने कहा कि तथ्यान्वेषी शिष्टमंडल ने राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य से भेंट की है और उन्हें राज्य की वर्तमान स्थिति के बारे में बताया है। राज्य में विधानसभा के लिए मतदान 16 फरवरी को और वोटों की गिनती दो मार्च को हुई। माकपा नेता ने कहा कि राज्यपाल ने शिष्टमंडल को आश्वासन दिया कि वह इस मामले में हस्तक्षेप कर उचित कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा कि (त्रिपुरा में) चुनाव पश्चात हुई हिंसा के मुद्दे को हम संसद के दोनों सदनों में उठाएंगे ताकि उस पर देश का ध्यान आकर्षित हो सके। राज्य के बाहर के लोगों को यहां की स्थिति की गंभीरता के बारे में पता नहीं है।

नगालैंड में विपक्ष रहित...

विश्लेषक जोनास यांथन के अनुसार, एनडीपीपी-भाजपा गठबंधन को समर्थन देने वाले दलों के पास उन लोगों के लिए कोई एजेंडा नहीं है जो अपने नेताओं पर भरोसा करते हैं, और अपने स्वयं के स्वार्थों को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं। यांथन ने कहा कि विधानसभा में विपक्षी सदस्यों के बिना विधानसभा में जनता की चिंताओं को कौन उठाएगा? उन्होंने यह भी कहा कि पार्टियों का दावा है कि वे नगा शांति वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए सरकार का समर्थन करेंगे जो एक *राजनीतिक नाटक* है। सामाजिक कार्यकर्ता निकेतु इरालू ने कहा कि वह विपक्ष-रहित सरकार के विचार से सहमत नहीं हैं, जिसे उन्होंने राय-विहीन बताया। वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक एच. चिशी ने कहा कि विपक्ष रहित सरकार का प्रस्ताव निहित स्वार्थों के लिए सत्ता में आने का एक राजनीतिक हथकंडा है। चिशी ने कहा कि हमारे पास अतीत में विपक्ष-रहित सरकारें रही हैं, लेकिन उन्होंने क्या दिया है? यह अलोकतांत्रिक है और केंद्र सरकार को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए। नगालैंड विधानसभा चुनाव के नतीजे दो मार्च को घोषित किए गए थे जिसमें चुनाव पूर्व हुए गठबंधन के दो सहयोगियों एनडीपीपी-भाजपा ने क्रमशः 25 और 12 सीट पर जीत दर्ज कर कुल 37 सीट प्राप्त की थी।

मैं विधायकी से ...

असम विधानसभा में मैं विपक्ष में अकेला हूं जो इस सरकार के खिलाफ लड़ता है। हमारे पास विपक्ष के 51 विधायक हैं। लेकिन विपक्ष में कई लोगों ने राज्यसभा और राष्ट्रपति चुनावों में भाजपा के पक्ष में मतदान किया। यह कहे जाने पर कि राष्ट्रपति चुनाव के दौरान उन पर भाजपा को वोट देने के आरोप लगे थे, निर्दलीय विधायक ने आरोपों से इनकार किया और दावा किया कि वह हमेशा से भाजपा की सांप्रदायिक और जातिवादी राजनीति के खिलाफ लड़ते रहे हैं। गोगोई ने किसान संगठन कृषक मुक्ति संग्राम समिति (केएमएसएस) शुरू करके अपने सामाजिक जीवन की शुरुआत की थी और लगभग दो दशकों तक किसानों की आजीविका और निपटान से संबंधित मुद्दों को उठाया था। उन्होंने भूमि अधिकारों सहित विभिन्न मुद्दों पर कई आरटीआई आवेदन और अदालती मामले दायर किए थे और असम में कई घोटालों का खुलासा किया था। केएमएसएस के पूर्व नेता और उनके समूह ने एनएचपीसी की 2,000 मेगावाट की सुबनसिरी पनबिजली परियोजना, संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) और राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल गेट समेत विभिन्न मुद्दों के खिलाफ राज्य भर में विरोध प्रदर्शन और आंदोलन भी आयोजित किए थे। उन्होंने कहा कि मैंने केंद्र सरकार और भाजपा की सभी अवधारणाओं के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

अहम विषयों पर ...

विश्व व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं। ओम बिरला ने अंतर-संसदीय संघ की 146वीं सभा के दौरान हुई आम बहस में *शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और समावेशी समाज को बढ़ावा देना: असहिष्णुता के विरुद्ध लड़ाई* विषय पर अपने विचार साझा करते हुए संसद सदस्यों को अपने विचार व्यक्त करने के लिए दिए गए निर्बाध अधिकारों का उल्लेख किया। लोकसभा अध्यक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार में और देरी नहीं की जा सकती है। इस विषय को भविष्य के वैश्विक एजेंडे में शामिल किया जाए ताकि हम जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, गरीबी, महिला-पुरुष समानता एवं आतंकवाद जैसी चुनौतियों से निपटने में अधिक योगदान दे सकें। इससे पहले भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने विभिन्न सत्रों में भाग लिया। पूनमबेन माडम, सांसद और आईपीयू के महिला सांसद ब्यूरो की सदस्य ने ब्यूरो की बैठक और महिला सांसद फोरम के पूर्ण सत्र में भाग लिया। अपराजिता सारंगी, भर्तुहरि महताब और राधामोहन दास अग्रवाल, संसद सदस्य आईपीयू के एशिया प्रशांत समूह की बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान सारंगी ने पिछले छह महीनों में कार्यकारी समिति की गतिविधियों के बारे में एशिया-प्रशांत समूह के सदस्यों को जानकारी दी। बाद में, समूह ने विभिन्न आईपीयू निकायों में आगामी रिक्तियों के बारे में अपना नामांकन तय किया। सुमलता अंबरीश, सांसद को आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद पर उच्च स्तरीय सलाहकार समूह की सदस्यता के लिए समूह द्वारा समर्थन दिया गया। एशियाई संसदीय सभा ने सभा के दौरान अपनी समन्वय बैठक भी आयोजित की। विष्णु दयाल राम, और डॉ. सस्मित पात्रा, संसद सदस्य उपरोक्त बैठक में शामिल हुए।

ईडी-सीबीआई की...

अब एक बार फिर इसकी शुरुआत हंगामे के साथ होनी तय है। सूत्रों के अनुसार, राहुल समेत कांग्रेस नेताओं ने तय किया है कि अडानी के मुद्दे पर जेपीसी की मांग के साथ वो सरकार को घेरते रहेंगे। वहीं कांग्रेस सरकार जांच एजेंसियों के दुरुपयोग पर भी सवाल उठा सकती है। सूत्रों के मुताबिक, ऐसे में अडानी पर जांच नहीं, विपक्षियों की आवाज दबाने की कोशिश यानी दोनों मसलों को मिलाकर सरकार को घेरने का प्लान बाकी विपक्षी दलों के सामने रखेगी। आधिकारिक तौर पर कल सुबह 10 बजे विपक्षियों के साथ बैठक में विपक्ष के नेता खरगे ये प्रस्ताव रखेंगे। इसके अलावा महंगाई, बेरोजगारी, चीनी घुसपैठ, त्रिपुरा में चुनाव बाद हिंसा जैसे मसलों को भी कांग्रेस ने शार्टलिस्ट किया है। इस बैठक में जो तय होगा, उसी रणनीति पर आगे बढ़ने के लिए 10.30 संसद में सभी कांग्रेस सांसदों की बैठक होगी।

कोरोना : 113 दिन...

हो गई है। कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.80 प्रतिशत दर्ज की गई। इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,41,56,093 हो गई है, जबकि मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत दर्ज की गई है। मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, देशव्यापी कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक 220.64 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं। भारत में मौसमी इंफ्लूएंजा के उप-स्वरूप एच3एन2 के मामलों में वृद्धि के बीच केंद्र ने कुछ राज्यों में कोविड-19 संक्रमण दर में क्रमिक बढ़ोतरी को लेकर शनिवार को चिंता व्यक्त की और कहा कि इससे तुरंत निपटने की जरूरत है। केंद्र ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से इंफ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) या गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण (एसएआरआई) के मामलों के रूप में पेश होने वाले श्वसन संबंधी रोगों की एकीकृत निगरानी के लिए दिशानिर्देशों का पालन करने का अनुरोध किया। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को शनिवार को लिखे एक पत्र में, राज्यों से दवाओं और मेडिकल ऑक्सीजन की उपलब्धता, कोविड-19 और इन्फ्लूएंजा के खिलाफ टीकाकरण जैसी अस्पताल की तैयारियों का जायजा लेने का भी अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि जांच, इलाज और टीकाकरण पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए और कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन किए जाने की जरूरत है।

भारत लोकतंत्र की ...

मोदी ने कहा कि मैं भगवान बसवेश्वर की धरती पर आया हूं और मैं धन्य महसूस कर रहा हूं। भगवान बसवेश्वर के योगदानों में सबसे महत्वपूर्ण *अनुभव मंडप* की स्थापना है, इस लोकतांत्रिक प्रणाली पर दुनियाभर में शोध किया जाता है और ऐसी कई चीजें हैं जिनके कारण हम कहते हैं कि भारत सिर्फ सबसे बड़ा लोकतंत्र नहीं है बल्कि यह लोकतंत्र की जननी भी है। यहां भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) धारवाड़ के स्थायी परिसर का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि उन्हें कुछ साल पहले लंदन में बसवेश्वर की प्रतिमा का अनावरण करने का सौभाग्य मिला था। मोदी ने गांधी पर परोक्ष कटाक्ष करते हुए कहा कि लंदन में बसवेश्वर की प्रतिमा है, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि उसी लंदन में भारत के लोकतंत्र पर सवाल उठाए गए; भारत के लोकतंत्र की जड़ें हमारे सदियों के इतिहास से पोषित हैं। भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं को इस दुनिया की कोई ताकत नुकसान नहीं पहुंचा सकती। इसके बावजूद कुछ लोग इसे लगातार कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग बसवेश्वर, कर्नाटक के लोगों, भारत की महान परंपराओं, देश के 130 करोड़ जागरूक नागरिकों का अपमान कर रहे हैं।

अमित शाह के स्वागत...

द्वारा दिल्ली आबकारी नीति मामले में बीआरएस की विधान परिषद एमएलसी और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता से पूछताछ की पृष्ठभूमि में पोस्टरों के माध्यम से भाजपा पर हमला किया गया है। भाजपा में शामिल होने वाले और केंद्रीय एजेंसियों द्वारा जांच की जा रही घोटालों की जांच से बचने वाले राजनीतिक दलों की आलोचना करते हुए कल शहर भर में कई पोस्टर सामने आए जब कविता नई दिल्ली में ईडी के सामने पेश हुईं। विभिन्न क्षेत्रों में *बाय बाय मोदी* और उन्हें *लोकतंत्र का विनाशक* और *पाखंड के दादा* कहने वाले पोस्टर भी लगाए गए थे। इन पोस्टरों में, ईडी, सीबीआई, आईटी, अदानी, ईसी, डीआरआई, आईबी, एनसीबी और एनआईए नामक जांच एजेंसियों पर व्यंग्यात्मक ताने के साथ इन्हें रावण की तरह मोदी के सिर के रूप में चित्रित किया गया है। कविता को ईडी के समक्ष पेश किया गया था और दिल्ली आबकारी नीति मामले में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बयान दर्ज करने के लिए शनिवार को पूछताछ नौ घंटे तक चली थी। मामले के संबंध में बीआरएस एमएलसी को 16 मार्च को फिर से तलब किया गया है।

95 फीसदी गांवों ...

प्राथमिक स्रोत के रूप में स्वच्छ ईंधन का उपयोग करते हैं। स्वच्छ ईंधन का मतलब एलपीजी, अन्य प्राकृतिक गैस, गोबर गैस, अन्य बायोगैस, बिजली (सौर/पवन ऊर्जा जनरेटर द्वारा उत्पन्न सहित) और सौर कुकर से है। ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 33 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 15-29 वर्ष की आयु के लगभग 39.4 प्रतिशत व्यक्ति सर्वे से पहले 12 महीनों के लिए औपचारिक और गैर-औपचारिक शिक्षा और प्रशिक्षण में थे। इसी समय, ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 30.2 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 15-24 वर्ष की आयु के लगभग 27.0 प्रतिशत व्यक्ति सर्वे की तिथि के अनुसार शिक्षा, रोजगार या प्रशिक्षण (नीट) में नहीं थे। ग्रामीण क्षेत्रों में 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 67.8 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 83.7 प्रतिशत लोगों ने सर्वे की तारीख से पहले के तीन महीनों के दौरान सक्रिय सिम कार्ड वाले मोबाइल फोन का उपयोग किया। 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों में, ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 89.3 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में लगभग 89.6 प्रतिशत का व्यक्तिगत रूप से या संयुक्त रूप से किसी बैंक/अन्य वित्तीय संस्थान/मोबाइल मनी सेवा प्रदाता में खाता था।

सेना ने 370 ...

भारतीय सेना ने बताया कि पुलिस और स्थानीय प्रशासन की मदद से त्रिशक्ति कोर के जवानों ने तत्काल प्रभाव से राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। जिसको ऑपरेशन हिमराहट का नाम दिया गया। बता दें कि पर्यटकों में बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं, जिन्हें देवदूत बनकर भारतीय सेना ने सुरक्षित बचाया। भारतीय सेना के साथ पर्यटकों की तस्वीरें भी सामने आई हैं।

हर चुनाव अग्निपरीक्षा...

चुनाव के लिए चुनाव आयोग पर भरोसा कर सकते हैं? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि त्रिपुरा, नगालैंड और मेघालय में चुनाव संपन्न होने के साथ ही चुनाव आयोग ने 400वीं राज्य विधानसभा का चुनाव पूरा कर लिया है। उन्होंने कहा कि 17 लोकसभा चुनाव और 16 राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव हुए हैं। उन्होंने कहा कि परिणाम एक के बाद एक चुनाव स्वीकार किए जाते हैं और हर बार मतदान से सत्ता हस्तांतरण सुचारू रूप से होता है। यह हाल ही में कई विकसित देशों में जो कुछ भी हो रहा है, उसके समकक्ष है। उन्होंने कहा कि पिछले 70 वर्षों में भारत ने अपने सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, भौगोलिक, आर्थिक, भाषाई मुद्दों को शांतिपूर्वक और बातचीत के माध्यम से मुख्य रूप से स्थापित लोकतंत्र के कारण स्थिर किया है।

स्वर्वेद भाष्य

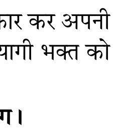

चतुर्थ मंडल **नवम अध्याय**

(संत)

आडम्बर पाखण्ड को, त्याग भजन कर सन्त।
निस्पृही निस्काम है, गोद लिए भगवन्त॥ 19॥

शब्दार्थ : (आडम्बर) दिखावापन (निस्पृही) कामनारहित (गोद) शरण (भगवन्त) प्रभु।

भाष्य : सन्त संसार की समस्त कामनाओं से रहित हो कर आडम्बर-पाखण्ड को छोड़कर भजन करते हैं और उसे महाप्रभु स्वीकार कर अपनी शरण में रख, कृतकृत्य कर देते हैं। आत्मसमर्पित एवं सर्वत्यागी भक्त को ही प्रभु स्वीकार करते हैं।

जन हरि हरि जन में रहें, क्षण नहिं होय वियोग।
कवच रूप हरि पालहीं, बाहर भीतर संयोग॥ 20॥

शब्दार्थ : (जन) भक्त (हरि) प्रभु (वियोग) विलगता (संयोग) संयुक्त (कवच) बख्तर।

भाष्य : भक्त और प्रभु का एक क्षण भी वियोग नहीं होता। प्रभु बाहर-भीतर सब स्थानों में साथ रह कवचरूप से रक्षा कर, पालन करते हैं।

कार्बी आंग्लांग में नशीले के खिलाफ अभियान में बड़ी कामयाबी

20 करोड़ की हेरोइन जब्त पुलिस ने एक आरोपी को दबोचा

होजाई (निसं)। कार्बी आंग्लांग जिले में करोड़ो रुपयों की हेरोइन की खेप बरामद की गई है। अधिकारियों ने आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिकने वाली हेरोइन की तस्करी का भंडाफोड़ किया है। आंग्लांग जिले में मिली हेरोइन की खेप कीमत 20 करोड़ रुपए से अधिक है। पुलिस ने इस मामले में एक पुलिस को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर भांडाफोड़ किया है। बोकाजन अनुमंडल पुलिस अधिकारी जॉन दास ने कहा कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने खटखटी इलाके में बैरिकेड लगा दिया था। जिसके बाद पुलिस ने रास्ते से गुजरने वाले हर वाहन की तलाशी लेना शुरू कर दिया था। पुलिस की टीम ने दीमापुर से आ रहे एक वाहन को रोक लिया। उन्होंने कहा कि वाहन की तलाशी के दौरान पुलिस ने वाहन के एक गुप्त कक्ष से 390 साबुन की पेटी बरामद की, जिसमें पांच किलोग्राम से अधिक हेरोइन थी। पुलिस अधिकारी जॉन दास ने कहा कि 20 करोड़ रुपए की कीमत की हेरोइन की खेप दीमापुर में लोड की गई थी। जिसके बाद इसे नागांव बाईपास में पहुंचाया जाना था। लेकिन पुलिस ने आरोपियों की यह मंशा को पूरा नहीं होने दिया। पुलिस ने इस सिलसिले में वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया है। जॉन ने कहा कि जब्त की गई हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 20 करोड़ रुपए आंकी गई है।

भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त, गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिलांतर्गत दक्षिण कामरूप के गोराईमारी में पुलिस ने बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किया है। पुलिस ने तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर किया है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया है कि शनिवार की रात छयगांव, बोको और गोराईमारी पुलिस ने संयुक्त रूप से अभियान चलाकर सुल्तान अली को बिहापारा में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सुल्तान अली के पास से ड्रग्स के प्लास्टिक के छोटे-छोटे 47 कंटेनर बरामद किए, जिसकी कीमत लाखों रुपए आंकी गयी है। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार बिहापारा निवासी सुल्तान अली लंबे समय से गोराईमारी इलाके में ड्रग्स की तस्करी कर रहा था। पुलिस ने इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर लिया है। राज्य में धारावाहिक रूप से कई स्थानों पर पुलिस के अभियान में भारी मात्रा में नशीले पदार्थ समेत तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने ग्वालपाड़ा से गौ तस्करों के चंगुल से 43 मवेशियों को छुड़ाया

ग्वालपाड़ा (हि.स.)। जिले के रंगजुली थाने के दिघलीबाड़ी गांव में पुलिस ने छापा मारकर तस्करों के चंगुल से 43 मवेशियों को छुड़ाया। रात के अंधेरे में तस्कर भागने में सफल रहे। पुलिस भागने वालों को तलाश कर रही है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया है कि रंगजुली थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दिघलीबारी में मवेशियों को तस्करी के लिए तैयार किया जा रहा है। शनिवार रात को ही रंगजुली थाना और शिमलीटोला चौकी पुलिस बल ने दिघलीबारी में छापा मारकर तस्करों को घेर लिया। पुलिस बल को देख तस्कर अंधेरे की आड़ में एक कार के जरिए फरार हो गए। पुलिस ने मौके से 43 मवेशियों को अपने कब्जे में लेकर रंगजुली थाने ले आई। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कुशियारा नदी में डूबने से छात्र की मौत

करीमगंज (हि.स.)। करीमगंज में कुशियारा नदी में डूबने से एक और छात्र की मौत हो गयी। एसडीआरएफ की टीम ने नदी में तलाशी अभियान चलाकर छात्र का शव बरामद किया। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि शहर के श्यामाप्रसाद रोड निवासी विशाल घोष (13) रविवार को अन्य दिनों की भांति नदी में अकेले नहाने के लिए गया था। काफी देर बाद जब वह घर नहीं लौटा तो परिजन परेशान हो गये। चराकुरी क्षेत्र में जब विशाल का पता नहीं चला तब स्थानीय लोगों ने नदी में उतरकर उसकी तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। घटना की जानकारी मिलने के बाद करीमगंज एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और नदी में तलाशी अभियान चलाकर विशाल का शव बरामद किया। विशाल घोष गुरुकुल उच्च विद्यालय का आठवीं कक्षा का छात्र था। उनके निधन से क्षेत्र में शोक छा गया। उल्लेखनीय है कि पिछले बुधवार को भी करीमगंज के ताराभूषण लेन निवासी एक छात्र की होली के दिन नदी में नहाने के दौरान डूबकर मौत हो गई थी।

सिलचर सेंट्रल जेल से मटिया ट्रांजिट कैंप में स्थानांतरित 87 घुसपैठिए

ग्वालपाड़ा (हि.स.)। बांग्लादेश, म्यांमार और अफ्रीका के सेनेगल आदि देशों से आए 87 घुसपैठियों को सिलचर सेंट्रल जेल से हटाकर शनिवार की रात को ग्वालपाड़ा जिले के मटिया में बनाए गए स्थायी ट्रांजिट कैंप में स्थानांतरित कर दिया गया। शुरू में बताया गया था कि घुसपैठियों को शनिवार की दोपहर को स्थानांतरित कर दिया जाएगा, लेकिन बाद में प्रक्रिया शाम 7 बजे के आसपास शुरू हुई। कछार जिला पुलिस प्रशासन ने विदेशी प्रवासियों के स्थानांतरण के दौरान सिलचर केंद्रीय कारागार क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। राज्य के गृह विभाग के एक सूत्र के अनुसार कैद किए गए 87 लोगों में से 22 बांग्लादेशी नागरिक हैं, 64 रोहिंग्या और एक अफ्रीकी महाद्वीप सेनेगल का है। पता चला है कि सेनेगल और बांग्लादेश के नागरिकों को जल्द से जल्द उनके संबंधित देशों को वापस भेजने के लिए उपाय किए गए हैं। हालांकि, म्यांमार के निवासी वर्तमान में अपने देशों में लौटने में असमर्थ हैं, इसलिए वे पारगमन शिविरों में रह सकते हैं। भारत सरकार ने 22 बांग्लादेशी नागरिकों को उनके देश भेजने की व्यवस्था की है। कई अफ्रीकी देशों के नागरिकों को हिरासत में लिया गया था, उनमें से अधिकांश को पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी करते हुए पकड़ा था। उनमें से कई पहले ही अपने घरों को वापस जा चुके हैं और सेनेगल से केवल एक व्यक्ति बचा है। 23 लोगों के अलावा म्यांमार के रोहिंग्या समुदाय के 65 लोग सिलचर सेंट्रल जेल में थे। निर्वासित विदेशी प्रवासियों में 30 महिलाएं और 57 पुरुष हैं। बांग्लादेश में 22 कैदियों में से 5 महिलाएं और 17 पुरुष हैं।

राज्य को जल्द ही मिलेगी उन्नत कैंसर अनुसंधान सुविधा

गुवाहाटी। कामरूप ग्रामीण जिले के अमीनगांव में जल्द ही एक कैंसर अनुसंधान केंद्र की स्थापना की जाएगी, जो दक्षिण एशिया में सबसे बड़ा कैंसर अनुसंधान केंद्र हो सकता है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, यह केंद्र असम को कैंसर अनुसंधान केंद्रों के वैश्विक मानचित्र पर पूर्वोत्तर राज्यों का ध्वजवाहक बना देगा। विशेषज्ञों ने शुक्रवार को राज्य सरकार के चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के तत्वावधान में आयोजित एक कार्यशाला में परियोजना के रोडमैप और परिचालन डिजाइन पर विचार-विमर्श किया था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित कैंसर विशेषज्ञ डॉक्टर डी नोरी ने एम्स, आईआईटी गुवाहाटी, गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल और अन्य प्रमुख चिकित्सा संस्थानों के संकाय सदस्यों के साथ परियोजना के निष्पादन के लिए एक रोडमैप तैयार करने के लिए कार्यशाला में भाग लिया था। चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के सचिव और आयुक्त सिद्धार्थ सिंह ने बताया कि इस परियोजना की रूपरेखा के लिए कई दौर तक बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि इस अनुसंधान केंद्र में बच्चों से संबंधित कैंसर के इलाज के लिए एक बाल चिकित्सा कैंसर अस्पताल भी होगा। इसके अलावा, परियोजना में एक बाल चिकित्सा हृदय रोग विंग की भी परिकल्पना की गई है। उन्होंने कहा, असम अपने मौजूदा और प्रस्तावित कैंसर उपचार केंद्रों के साथ अत्याधुनिक कैंसर अनुसंधान केंद्र के रूप में उभरेगा। जो शीर्ष वैश्विक प्रतिभाओं को आकर्षित कर सकता है। सिंह के मुताबिक इस केंद्र में न केवल असम बल्कि पड़ोसी राज्यों और देशों के लिए भी कैंसर के बेहतर नियंत्रण और प्रबंधन की क्षमता होगी।

पुल के निर्माण की मांग को लेकर प्रदर्शन

नगरबेड़ा (निसं)। कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत टुपामारी-रंगापानी को जोड़ने वाली अति व्यस्त सड़क पर जर्जर लकड़ी के पुल के बजाय पक्के पुल के निर्माण की मांग को लेकर कामरूप जिले के छात्रों और लोगों के एक वर्ग ने आज जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। गौरतलब है कि ग्रेटर टुपामारी क्षेत्र के लोगों की मजबूत मांगों को लेकर विधानसभा क्षेत्र की विधायिका नंदिता दास ने करीब सात साल पहले विधायक निधि की मदद से पुल की मरम्मत कराई थी। मरम्मत के कुछ दिन बाद पुल फिर से जर्जर हो गया, लेकिन जब मंडलीय अधिकारियों और विधायिका ने पुल की मरम्मत के लिए कोई कार्रवाई नहीं की तो स्थानीय लोगों ने अपने पैसे से पुल की मरम्मत की और किसी तरह परिवहन व्यवस्था जारी रखी। चूंकि पुल की हालत हाल ही में जर्जर हो गई है, इसलिए क्षेत्र के छात्रों और लोगों को खतरनाक वातावरण में जर्जर पुल के माध्यम से यात्रा जारी रखनी पड़ रही है। परिवहन की सुगमता पर ध्यान केंद्रित करते हुए उक्त पुल की मरम्मत और पुनर्निर्माण के लिए सांसद, विधायक और लोक निर्माण विभाग कोई भी नुन्यतम नजर या गुरुत्व प्रदान ना करने से क्षोभित हो पड़ा अंचल के कुछ लोग और छात्र-छात्राओं ने। उक्त जर्जर लकड़ी का पुल के बदले पक्का कंकर का पुल निर्माण का मांग में प्रतिवाद किया। प्रतिवादकारी ने हमें पक्का पुल चाहिए,असम सरकार हाय हाय, विधायिका नंदिता दास का काम नहीं है इत्यादि धोनी से वातावरण उत्ताल कर दिया। इसके वावजूद प्रतिवादकारीओं ने जल्द ही जर्जर लकड़ी का पुल का जगह एक कंकड़ का पुल निर्माण करने को संश्लिष्ठ विभाग के साथ सरकार के पास मांग किया जनता।

श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति की आमसभा आयोजित

गुवाहाटी (नसं)। फैंसी बाजार के टीआर फूकन रोड स्थित गल्लापट्टी श्री हनुमान मंदिर के अंतर्गत श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति की आमसभा रविवार की शाम वयोवृद्ध समाजसेवी रामपाल सीकरिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। अग्रवाल सदन में आयोजित आमसभा में सर्वसम्मति से वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेंद्र शर्मा (सोलू) को समिति के नए अध्यक्ष के रूप में चयन किया गया। वहीं वयोवृद्ध समाजसेवी जयप्रकाश गोयनका को सलाहकार, राकेश चौधरी को सचिव तथा सुनील बाजोरिया को कोषाध्यक्ष का भार सौंपा गया। आगामी 6 अप्रैल को गल्लापट्टी श्री हनुमान मंदिर में आयोजित होने वाले हनुमान जन्मोत्सव को लेकर नवनियुक्त अध्यक्ष शर्मा जल्द ही कार्यकारिणी समिति व सदस्यों की घोषणा करेंगे। इससे पूर्व निवर्तमान अध्यक्ष ललित क्याल ने सभा के शुभारंभ में उपस्थित सभी समाज बंधुओं का स्वागत किया। वहीं सचिव दिनेश सीकरिया ने गत वर्ष आयोजित हनुमान जन्मोत्सव का प्रतिवेदन पड़ा एवं आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया, जिसे सर्वसम्मति से सभा में पारित किया गया। बाद में क्याल ने अपने समस्त कार्यकारिणी का इस्तीफा दिया और रामपाल सीकरिया की अध्यक्षता में आगामी हनुमान जन्मोत्सव को लेकर नई कार्यकारिणी गठन की प्रक्रिया शुरू की गई। आमसभा में सर्वसम्मति से अध्यक्ष के रूप में चयन होने के बाद शर्मा ने अपने संबोधन में उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके कंधे पर जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वाहन वे पूरी निष्ठा के साथ करेंगे। साथ ही उन्होंने आगामी श्री हनुमान जन्मोत्सव को विराट रूप से आयोजित करने हेतु सभी के सहयोग की कामना की। अंत में धन्यवाद ज्ञापन सचिव राकेश चौधरी ने दिया। इस सभा में बड़ी संख्या में समिति के सदस्यों के अलावा गल्लापट्टी हनुमान मंदिर के महंत परिवार आदर्श शर्मा (बाबली) सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

ऑटो-कार की टक्कर में चार घायल

करीमगंज (हि.स.)। जिले के पाथरकांदी थाना अंतर्गत नारायणपुर में एक ऑटो रिक्शा और कार की टक्कर में तीन महिलाओं सहित चार यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का पथराकांदी अस्पताल में इलाज चल रहा है। बताया गया कि रविवार की सुबह करीब साढ़े दस बजे असीमगंज से ऑटो रिक्शा से एक ही परिवार की तीन महिलाओं एवं एक पुरुष नारायणपुर में एक रिश्तेदार के घर जा रहे थे। ऑटो रिक्शा के नारायणपुर पहुंचने से पहले पीछे से एक तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में चार यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना को अंजाम देने के बाद कार राताबाड़ी की ओर चली गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को पथरकांदी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

सफाई कर्मचारियों की 10 बस्तियों में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

गुवाहाटी (हि.स.)। स्थानीय डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति की पहल पर गुवाहाटी शहर में 10 स्थानों पर सफाई कर्मचारियों की झुग्गियों में रविवार एक नि:शुल्क स्वास्थ्य चेतना शिविर का आयोजन किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने गुवाहाटी शहर के विभिन्न हिस्सों में सफाई कर्मचारियों की झुग्गियों में रहने वाले लोगों को उनके स्वास्थ्य की देखभाल के लिए शिविरों का आज आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि गुवाहाटी शहर के मालीगांव गौशाला, लोको कॉलोनी, फाटाशील, आमबाड़ी, उजान बाजार, मराखली, बामुनीमैदाम, रूपनगर, दिसपुर की सफाईकर्मियों की बस्तियों में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। पहले चरण में इन शिविरों में सफाई कर्मचारियों के परिवारों को चेकअप किया गया। शिविर में पुरुषों, महिलाओं और बच्चों सहित कुल 1276 व्यक्तियों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। गुवाहाटी के प्रमुख अस्पताल के कुल 70 डॉक्टर इस शिविर में अपनी सेवाएं दीं। डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति पहले से ही स्लम क्षेत्र में सेवा दे रही है। शिविर स्थानीय लोगों के समर्थन से आयोजित किया गया। शिविर आज सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित किया गया था। उल्लेखनीय है कि डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति सफाई कर्मचारियों के स्लम क्षेत्रों में पहले से ही विभिन्न प्रकार की सेवा गतिविधियों को अंजाम देते आ रहा है।

तेरापंथी सभा का होली प्रीति सम्मेलन आयोजित

गुवाहाटी (नसं)। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, गुवाहाटी द्वारा तेरापंथ समाज का होली प्रीति सम्मेलन एवं प्रीतिभोज रविवार को सुबह 11:30 बजे से स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में अत्यन्त उल्लासपूर्ण वातावरण में सानंद सम्पन्न हुआ। सभी भाई-बहनों के चेहरे आनंद एवं उत्साह से परिपूर्ण थे एवं सभी एक-दूसरे को बड़े प्रेम से होली की बधाई देते हुए नजर आए। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा के अध्यक्ष बजरंग कुमार सुराणा एवं मंत्री रायचंद पटावरी एवं उनकी टीम ने सभी बुजुर्गों का अभिवादन करते हुए सभी समाजबंधुओं को होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इससे पूर्व प्रात: 9:30 बजे तेरापंथ धर्मस्थल के नवीनीकृत तुलसी प्रांगण (प्रथम तल्ला) के लोकार्पण समारोह का आयोजन जैन संस्कार विधि से किया गया, जिसमें सभी अनुदानदाताओं का फुलाम गामोछा से सम्मान किया गया। साथ ही धर्मस्थल नवीनीकरण के संयोजक उम्मेद कुमार सेठिया एवं स्ट्रक्चरल इंजीनियर हितेश चोपड़ा आदि का फुलाम गामोछा से सम्मान किया गया। कार्यक्रम संयोजक तेजकरण दुगड़ के अलावा तेरापंथी सभा की भोजन व्यवस्था समिति के संयोजक बिनोद बोरड़ एवं माणक जम्मड़ तथा अन्य सभी सहयोगियों ने सारी व्यवस्थाओं का कुशलतापूर्वक संचालन किया। आयोजन को सफल बनाने में तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष मनीष कुमार सिंघी, तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष मंजू भंसाली, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष बजरंगलाल डोसी, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के अध्यक्ष संतोष पुगलिया के नेतृत्व में सभी संघीय संस्थाओं एवं कार्यकर्ताओं का सराहनीय सहयोग रहा। इस अवसर पर रंगीला राजस्थान के सदस्यों ने चंग की थाप पर होली के सुमधुर लोकगीत गाकर माहौल को होलीमय बना दिया। किशोर मंडल, कन्या मंडल एवं ज्ञानशाला के छोटे-छोटे बच्चे ने भी इस कार्यक्रम में भरपूर सहयोग किया। तेरापंथी सभा के अध्यक्ष बजरंग कुमार सुराणा व मंत्री रायचंद पटावरी ने लोकार्पण समारोह, प्रीति सम्मेलन एवं प्रीतिभोज को सफल बनाने के लिए सभी समाजबंधुओं को धन्यवाद दिया है। इस आशय की जानकारी सभा के कार्यकारिणी सदस्य स्वरूप बरड़िया ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी है।

पूसीरे का पहला अंतर्राष्ट्रीय फाइड रैपिड और ब्लिट्ज रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट 25 से

गुवाहाटी (विभास)। भारत का सबसे बड़ा पहला एनएफआर अंतर्राष्ट्रीय फाइड रैपिड एंड ब्लिट्ज रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट पूसी रेल द्वारा 25 से 27 मार्च, 2023 तक आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट मालीगांव के पूसी रेल ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट के आयोजन के लिए, पूसी रेल स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने ऑल असम शतरंज एसोसिएशन (एएसीए) के साथ हाथ मिलाया है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फाइड) और अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) द्वारा मान्यता प्राप्त है। यह टूर्नामेंट दो श्रेणियों यानी रैपिड ओपन और ब्लिट्ज ओपन में आयोजित किया जाएगा। रैपिड ओपन वर्ग 25 और 26 मार्च को आयोजित किया जाएगा। जबकि ब्लिट्ज ओपन वर्ग 27 मार्च को आयोजित किया जाएगा। भागीदारी विभिन्न आयु वर्ग के लिए भी खुली है। विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को 12 लाख रुपए के पुरस्कार दिए जाएंगे। रैपिड ओपन टूर्नामेंट के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त खिलाड़ियों को क्रमश: 1 लाख रुपए, 70 हजार रुपए और 50 हजार रुपए का नकद पुरस्कार मिलेगा। ब्लिट्ज ओपन के लिए, प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के धारकों को क्रमश: 50 हजार रुपए, 30 हजार रुपए और 20 हजार रुपए का नकद पुरस्कार मिलेगा। रैपिड ओपन में पहले 40 स्थानों और ब्लिट्ज ओपन टूर्नामेंट में प्रथम 30 स्थानों के लिए पुरस्कार होंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए, एक खिलाड़ी को एआईसीएफ के साथ पंजीकृत होना चाहिए। इस टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 23 मार्च, 2023 है। पंजीकरण और विस्तृत प्रश्नों के लिए इच्छुक प्रतिभागी 8011727200, 8812892391 और 7002207387 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। ग्रैंड मास्टर्स, इंटरनेशनल मास्टर्स, वीमेन ग्रैंड मास्टर्स और वुमन इंटरनेशनल मास्टर्स के लिए प्रवेश नि:शुल्क है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल द्वारा यह एक और प्रयास है।

लमडिंग में रेलवे स्टेशन मास्टर का मिला शव

होजाई (हि.स.)। लमडिंग रेलवे जंक्शन से रविवार सुबह लमडिंग रेलवे स्टेशन मास्टर का शव मिलन से सनसनी फैल गई। जीआरपी सूत्रों के अनुसार रविवार सुबह लमडिंग रेलवे जंक्शन के स्टेशन मास्टर कंचन पांडेय का शव स्टेशन के प्रथम श्रेणी के प्रतीक्षालय के शौचालय से बरामद हुआ। शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। कंचन पांडेय की मौत के कारणों के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। जीआरपी थाने के ओसी ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रधानमंत्री ने कर्नाटक के मांड्या में प्रमुख विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

नंद दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कर्नाटक के मांड्या में प्रमुख विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने बेंगलुरु-मैसूरु एक्सप्रेसवे को राष्ट्र को समर्पित किया और मैसूरु-खुशालनगर 4-लेन राजमार्ग की आधारशिला रखी। इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि डबल इंजन सरकार तेजी से विकास के साथ हर नागरिक की मांगों को पूरा करने का प्रयास करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के युवा आज आधुनिक और उच्च गुणवत्ता वाले एक्सप्रेसवे पर गर्व महसूस कर रहे हैं। आज समर्पित इस एक्सप्रेसवे से मैसूरु और बेंगलुरु के बीच यात्रा का समय आधा हो गया है। उन्होंने मैसूर-कुशलनगर 4-लेन राजमार्ग की आधा-रशिला रखने पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं ह्यसबका विकासह्ल की भावना को आगे बढ़ाएंगी और समृद्धि के द्वार खोलेंगी। प्रधानमंत्री ने इन परियोजनाओं के लिए कर्नाटक के लोगों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर अपने साथ सिर्फ सुविधा नहीं लाता बल्कि रोजगार, निवेश और कमाई के साधन लाता है। बीते वर्षों में सिर्फ कर्नाटक में ही हमने एक लाख करोड़ रुपये से अधिक हाई-वे से जुड़े प्रोजेक्ट्स में पूंजी निवेश किया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले केंद्र की कांग्रेस सरकार ने गरीब परिवारों को तबाह करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। जो पैसा गरीब के विकास के लिए था, उसका हजारों-करोड़ रुपये कांग्रेस की सरकार ने लूट लिया था। कांग्रेस को कभी करीब के दुख-दर्द से कोई फर्क नहीं पड़ा है। कार्यक्रम से पहले प्रधानमंत्री ने मांड्या में रोड शो भी किया और इस दौरान उपस्थित लोगों का उन्होंने अभिवादन किया। प्रधानमंत्री ने आज बेंगलुरु-मैसूरु एक्सप्रेसवे राष्ट्र को समर्पित किया। इस परियोजना में एनएच-275 के बेंगलुरु-निदाघट्टा-मैसूरु खंड को 6 लेन का बनाना शामिल है। 118 किमी. लंबी सड़क के निर्माण से जुड़ी इस परियोजना को लगभग 8480 करोड़ रुपये की कुल लागत से विकसित किया गया है। इससे बेंगलुरु और मैसूरु के बीच यात्रा-अवधि लगभग 3 घंटे से घटकर करीब 75 मिनट रह जाएगी। इससे क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने मैसूरु-खुशालनगर 4 लेन राजमार्ग की आधारशिला भी रखी। 92 किमी. में फैली इस परियोजना को करीब 4130 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जाएगा। यह परियोजना बेंगलुरु के साथ खुशालनगर के परिवहन संपर्क को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और यात्रा-अवधि को लगभग 5 से घटाकर केवल 2.5 घंटे करने में मदद करेगी। इस प्रकार, यात्रा की अवधि, वर्तमान की तुलना में आधी रह जायेगी।

सतीश कौशिक की मौत में फार्म हाउस के मालिक विकास का हाथ, दोस्त की पत्नी का दावा

अजय कुमार

नई दिल्ली/मुंबई, (हि.स.)। अभिनेता सतीश कौशिक की मौत में नया खुलासा हुआ है। कौशिक होली पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली गए थे। वह अपने दोस्त कुबेर ग्रुप के विकास मालू के फार्म हाउस गए। वहीं उनकी हालत बिगड़ी। विकास मालू की पत्नी ने दावा किया है कि कौशिक की मौत के पीछे उसके पति का हाथ है। फार्म हाउस के मालिक की पत्नी सान्वी मालू ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। सान्वी मालू ने शिकायत में चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं। शिकायत के मुताबिक विकास और सतीश कौशिक के बीच 15 करोड़ रुपये के लेनदेन को लेकर झगड़ा हुआ। विकास और सतीश कौशिक दोनों पुराने दोस्त हैं। एक बार विदेश में सतीश कौशिक विकास से अपने 15 करोड़ रुपये लेने आए थे।

उनके बीच कहासुनी हो गई थी। सान्वी का कहना है कि विकास पैसे बाद में देने की बात कहकर टाल रहा था। सान्वी ने कौशिक की मौत के पीछे पति का हाथ होने की आशंका जताई है। उसका कहना है, हो सकता है कि पैसे न देने के लिए विकास ने सतीश कौशिक को गलत दवा दे दी हो। सान्वी ने मांग की है कि इसकी हर एंगल से जांच की जाए। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सान्वी अपने पति विकास के खिलाफ रेप का केस दर्ज करा चुकी है।

डेरे को 25 करोड़ देने को लेकर आप और कांग्रेस में घमासान

- दोनों ही पार्टियां 25 करोड़ के ग्रांट का लेना चाहती है क्रेडिट

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब में आम आदमी पार्टी की भगवंत मान सरकार और विपक्षी कांग्रेस के बीच डेरा को दिए गए 25 करोड़ के ग्रांट को लेकर घमासान छिड़ गया है। दोनों ही पार्टियां इस ग्रांट का क्रेडिट लेना चाहती हैं। दरअसल मान कैबिनेट ने डेरा सचखंड बल्लान के पास गुरु रविदास बानी अध्ययन केंद्र बनाने के लिए 25 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। जलंधर में कभी भी लोकसभा उपचुनाव हो सकता है। यहां से कांग्रेस विधायक रहे संतोख सिंह चौधरी का 14 जनवरी को निधन हो गया था। संभावना है कि जल्द ही यहां उपचुनाव का ऐलान हो जाएगा। डेरा के बड़ी संख्या में दलित अनुयायी हैं और सभी पार्टियां चाहती हैं कि चुनाव में उनका सहयोग मिले। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि 31 दिसंबर 2021 को तत्कालीन कांग्रेस मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने डेरा को गुरु रविदास सेंटर के लिए 25 करोड़ रुपए का चेक सौंप दिया था। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के सत्ता में आने के बाद ग्रांट की रिलीज रोक दी गई। आम आदमी पार्टी के मुताबिक पंजाब निर्माण कार्यक्रम के अंतरगत यह ग्रांट दिया जाएगा।

एक महीने के अंदर ही यह फंड दे दिया जाएगा और इसके लिए डिप्टी कमिश्नर की अध्यक्षता में कमेटी बनाई गई है। यह मामला विधानसभा में भी उठाया गया। आप विधायक बलकर सिंह ने इस कदम की तारीफ की। वहीं कांग्रेस विधायक सुखविंदर कोटली ने कहा कि इस रकम का चेक 14 महीने पहले चन्नी ने दिया था। आम आदमी पार्टी की सरकार वही पेमेंट अब करने जा रही है या फिर 25 करोड़ रुपए और जोड़कर दे रही है। चन्नी ने कहा था कि 100 एकड़ जमीन में डेरा के पास ही रिसर्च सेंटर बनाया जाएगा। हालांकि इसके लिए भूमि अधिग्रहित नहीं की गई है। बता दें कि डेरे का प्रभाव यहां अनुसूचित जाति वर्ग में बहुत ज्यादा है। आदमपुर, करतारपुर और जालंधर पश्चिम में इसके अनुयायी ज्यादा हैं। इस समय डेरा के चीफ संद निरंजन दास दुबई एक धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने गए हैं। हाल ही में अकाली दल के चीफ सुखबीर सिंह बादल और पंजाप में कांग्रेस चीफ अमरिंदर सिंह राजा भी यहां पहुंचे थे।

राज्य में अब भी गरीब लड़कियों की होती है खरीद-फरोख्त : महाराष्ट्र सरकार

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र विधानसभा में एक हैरान कर देने वाली खबर है, जिसे खुद राज्य की शिंदे-फडणवीस सरकार ने स्वीकार किया है। महाराष्ट्र सरकार ने यह माना है कि राज्य में अब भी गरीब लड़कियों की खरीद-फरोख्त होती है। राजस्थान और गुजरात के अहमदाबाद के पास स्थित गांवों में शादी के लिए एक से दो लाख रुपये में लड़कियों का सौदा होता है। विधान परिषद में उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लिखित उत्तर में कहा कि इस साल जनवरी में शादी-ब्याह के लिए लड़कियों के अपहरण के 24 मामले दर्ज किए गए। 2021 में इस तरह के मामलों में 448 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। विधान परिषद के सदस्य महादेव जानकर ने यह मामला उठाया था। इस पर देवेंद्र फडणवीस ने प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार बताया कि 2021 में 405 मामलों में 418 महिलाओं का अपहरण किया गया था, जिसमें 363 नाबालिग लड़कियां थीं। यह मामला सामने आने के बाद से सियासी हड़-कंप मचा हुआ है।

21वीं सदी जब महिलाओं की साक्षरता और सुरक्षा पर इतना ध्यान दिया जा रहा है। ऐसे माहौल में इस तरह की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। विधान परिषद के सदस्य विलास पोतनीस व सुनील शिंदे ने मुंबई से गायब हो रहीं लड़कियों के संबंध में सवाल पूछा। इस पर फडणवीस ने कहा कि 2022 में महिला अत्याचार के कुल 6133 मामले दर्ज किए गए। मुंबई से 1330 नाबालिग लड़कियां गायब हुईं, जिनमें 1097 तो मिल गईं, लेकिन 233 लड़कियों का अब तक पता नहीं चला है। 2022 में 18 साल से ज्यादा की 4437 महिलाएं गायब हुईं, जिनमें से 1398 का अता-पता नहीं चला।

दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार को मौसम में बदलाव संभव

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार और बुधवार को मौसम में बदलाव संभव है। इस दौरान बूंदाबांदी होने से मौसम खुशगवार हो सकता है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज (रविवार) धूप खिली हुई है। यह जानकारी भारत मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने दी। इस मौसम विज्ञानी के मुताबिक आज सुबह न्यूनतम तापमान 15.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। साथ ही सुबह साढ़े आठ बजे हवा में आर्द्रता का स्तर 77 प्रतिशत रहा। आज शाम चार बजे तक अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। 16 और 17 मार्च को आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।

आरोपी पिल्लई ने कोर्ट में ईडी पर अपने बयानों को लेकर लगाया ये आरोप

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के कथित आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार हैदराबाद के बिजनेमैन अरुण रामचंद्र पिल्लई ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर मामले में उनके बयानों को गलत साबित करते हुए हैदराबाद की एक अदालल का दरवाजा खटखटाया है। पिल्लई ने उनके बयानों को गलत साबित करने का आरोप लगाया है। आरोपी पिल्लाई ने आरोप लगाया कि उनके बयानों को जाली बनाया और उन पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया। बता दें पिल्लई तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर की बेटी के कविता के करीबी हैं। जो दिल्ली आबकारी नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय की जांच के दायरे में हैं। पूर्व सांसद और तेलंगाना की एमएलसी के कविता से ईडी ने नई दिल्ली में शनिवार 11 मार्च को लगभग9 घंटे तक पूछताछ की है। प्रर्वतन निदेशालय का दावा है कि बीआरएस एमएलसी और तेलंगाना के मुख्यमंत्री आम आदमी पार्टी की 2020-21 के लिए अब रद्द की जा चुकी दिल्ली आबकारी नीति के तहत दिल्ली के बाजार का बड़ा हिस्सा हासिल करने वाली थी। विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल ने पिल्लई के आवेदन पर ईडी को नोटिस जारी किया है। इसके साथ ही 13 मार्च तक अपना उत्तर दाखिल करने का निर्देश दिया है। दिल्ली आबकारी नीति मामले के संबंध में तेलंगाना सीएम की बेटी कविता पर पैसों के अवैध लेन-देन का आरोप लगाया है।

दिल्ली शराब घोटाले में अपनी संदिग्ध भूमिका के लिए ईडी की जांच के घेरे में हैं। गिरफ्तार अभियुक्त अरुण पिल्लई को कविता के सामने बैठाकर पूछताछ किए जाने की संभावना थी लेकिन शनिवार को अधिकारियों से इसके संबंध में कोई पुष्टि नहीं की गई। हैदराबाद के बिजनेमैन अरुण रामचंद्र पिल्लई जो कि इस केस के आरोपी हैं उसने दावा किया कि ईडी ने उसे दो दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया और उन्हें नवंबर 2022 में एक सहित अपने बयानों के रूप में पेश किया। पिल्लई को ईडी ने 6 मार्च को गिरफ्तार किया और अगले दिन अदालत में पेश किया। इसके बाद कोर्ट ने उन्हें ईडी के पास भेज दिया।

प्रॉपर्टी टैक्स जमा नहीं करने पर एमसीडी का एक्शन साउथ दिल्ली में 3 फार्म हाउस सील

नई दिल्ली (ईएमएस)। संपत्ति कर समय पर जमा नहीं करने वालों के खिलाफ दिल्ली नगर निगम ने सख्त रुख अपना लिया है। इसी क्रम में साउथ दिल्ली में एमसीडी ने बकाया संपत्ति कर जमा नहीं कराने पर गदईपुर जोनापुर और डेरामंडी क्षेत्र में तीन फार्म हाउस अटैच और सील किए। इतना ही नहीं एमसीडी ने साउथ जोन में छतरपुर और डेरामंडी रोड में पांच बड़ी कमर्शियल प्रॉपर्टीज को भी सील किया। दरअसल एमसीडी ने प्रॉपर्टी टैक्स न जमा कराने वाले संपत्ति मालिकों के खिलाफ अभियान चला रखा है। इसी कड़ी में बीते शनिवार को दिल्ली नगर निगम के संपत्ति कर विभाग ने दक्षिण दिल्ली के गदईपुर जोनापुर और डेरामंडी क्षेत्र में तीन फार्म हाउस अटैच या सील किया। इन संपत्तियों पर तकरीबन पांच करोड़ रुपए बकाया था। दिल्ली नगर निगम के मुताबिक संपत्ति बकायेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है और अलग-अलग क्षेत्रों में फार्म हाउस और कमर्शियल प्रॉपर्टीज को सील/ अटैच कर रहा है। मुहिम को आगे बढ़ाते हुए एमसीडी ने छतरपुर के 100 फुटा रोड और डेरामंडी रोड में पांच बड़ी व्यावसायिक संपत्तियों को भी सील कर दिया गया है। छतरपुर और डेरामंडी क्षेत्र में इन संपत्तियों पर 50 लाख रुपए का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया था। एमसीडी अधिकारियों के मुताबिक इन सम्पत्ति मालिकों ने साल 2006-07 से अपना बकाया टैक्स का भुगतान नहीं किया था। संपत्ति कर विभाग ने सभी बकायेदारों को अपना देय संपत्ति कर जमा कराने के लिए कई मौके दिए लेकिन फिर भी संपत्ति कर जमा नहीं किया गया। इसलिए यह कार्रवाई की गई। दिल्ली नगर निगम की ओर से लोगों को सलाह दी गई है और इस तरह की कार्रवाई से बचने के लिए अपना प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान समय पर करें और एमसीडी द्वारा शुरू की गई समृद्धि योजना का फायदा उठाएं।

गंदी जलापूर्ति के लिए दिल्ली सरकार जिम्मेदार

अजय त्यागी

नई दिल्ली। गरमी बढ़ने के साथ दिल्ली में गहराते जल संकट की बड़ी वजह जल शोधन संयंत्रों का सही तरीके से रखरखाव न हो पाना है। वजीराबाद और चंद्रावल जल शोधन संयंत्र में जमा गाद जलापूर्ति को प्रभावित कर रही है। दोनों संयंत्रों का मुआयना करने पहुंचे उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इसे अक्षम्य लापरवाही बताया है। इस पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए सरकार को तत्काल प्रभाव से दखल देने और मुख्य सचिव को सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। निरीक्षण के बाद तैयार नोट में जल बोर्ड और दिल्ली सरकार को पानी की किल्लत और गंदे पानी की आपूर्ति के लिए जिम्मेदार ठहराया है। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री को भेजे गए नोट में उपराज्यपाल ने कहा है कि एनजीटी के आदेशानुसार यमुना सफाई के लिए गठित कमेटी के अध्यक्ष होने के नाते जल संयंत्रों का निरीक्षण करने का मौका मिला। उपकरण ही नहीं पाइपलाइन तक गाद से ढक गई है। उपराज्यपाल ने हैरानी जताई है कि अक्तूबर 2013 में आठ महीने के भीतर 7.79 लाख घन मीटर गाद हटाने का अनुबंध था लेकिन 30 जून 2018 के बाद से किसी भी प्रकार की गाद निकालने का काम नहीं हुआ है।

कोरोना वायरस के हर दिन आ रहे 400 केस, केंद्र सरकार चिंतित, राज्यों को एडवाइजरी जारी

एच3एन2 वायरस के भी बढ़ रहे मरीज

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में कोरोना के केस भी एक बार फिर बढ़ने लगे हैं। एक समय जहां रोजाना कोविड के 200 से नीचे रिपोर्ट किए जा रहे थे, वहीं अब 400 से ऊपर मामले सामने आ रहे हैं। केंद्र सरकार ने देश के कुछ राज्यों में पॉजिटिविटी रेट बढ़ने पर भी चिंता जाहिर की है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने इस बाबत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखा है, जिसमें कोरोना के बढ़ते केस पर कड़ाई से नजर रखने को कहा गया है। इन्फ्लूएंजा वायरस एच3एन2 के मरीज भी बढ़ रहे हैं। दिल्ली सहित पूरे देश में एच3एन2 के मामले देखे जा रहे हैं। केंद्र ने राज्यों से दवाओं और मेडिकल ऑक्सीजन की उपलब्धता, कोविड-19 और इंफ्लुएंजा के खिलाफ टीकाकरण जैसी अस्पताल की तैयारियों का जायजा लेने का भी अनुरोध किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखा है। पत्र में ऐसे मरीजों पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है, जिन्हें सांस संबंधी दिक्कतें या इन्फ्लुएंजा जैसे लक्षण हैं। राजेश भूषण ने पत्र में लिखा कि भारत में कुछ महीनों से कोरोना के मामलों में काफी कमी देखी जा रही थी, लेकिन कुछ राज्यों में कोरोना के बढ़ते मामले चिंताजनक हैं और इन पर ध्यान देने की जरूरत है। स्वास्थ्य सचिव ने आगे बताया कि अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या कम और कोविड-19 वैक्सीनेशन की कवरेज में वृद्धि हुई है, लेकिन इसके बाद भी हमें टेस्ट, ट्रैक, ट्रीट, वैक्सीनेशन और कोविड प्रोटेकॉल शामिल है।

कोरोना से 3 व्यक्तियों की मौत की भी खबर है। ये मौतें केरल, कर्नाटक और राजस्थान में हुई हैं। विशेषज्ञों के अनुसार सबसे ज्यादा इन्फ्लूएंजा वायरस में ही बदलाव होता है। इसलिए बाजार में उपलब्ध इन्फ्लूएंजा वैक्सीन में भी हर साल बदलाव करना जरूरी हो जाता है। मीडिया को डॉक्टर सुरेश कुमार ने बताया कि यह इन्फ्लूएंजा का सब-वैरिएंट है। पहले जो एच1एन1 होता था, उसमें बदलाव हो गया है और अब यह एच3एन2 है। चूंकि पहली बार पूरे देश में सर्विलांस की जा रही है, जिसकी वजह से इसका पता चला है। वहीं, बीएलके हॉस्पिटल के रेस्पिरेटरी एक्सपर्ट डॉ. संदीप नय्यर ने कहा कि जो लोग कोविड के सीवियर मरीज रहे हैं और उनका लंग्स अभी तक पूरी तरह से रिकवर नहीं हुआ है, उनमें इसका संक्रमण होने पर यह ज्यादा सीवियर हो रहा है। दूसरी बड़ी वजह है कि इस वायरस में बड़ा म्यूटेशन हुआ है। तीसरी वजह पल्यूशन है। देश में जो दो मौत के मामले सामने आए हैं, उनमें भी पहले से गंभीर बीमारी थी।

फ्रांसीसी नौसेना के साथ भारत ने किया समुद्री साझेदारी अभ्यास 'एमपीएक्स'

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय नौसेना के स्वदेश निर्मित गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस सह्याद्री ने अरब सागर में फ्रेंच नेवी के जहाजों के साथ समुद्री साझेदारी अभ्यास 'एमपीएक्स' में भाग लिया। इस दौरान समुद्र में क्रॉस डेक लैंडिंग, बोर्डिंग अभ्यास और सीमैनशिप विकास जैसे अभ्यास शामिल किये गए। अरब सागर में 10-11 मार्च को हुए अभ्यास में फ्रांसीसी नौसेना के दो जहाजों ने हिस्सा लिया, जिसमें मिस्ट्रल क्लास एम्फीबियस असॉल्ट शिप एफएस डिसमूदे और ला फेयेट क्लास फ्रिगेट एफएस ला फेयेट थे। दोनों फ्रेंच जहाजों के साथ भारतीय आईएनएस सह्याद्री ने दोनों नौसेनाओं के बीच पारस्परिकता और उच्च स्तर के सहयोग की पुष्टि की।

इस दौरान समुद्र में विकास का एक व्यापक स्पेक्ट्रम देखा गया। स्वदेश निर्मित गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस सह्याद्री अत्याधुनिक हथियारों और सेंसर से लैस है, जो उसे हवा, सतह और उप-सतह के खतरों का पता लगाने और बेअसर करने में सक्षम बनाता है। यह जहाज विशाखापत्तनम में स्थित भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े का एक हिस्सा है।

केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के मुद्दे पर केंद्र और बंगाल सरकार में टकराव बढ़ा

- प्रतिनियुक्ति पर न भेजे जाने से राज्य के नौकरशाहों में बंगाल सरकार से नाराजगी
- लंबे अरसे से राज्य सरकार नहीं मान रही केंद्र के भेजे गए प्रतिनियुक्ति अनुरोध को

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल सरकार और केंद्र के बीच अमूमन कई मुद्दों पर टकराव होता है, लेकिन लंबे अरसे से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर न भेजे जाने के मुद्दे पर दोनों सरकारों के बीच ठनी हुई है। राज्य के पांच आईएएस अधिकारियों को केंद्र प्रतिनियुक्ति पर लेना चाहता है, लेकिन राज्य सरकार अनुमति नहीं दे रहा। इस वजह से दिल्ली डेपुटेशन पर जाने के इच्छुक नौकरशाहों में बंगाल सरकार से नाराजगी है। दरअसल, हर साल एक बैच में पास करने वाले आईएएस अधिकारियों का एक चौथाई हिस्सा केंद्र अपने पास रख लेता है। इन अधिकारियों के काम करने के तरीके, साफ-सुथरी छवि और दक्षता को देखते हुए केंद्र इनके नाम की सूची राज्यों को भेज देता है और अमूमन सारे राज्य इसे मान लेते हैं, लेकिन लंबे अरसे से पश्चिम बंगाल सरकार केंद्र के इस अनुरोध को नहीं मान रही। इसीलिए केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर मौजूद आईएएस अधिकारियों में सबसे कम संख्या पश्चिम बंगाल की है। राज्य सचिवालय के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले एक दशक से पश्चिम बंगाल को 316 आईएएस अधिकारियों की जरूरत है, लेकिन केवल 198 अधिकारी हैं। इसीलिए विभिन्न विभागों के सचिव स्तर के 20-22 अधिकारियों को अतिरिक्त जिम्मेदारियां दी गई हैं। पश्चिम बंगाल में 1989 बैच के अनिल वर्मा, 90 बैच के विवेक कुमार, विवेक भारद्वाज और सुब्रत गुप्ता, 91 बैच के कृष्णा गुप्ता को केंद्र ने दिल्ली डेपुटेशन पर भेजने के लिए पत्र भेजा था, लेकिन राज्य सरकार ने केवल विवेक भारद्वाज को दिल्ली जाने की अनुमति दी है, जो फिलहाल कोयला मंत्रालय में सचिव हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अक्सर शिकायत की है कि राज्य में नौकरशाहों की कमी के कारण विकास की गति बाधित हो रही है। केंद्र को भी इस बात की जानकारी पहले से है। लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के तहत कार्मिक और प्रशिक्षण मंत्रालय के सचिव संजय कोठारी ने कई साल पहले राज्य के तत्कालीन मुख्य सचिव संजय मित्रा को एक पत्र लिखा था। उसमें कहा था, "केंद्र पश्चिम बंगाल में आईएएस अधिकारियों की कमी से अनजान नहीं है। यदि राज्य चाहता है तो कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग कमी को पूरा करने के लिए केंद्रीय सचिवालय सेवा (सीएसएस) के अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति कर सकता है। कोठारी ने उम्मीद जताई कि जैसे-जैसे प्रशासन में अधिकारियों की कमी दूर होगी, विकास की गति तेज होगी। हालांकि, ममता बनर्जी ने राज्य प्रशासन में इस 'केंद्रीय घुसपैठ' को स्वीकार नहीं किया। दिल्ली से बुलावा आने के बावजूद राज्य की सहमति नहीं पाने वाले एक नौकरशाह ने हिन्दुस्थान समाचार से कहा, "राज्य में कम नौकरशाह हैं, यह तर्क निराधार है। नौ महीने पहले मैंने लिखित और मौखिक रूप से राज्य से मुक्त होने के लिए आवेदन किया। मुख्य सचिव से मिलकर मैंने अपना तर्क रखा, लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ।" एक अन्य अधिकारी ने कहा, "अब मेरी सेवानिवृत्ति का समय नजदीक आ रहा है। आम तौर पर कम से कम दो साल के कार्यकाल के बिना केंद्रीय सेवा में भर्ती नहीं किया जाता है। दरअसल, केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के मुद्दे पर राज्य और केंद्र में टकराव 2021 के विधानसभा चुनाव के समय से शुरू हुआ है। चुनाव के समय जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बंगाल आए थे, तब नियमों को ताक पर रखकर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री के साथ घूम रहे थे। इसके बाद केंद्र ने काफी सख्ती बरती थी, जिससे बचने के लिए तत्कालीन मुख्य सचिव अलापन बनर्जी ने स्वेच्छा सेवानिवृत्ति ले ली थी। पिछले विधानसभा चुनाव से पहले केंद्र ने भाजपा के अखिल भारतीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के काफिले पर हुए हमले के सिलसिले में तीन आईपीएस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति मांगी थी, लेकिन राज्य ने उन्हें भी नहीं भेजा था। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस बावत पिछले साल 13 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा था। केंद्र आईएएस (कैडर) अधिनियम, 1954 में संशोधन कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया था कि मोदी सरकार नौकरशाही को पूरी तरह से अपने हाथों में लेना चाहती है।

वाराणसी पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री राधा मोहन सिंह, एयरपोर्ट पर भाजपा नेताओं ने किया स्वागत

वाराणसी, (हि.स.)। पूर्व केन्द्रीय मंत्री, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के प्रभारी राधामोहन सिंह रविवार को वाराणसी पहुंचे। बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अन्तर राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर पार्टी के नेताओं ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री की गर्मजोशी से अगवानी की। इसमें प्रदेश सरकार के मंत्री रविंद्र जायसवाल, शैलेश पांडेय, मधुकर चित्रांशी, अजय गोंड़, रजत सिंह आदि शामिल रहे। एयरपोर्ट से राधामोहन सिंह सीधे रोहनिया स्थित पार्टी के क्षेत्रीय कार्यालय में आये। यहां भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा की दो दिवसीय कार्यसमिति की बैठक में शामिल हुए। बैठक में आगामी नगर निकाय चुनाव एवं 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर मंथन में पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने कार्यकताओं को संगठन की सबसे निचली व महत्वपूर्ण इकाई को मजबूत करने का संदेश दिया। चार सत्रों में चले बैठक में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी भी शामिल हुए। बैठक में मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री कालीराम , मोर्चा के प्रदेश प्रभारी एडवर्ड सोरेन, राष्ट्रीय महामंत्री गजेन्द्र सिंह, गजेंद्र सिंह (सांसद राज्यसभा) राष्ट्रीय महामंत्री, पूर्व अध्यक्ष रामधनी गोंड आदि भी भाग ले रहे है।

दुनिया में भारत को कोसने वाले, लोकतंत्र का गला घोंटते रहे हैं : मुख्यमंत्री

- कांग्रेस व राहुल गांधी का नाम लिए बिना सीएम योगी ने बोला जोरदार हमला

गोरखपुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राहुल गांधी का नाम लिए बिना ही कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक तरफ वैश्विक मंचों पर भारत का दबदबा बढ़ रहा है तो दूसरी तरफ कुछ लोग दुनिया के देशों में जाकर भारत की आलोचना कर रहे हैं। भारत के लोकतंत्र को कोसने वाले ये वही लोग हैं जो मौका मिलने पर स्वयं लोकतंत्र का गला घोंटते हैं। पीएम मोदी दुनिया मे देश का नाम कर रहे हैं तो कुछ लोग देश को बदनाम करने में जुटे हैं। सीएम योगी रविवार को भाजपा के बशारतपुर प्रथम शक्ति केंद्र पर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में जाकर देश की आलोचना करने वाले चेहरों को पहचानने की जरूरत है। ये देश के लोकतंत्र को कमजोर करना चाहते हैं। इनकी खानदानी विरासत ही बांटों और राज करो की विभाजनकारी राजनीति की रही है। इनकी विभाजनकारी मानसिकता और षड्यंत्र को सफल नहीं होने देना है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर अपनी बात रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 8-9 वर्षों में हासिल देश की उपलब्धियां नए भारत का प्रतिनिधित्व कर रहीं हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण में देश की उपलब्धियों और भावी योजनाओं की सुनहरी तस्वीर है। आने वाले दिनों में भारत दुनिया को राह दिखाने वाला देश होगा। सीएम योगी ने कहा कि जी-20 का नेतृत्व मिलना भारत के सामर्थ्य को प्रदर्शित करता है। भारत की ताकत की यशोगाथा गाई जा रही है। वैश्विक स्तर पर भारत का दबदबा बढ़ा है। अफगानिस्तान की बात हो या फिर रूस-यूक्रेन युद्ध की, हर कहीं पीएम मोदी की पहल का इंतजार रहता है। इटली और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री हाल में भारत आए, जापान के पीएम आने वाले हैं। यह सब देश की एक नई तस्वीर को पेश करते हैं। उन्होंने पीएम मोदी के पंच प्रण से सबको जुड़ने की अपील की और कहा कि विकसित देश के निर्माण, गुलामी के अंशों को सर्वथा

समाप्त करने, विरासत व क्रांतिवीरों का सम्मान करने, डेश की एकता व एकात्मकता के लिए सबको मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी एहसास कराता है। सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के दो महत्वपूर्ण पक्ष हैं। पहला सरकार की उपलब्धियां और दूसरा भावी योजनाएं। राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में 9 वर्षों के दौरान पीएम मोदी के नेतृत्व में देश ने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में लंबी छलांग लगाई है। खेती किसानी से लेकर नवाचार तक हर क्षेत्र में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन आया है। आय में कई गुना वृद्धि हुई है। निजी सेटेलाइट से अंतरिक्ष यात्रा भी हो रही है। उन्होंने कहा कि जब वह 1998 में पहली बार सांसद बने थे तो हर सांसद को 100 रसोई गैस कनेक्शन का कोटा मिलता था। आज रसोई गैस कनेक्शन सबको आसानी से मिल रहा है। पात्र परिवारों को सरकार मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन दे रही है। यूपी में 1.74 करोड़ तथा देश में 3.5 करोड़ लोगों को उज्ज्वला योजना से मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन मिला है। पहले गरीबों को आवास के लिए 20 हजार रुपये मिलते थे। आज पीएम आवास योजना में ग्रामीण क्षेत्रों में 1.20 लाख रुपये, शौचालय के लिए 12 हजार मिलते हैं। मनरेगा के तहत 90 दिन की मजदूरी के बराबर मानदेय भी मिलता है। जिन्हें पीएम आवास योजना से वंचितों के लिए मुख्यमंत्री आवास योजना शुरू की गई है। पीएम आवास योजना के तहत शहरी क्षेत्र में 2.50 लाख रुपये दिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि पीएम आवास योजना के तहत यूपी में 52.77 लाख तथा देश में 3.5 करोड़ परिवारों को लाभ मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी लाचारी में कहते थे कि सरकारी योजनाओं में 100 में से सिर्फ 15 पैसे गरीबों के पास पहुंचते थे। 85 पैसे दलाल खा जाते थे। वृद्धा व विधवा पेंशन में भी कमीशनखोरी होती थी। आज पीएम मोदी ने ऐसी व्यवस्था की है कि डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों के खातों में पूरी रकम पहुंचती है। कहीं कोई सेंधमारी नहीं, भ्ष्टाचार पर नकेल कस दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार विपत्ति में भी नागरिकों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। कोरोना संकट में मुफ्त जांच, मुफ्त इलाज, मुफ्त वैक्सीन और मुफ्त राशन की सुविधा दी गई। पीएम मोदी के मार्गदर्शन में बीमारी के महज नौ माह में दुनिया की दो सर्वश्रेष्ठ वैक्सीन बनाकर देश मे दुनिया का सबसे बड़ा, प्रभावी और सिस्टमैटिक वैक्सीन ड्राइव चलाया गया। यूपी में 40 करोड़ तथा देश मे 220 करोड़ वैक्सीन डोज मुफ्त दी गई। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश ने बहुत कम समय में कोरोना पर प्रभावी नियंत्रण पा लिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन समेत दुनिया के देशों ने भारत के कोरोना प्रबंधन की सराहना की, इसे अनुकरणीय माना। महामारी में भी कोई भूख से नहीं मरने पाया।

आलू को दूसरे जिलों में ले जाने के लिए सौ रुपये प्रति कुंतल किराया देगी सरकार : दिनेश सिंह

लखनऊ, (हि.स.)। किसी भी हालत में आलू किसानों को परेशानी नहीं होने दी जाएगी। अभी तक हमारे कोल्ड स्टोरेज की क्षमता का 46 प्रतिशत खाली है। यदि एक जिले में अधिक उत्पादन हो गया और किसानों को दूसरे जिले के कोल्ड स्टोरेज में आलू रखना है तो उन्हें सरकार प्रति कुंतल के हिसाब से 100 रुपये किराया देगी। ये बातें प्रदेश के उद्यान मंत्री दिनेश सिंह ने कही। वे अपने आवास पर मीडिया के सामने मुखातीब थे। उद्यान मंत्री ने कहा कि भारत में उत्तर प्रदेश का आलू उत्पादन में प्रथम स्थान है। प्रदेश में उपभोक्ताओं के लिए पोषणीय आवश्यकता, रोजगार सृजन एवं आर्थिक दृष्टि से नकदी फसल के रूप में आलू का महत्वपूर्ण योगदान है। देश के कुल उत्पादन का लगभग 35 प्रतिशत आलू का उत्पादन उत्तर प्रदेश में उत्पादित होता है। वर्ष 2017 से पूर्व आलू का क्षेत्रफल 6.14 लाख हेक्टेयर तथा उत्पादन 155.43 लाख मी0टन था, प्रदेश सरकार के अथक प्रयास से आलू के क्षेत्रफल एवं उत्पादन में वृद्धि हुई। प्रदेश में इस वर्ष लगभग 6.94 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में आलू के आच्छादन के सापेक्ष लगभग 242.93 लाख मी०टन उत्पादन सम्भावित है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 तक कुल 1708 शीतगृह, जिनकी भण्डारण क्षमता मात्र 130.26 लाख मी.टन थी। सरकार के प्रयास एवं लागू नीतियों के माध्यम से शीतगृहों की संख्या एवं भण्डारण क्षमता में वृद्धि हुई है। इस वर्ष आलू भण्डारण के लिए 1971 शीतगृह संचालित है, जिनकी भण्डारण क्षमता 162.62 लाख मी0टन है। अभी तक

मात्र 88.14 लाख मी. टन आलू भण्डारित हुआ है एवं 74.48 लाख मी.टन (45.80 प्रतिशत) की क्षमता भण्डारण हेतु अवेशष है। वर्ष 2012 से 2017 की अवधि में आलू के औसत बाजार भाव माह जनवरी, फरवरी व मार्च में क्रमशः रुपये 603.20 प्रति कुन्तल, रु0 566.20 प्रति कुन्तल व रु0 655.20 प्रति कुन्तल थे, जबकि 2017 से 2022 की अवधि में आलू के औसत बाजार भाव माह जनवरी, फरवरी व मार्च में क्रमशः रु0 810.40 प्रति कुन्तल, रु0 72680 प्रति कुन्तल व रु० 828.20 प्रति कुन्तल रहे हैं। आलू के औसत थोक बाजार भाव रु0 831 प्रति कुन्तल से रु0 1644 प्रति कुन्तल के मध्य रहे हैं। जनवरी, 2023 में आलू के 50 औसत बाजार भाव रु0 845 प्रति कुन्तल थे। फरुर्खाबाद में आलू के विपणन, भण्डारण तथा मण्डी सम्बन्धी समस्याओं के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनिक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। कृषि उत्पादन आयुक्त, उ0प्र0 शासन सुझावों से संज्ञानित होते हुए उद्यान विभाग एवं उ०प्र० राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों को कठोर एवं प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं और प्रतिदिन मध्यान्ह 12:00 बजे समीक्षा बैठक की जा रही है। आलू उत्पादकों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य दिलाये जाने के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के समस्त शीतगृहों पर उद्यान विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गयी है, जो आलू भण्डारण में किसानों की सहायता कर रहे हैं, जिसके फलस्वरूप आलू उत्पादक सुगमता से शीतगृहों में अपने आलू का भण्डारण कर रहे हैं। प्रदेश से 15000 टन आलू का निर्यात उ0प्र0 राज्य औद्यानिक सहकारी विपणन संघ (हॉफेड) के माध्यम से नेपाल को निर्यात करने का अनुबन्ध हो चुका है, जिसके क्रम में पहली खेप फरूर्खाबाद से दिनांक 11 मार्च, 2023 को रवाना की जा चुकी है। जनपद आगरा से 600 टन आलू का निर्यात मलेशिया, दुबई एवं कतर के लिए दिनांक 11 मार्च को भेजा जा चुका हैं।

समाज में व्याप्त विसंगतियों का समाधान संस्कृत पढ़ने से ही संभव : डॉ. चंद्रभूषण

-20 दिवसीय ऑनलाइन संस्कृत सम्भाषण कक्षा का बौद्धिक सत्र सम्पन्न

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान की ओर से चलाए जा रहे संस्कृत भाषा शिक्षण कक्षा के अन्तर्गत मार्च में 20 दिवसीय ऑनलाइन संस्कृत सम्भाषण कक्षा का बौद्धिक सत्र रविवार को संपन्न हुआ। प्रत्येक माह चलने वाली कक्षाओं में समूचे देश से जुड़े लोग संस्थान की वेबसाइट पर पंजीकरण कर निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। कक्षाएं संस्थान के निदेशक विनय श्रीवास्तव की देखरेख में चल रही हैं। उन्होंने बताया कि विश्व की समस्त भाषाओं में सर्वोत्कृष्ट रूप में संस्कृत का नाम लेकर प्रत्येक भारतीय गौरवान्वित होता है। संस्कृत केवल भाषा का नाम नहीं, अपितु सर्वोत्तम जीवनशैली का पथ-प्रदर्शक भी है। बौद्धिक सत्र कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप मे हमीरपुर के जिलाधिकारी डॉ. चन्द्रभूषण त्रिपाठी ने कहा कि संस्कृत पढ़ने से ही समाज में व्याप्त

विसंगतियों का समाधान संभव है। प्रत्येक व्यक्ति इस महान और प्राचीनतम भाषा से जुड़ रहा है। इसलिए हम सभी को मिलकर समाज में व्याप्त कुरीतियों एवं भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करने के लिए संस्कृत के प्रति लोगों को जागरूक करना चाहिए। इस दिशा में राज्य सरकार की पहल पर उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान की निःशुल्क कक्षाएं लग रही हैं। संस्कृत पढ़ने का प्रभाव हमारे विचारों और संस्कारों पर पड़ता है जो अतुलनीय है। संचालन प्रशिक्षक सत्यम मिश्र ने किया। मिश्री लाल ने वैदिक मंगलाचरण किया। अतिथियों का परिचय एवं स्वागत भाषण प्रशिक्षक ओमदत्त द्विवेदी ने किया। छात्र अमन पाण्डेय ने स्वागत गीत एवं रूपम, ऊषा ने अनुभव बताया। प्रशिक्षिका सविता मौर्या ने आये हुये अतिथियों, छात्रों प्रशिक्षकों एवं संस्थान के अधिकारियों कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। आर्यन द्विवेदी ने शांति मंत्र से सत्र का समापन किया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी दिनेश मिश्र, प्रशिक्षण समन्वयक धीरज मैठाणी, दिव्यरंजन, राधा शर्मा, राजन दुबे, गणेश दत्त, सचिन शर्मा, आदि मौजूद रहे।

संदीप मुरारका ने राज्यपाल को भेंट की आदिवासियों पर लिखी अपनी पुस्तक

रांची, (हि.स.)। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से आदिवासी समुदाय के सकारात्मक पहलुओं पर लिखनेवाले जमशेदपुर के लेखक संदीप मुरारका और डॉ राम मनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष अभिषेक रंजन सिंह ने रविवार को मुलाकात की। लेखक संदीप मुरारका ने गवर्नर को आदिवासियों पर लिखी गयी अपनी पुस्तक देश के 105 विशिष्ट जनजातीय व्यक्तित्व भेंट की। इस पुस्तक में पद्म पुरस्कारों के सम्मानित 76आदिवासी व्यक्तित्वों के साथ-साथ परमवीर चक्र, महावीर चक्र, ध्यानचंद अवार्ड एवं नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित विभूतियों के बारे में बताया गया है। मौके पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि आदिवासी हमारे लिये प्रेरणास्त्रोत हैं, क्योंकि परस्थितियों के विपरीत होने के बावजूद अपने कठिन संघर्ष से वे सफलताओं का परचम लहरा रहे हैं। संदीप मुरारका शॉर्ट बॉयोग्राफी और फीचर के जरिये लगातार प्रेरक आदिवासी चरित्रों से पाठकों को रुबरु करा रहे हैं। उन्होंने 23 राज्यों की लगभग 52 जनजातियों के विख्यात आदिवासियों पर कॉफी टेबल बुक लिखी है। देश के 105 विशिष्ट जनजातीय व्यक्तित्व शीर्षक के नाम

से प्रकाशित कॉफी टेबल बुक में वैसे आदिवासियों का परिचय समाहित है। इस सचित्र रंगीन पुस्तक का प्रकाशन हिंदी भाषा में कोलकाता के विद्यादीप फाउंडेशन की ओर से किया गया है। साथ ही अंग्रेजी, ओड़िया, पंजाबी, मगही, भोजपुरी और संताली में इसका अनुवाद किया गया है। संदीप मुरारका पहले भी आदिवासियों पर तीन पुस्तक लिख चुके हैं।

उनकी पुस्तकें शिखर को छूते ट्राइबल्स भाग एक से तीन शोधार्थियों और यूपीएससी के छात्र-छात्राओं के बीच काफी लोकप्रिय हो चुकी हैं। यह पुस्तक ऑनलाइन प्लेटफार्म पर बेस्टसेलर का दर्जा प्राप्त कर चुकी है। संदीप मुरारका पाठकों को बताते हैं कि सफलता के लिये संसाधनों की नहीं बल्कि संकल्प की आवश्यकता है। संदीप मुरारका ने कहा कि जब भी हम आदिवासियों की बात करते हैं, तो बताया जाता है कि उनकी दुनिया हाशिये पर है, वे भूखे नंगे वंचित हैं, वे शहर कस्बे की बजाये जंगलों, नदी तालाब के पास या पर्वतों व कंदराओं में रहते हैं। वे दुनिया के तमाम आधुनिक सुख-सुविधाओं से महरूम हैं और समाज की मुख्यधारा से अलग विचरते हैं, लेकिन वास्तविकता इससे विपरीत है। जनजातीय संस्कृति हमेशा से समृद्ध रही है और यह समुदाय सामाजिक गतिशील रहा है। शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र होगा, जिसमें जनजातियों की महत्वपूर्ण भूमिका ना हो। विशेषकर संस्कृति, नृत्य, गीत, प्राकृतिक अनुसंधान, खेल और अन्य साहसिक कार्यों में इनका योगदान अतुलनीय है।

आदिवासी ना तो हिंदू है और ना ही सनातन, सरना धर्म कोड लागू हो : बंधन तिग्गा

रांची, (हि.स.)। मोरहाबादी मैदान में रविवार को आदिवासी समाज सरना धर्म रक्षा अभियान के बैनर तले विभिन्न आदिवासी संगठनों की सरना धर्म कोड महारैली हुई। रैली में झारखंड सहित नेपाल, भूटान, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और बिहार के आदिवासी शामिल हुए हैं। महारैली के जरिये आदिवासी संगठनों ने केंद्र सरकार और भाजपा से सरना धर्म कोड लागू करने की मांग उठाई। महारैली को संबोधित करते हुए सरना धर्म गुरु बंधन तिग्गा ने कहा कि आदिवासी ना तो हिंदू है और ना ही सनातन। इसलिए आदिवासियों को समाप्त करने की साजिश बंद होनी चाहिए। देशभर में 12 करोड़ से अधिक आदिवासियों का अपना धर्म है, जो अपनी संस्कृति, अपना संस्कार, अपना पूजा स्थल और अपने रीति रिवाज से चलते हैं, हिंदू लॉ से नहीं। इसलिए आदिवासियों के लिए सरना धर्म कोड लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर केंद्र सरकार ऐसा नहीं करेगी, तो इस

के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। बंधन तिग्गा ने कहा कि साजिश के तहत आदिवासियों को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे हरगिज बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा कि 2011 में देशभर में लगभग 50 लाख आदिवासियों ने अपना धर्मकोड जनगणना प्रपत्र में दर्ज कराया। दुनियाभर में 40 लाख से अधिक लोगों ने सरना धर्म कोड अंकित कराया है, इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि आदिवासी हिंदू या सनातन हैं। उन्होंने कहा कि जब तक जनगणना प्रपत्र में अलग से सरना धर्म कोड नहीं होगा, तब तक हम लोग राष्ट्रीय जनगणना होने नहीं देंगे। सरना धर्म कोड के लिए आर-पार की लड़ाई होगी और हम लोग सरहद पार करने को तैयार है।

रांची में पहला मंगलवारी जुलूस 14 मार्च को, रामनवमी 30 मार्च को

रांची, (हि.स.)। रांची में रामनवमी और चैती दुगार्पूजा की तैयारी शुरू हो गयी है। रामनवमी का पहला मंगलवारी जुलूस 14 मार्च को निकलेगा। इसके बाद 21 मार्च को दूसरा, 28 को तीसरा और अंतिम मंगलवारी जुलूस निकलेगा। 29 मार्च को महाअष्टमी है। इस दिन मंगल आरती होगी और झांकी निकाली जायेगी। 30 मार्च को रामनवमी का त्योहार धूमधाम से मनाया जायेगा। इस दिन रात 11:53 बजे तक नवमी तिथि मिल रही है, जिस दिन मध्याह्न काल में नवमी तिथि मिलती है, उसी दिन रामनवमी मनायी जाती है। 30 मार्च को रात 11.31 बजे तक पुनर्वसु नक्षत्र और रात 1:42 बजे तक अतिगण्ड योग रहेगा। इसके अलावा सिद्धि योगा मिल रहा है। इस कारण से यह तिथि काफी शुभ मानी जा रही है। 30 मार्च को ही रामनवमी की भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी। विक्रम संवत-2080 भी 22 मार्च से शुरू हो जायेगा। साथ ही वर्ष प्रतिपदा की शुरूआत होगी।

पंडित रामदेव पाण्डेय ने बताया कि 22 मार्च को नया साल शुरू हो रहा है। इस दिन गंगा सहित अन्य सहायक नदियों में स्नान, नया वस्त्र पहनने, घरों में नया झंडा लगाने, पंचांग पूजन और श्रवण, दान का महत्व है। कृषि कार्य शुरू करने का भी विधान है। साथ ही गुड़ी पड़वा, सिंधी नववर्ष, तमिल नववर्ष भी शुरू होगा। वासंतिक नवरात्र भी 22 मार्च से शुरू हो जायेगा। रात 9:24 बजे तक प्रतिपदा होने के कारण भक्तों को कलश स्थापना का काफी समय मिलेगा। प्रातःकाल में देवी पूजन का काफी महत्व है। 23 मार्च को द्वितीया, 24 को तुतीया, 25 को चतुर्थी, 26 को पंचमी, 27 को बेलवरण, 28 को महासप्तमी, 29 को महाअष्टमी, 30 को महानवमी और 31 मार्च को दशमी है। बांग्ला पंचांग के अनुसार माता का आगमन घोड़ा और गमन डोली पर हो रहा है, जिसका फल शुभ नहीं है। हालांकि कोई भी तिथि क्षय नहीं है, जिस कारण इसे शुभ माना जा रहा है।

पीटी उषा को सामने पाकर झूम उठा बेगूसराय, कहीं पुष्प वर्षा तो कहीं आरती से हुआ स्वागत

बेगूसराय, (हि.स.)। भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष और भारत की उड़नपरी, क्वीन ऑफ द ट्रैक पीटी उषा के रविवार को पहली बार बिहार के बेगूसराय आने पर जिलावासी झूम उठे हैं। जगह-जगह गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया जा रहा है, कहीं पुष्प वर्षा हो रही है तो कहीं आरती उतारी जा रही है। पटना से सड़क मार्ग द्वारा बेगूसराय जिले की सीमा में सिमरिया पुल के समीप प्रवेश करते ही सैकड़ों लोगों ने पीटी उषा का जोरदार स्वागत किया। यहां से आगे बढ़ने पर बीहट चांदनी चौक के समीप सैकड़ों छात्र-छात्रा, खिलाड़ी और सामाजिक कार्यकर्ता उनके स्वागत में बैंड बाजा के साथ पहले से ही खड़े थे। वाहन के रुकते ही भारत माता के जयकारे के बीच पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। जिसे किताबों में पढ़ते और टीवी पर देखते थे, उसे अपने सामने पाकर झूम उठे। यहां साइकिल पर बंधे तिरंगा के साथ साइकिल पर

संडे की टीम के युवाओं ने आगवानी करते हुए जीरोमाइल स्थित राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की प्रतिमा स्थल पर लाया। यहां सिद्ध बड़ी दुर्गा मंदिर द्वारा स्वागत किया गया। इस दौरान पीटी उषा एवं राज्यसभा सदस्य राकेश सिन्हा सहित सभी लोगों ने राष्ट्रपति दिनकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। दिनकर प्रतिमा स्थल के बाद काफिला बरौनी रिफाइनरी टाउनशिप पहुंचा। जहां कार्यपालक निदेशक और बरौनी रिफाइनरी प्रमुख आरके झा, बेगूसराय विधायक कुंदन कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार वर्मा सहित इंडियन ऑयल के अधिकारियों एवं भाजपा कार्यकताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर रिफाइनरी टाउनशिप की महिलाओं ने पीटी उषा का आरती, चंदन एवं मिथिला के परंपरा अनुसार अंग वस्त्र से सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रो. राकेश सिन्हा ने कहा कि राष्ट्रकवि दिनकर की धरती पर राजेन्द्र प्रसाद, सुभाष चंद्र बोस जैसे लोग आ चुके हैं। उसके बाद लंबे समय तक कोमा लगता रहा, अब पीटी उषा के आने से बेगूसराय के संस्कृति, साहित्यिक, कला और खेल के योगदान को बड़ी कामयाबी मिलेगी। राजनीति से परे जाकर जोड़ा जाए तो सॉफ्ट पावर सर्वांगीण उन्नति के प्रतीक होते हैं। पीटी उषा के आने से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना हर क्षेत्र में आगे बढ़ता रहेगा। राजनीति से बाहर के लोगों के आने से छात्र-छात्राएं और बुद्धिजीवियों में अपील होती है, इससे एक नए अध्याय की शुरूआत होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बदल दी खेल के प्रति सोच : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली/बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा खेल एवं युवा मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खेल के प्रति लोगों की सोच बदल दिया है। बिहार के बेगूसराय में आयोजित सांसद खेल महोत्सव एक नया इतिहास रचेगा। राज्यसभा सदस्य प्रो. राकेश सिन्हा द्वारा बेगूसराय में आयोजित सांसद खेल महोत्सव के लिए पूरी टीम को बधाई देते हुए भेजे गए संदेश में अनुराग ठाकुर ने कहा है कि इस महोत्सव के तहत ताइक्वांडो, फुटबॉल और वॉलीबॉल के साथ कुश्ती एवं खो-खो जैसे परंपरागत खेल कराए गए।सांसद खेल महोत्सव एक ऐसा पटल है, जहां युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रोत्साहन से प्रेरित होकर सांसदों द्वारा यह खेल महोत्सव कराए जा रहे हैं। आज देश के कोने-कोने में सांसद खेल महोत्सव हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खेल को आगे बढ़ाने के लिए जो सपना देखा, उसे सभी सांसद अपने क्षेत्र में पूरा कर रहे हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि एक समय था जब खेल की ओर ना परिवार का ध्यान था, ना समाज और ना सरकार की सोच होती थी। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस सोच को बदलने का काम किया है। प्रधानमंत्री के सोच को संसद आगे ले जाने का काम कर रहे हैं। आज

टोक्यो ओलंपिक, पैरा ओलंपिक, बॉक्सिंग चैंपियनशिप, थॉमस कप, कॉमनवेल्थ गेम सहित अन्य खेलों में विश्व स्तर पर पदक भारत के पक्ष में जा रहा है। उन्होंने कहा है कि बिहार के बेगूसराय की धरती पर आयोजित इस सांसद खेल महाकुंभ से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकलेंगे। करीब तीन हजार खिलाड़ियों ने इस खेल महाकुंभ में हिस्सा लिया है, वे सभी बधाई के पात्र हैं। छह प्रकार के विभिन्न खेल में गांव में जो छुपी जो प्रतिभा निकालकर सामने आई है। यह राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम ऊंचा करेंगे।

लालू और उसके परिवार के खिलाफ कार्रवाई से नीतीश हैं सबसे ज्यादा खुश : सुशील मोदी

अररिया (हि.स.)। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद सुशील मोदी लालू प्रसाद और तेजस्वी प्रसाद सहित परिवार के खिलाफ सीबीआई और ईडी एजेंसी की कार्रवाई को लेकर हमलावर हो गए हैं। अररिया सर्किट हाउस में प्रेस कांफ्रेंस करते हुए सुशील मोदी ने कहा कि तेजस्वी प्रसाद और उसके परिवार के खिलाफ छापेमारी से सबसे अधिक कोई खुश है तो वह है मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। उन्होंने कहा कि छापेमारी के कारण राजद का जो दबाब था कि नीतीश कुमार बिहार की सत्ता तेजस्वी को सौंप केन्द्र की राजनीति में चला जाय,वह समाप्त हो जायेगा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार चाहते हैं कि तेजस्वी प्रसाद जेल चला जाय। सुशील मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार चाहते हैं कि सीबीआई और ईडी की न्यायिक प्रक्रिया में तेजी आए। तेजस्वी प्रसाद के खिलाफ केंद्रीय एजेंसी की हो रही कार्रवाई के लिए नीतीश कुमार और ललन सिंह जिम्मेवार ठहराया। उन्होंने कहा कि आज के समय में लालू प्रसाद सबसे बड़े जमींदार हैं। उनके पास 121 बीघा जमीन है। पहले के कर्म का फल अब उनको और उनके परिवार को मिल रहा है और वे सहानुभूति का कार्ड खेलना चाहते हैं। भाजपा

नेता सुशील मोदी ने तेजस्वी प्रसाद की पत्नी से पूछताछ को लेकर कहा कि तेजस्वी की पत्नी से ना तो कोई पूछताछ की है और ना ही उन्हें टॉर्चर किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई कानून नहीं है कि आरोपी की गर्भवती पत्नी या महिला के रहने पर एजेंसी कोई कार्रवाई नहीं की कर सकती। रेलवे के चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी हृदयानंद चौधरी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि हृदयानंद चौधरी ने नौकरी के लिए अपनी कीमती जमीन लालू प्रसाद की बेटी हेमा यादव के नाम गिफ्ट कर दी थी। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद का रेल मंत्री तो काल में नारा था कि तुम मुझे जमीन दो मैं तुम्हें नौकरी दूंगा। सर्किट हाउस में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान सुशील मोदी ने नीतीश कुमार की ओर से कार्रवाई को लेकर दिये गये बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि नीतीश कुमार सियासत के महीन खिलाड़ी हैं। उनका कहना है कि 2017 के बाद धीमी कार्रवाई क्यों हो रही है। जांच में तेजी क्यों नहीं लाई जा रही। विपक्षियों की ओर से लोकतंत्र के खतरे में होने के बावत उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचारियों पर लगातार कार्रवाई हो रही है। जिसके कारण सभी विपक्षी तिलमिलाये हुए है, इस कारण सभी लोकतंत्र के खतरे का बेसुरा अलाप कर रहे हैं।

संपादकीय

सरहद पर शांति जरूरी

अमेरिका की इंटेलिजेंस कम्युनिटी ने बाहरी खतरों का आकलन करने वाली अपनी सालाना रिपोर्ट में जिस तरह से चीन, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने की आशंका जाहिर की है, वह सभी पक्षों के ध्यान देने लायक है। अमेरिकी कांग्रेस में बुधवार को पेश की गई इस रिपोर्ट के मुताबिक नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली सरकार के दौरान कोई वास्तविक खतरा होने पर या खतरे का आभास होने पर भी भारत की ओर से सैन्य कार्रवाई की संभावना पहले की सरकारों के मुकाबले ज्यादा है। अमेरिकी इंटेलिजेंस कम्युनिटी की अगर भारत की मौजूदा सरकार को लेकर यह राय बनी है तो इसके पीछे संभवतः देश की सुरक्षा से जुड़े मसलों पर सरकार का ज्यादा चौकस रवैया ही है।

> अमेरकिी इंटेलिजेंस कम्युनिटी की अरग भारत की मौजूदा रसकार को लेरक यह राय बनी है तो इसके पीछे संभवत: देश की सुरक्षा से जुड़े मसलों रप रसकार का ज्यादा चौकस रवैया ही है। इस लिहाज से उक्त राय को एक पॉजिटिव डिवेलपमेंट के ही रूप में लेना ठीक रहेगा। लेकिन साथ ही इससे उरभती इस सचाई को भी नकारा नहीं जा सकता कि भारत की रसहदों रप शांति कायम रहने की संभावना कम होने की जो बात इस रपिोर्ट में कही गई है, वह निराधार नहीं है। हालांकि भारत और पाकिस्तान की बात रकें तो दोनों देशों ने 2021 में ही नियंत्रण र `खा रप सीजफारय जारी रखने का समझौता रीन्यू किया है। लेकिन बावजूद इसके, दोनों देशों के बीच कश्मीर और आतंकवाद जैसे मसलों को लेरक तनाव लगातार बना हुआ है। शिमला समझौते की भावनाओं के अनुरुप कश्मीर को द्विपक्षीय मसला मान आपसी बातचीत से इसे सुलझाने की राह हमेशा खुली हुई है। लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तान जब भी मौका पाता है अंरतराष्ट्रीय मंचों रप इस मसले को उछालने से बाज नहीं आता।

इस लिहाज से उक्त राय को एक पॉजिटिव डिवेलपमेंट के ही रूप में लेना ठीक रहेगा। लेकिन साथ ही इससे उभरती इस सचाई को भी नकारा नहीं जा सकता कि भारत की सरहदों पर शांति कायम रहने की संभावना कम होने की जो बात इस रिपोर्ट में कही गई है, वह निराधार नहीं है। हालांकि भारत और पाकिस्तान की बात करें तो दोनों देशों ने 2021 में ही नियंत्रण रेखा पर सीजफायर जारी रखने का समझौता रीन्यू किया है। लेकिन बावजूद इसके, दोनों देशों के बीच कश्मीर और आतंकवाद जैसे मसलों को लेकर तनाव लगातार बना हुआ है। शिमला समझौते की भावनाओं के अनुरूप कश्मीर को द्विपक्षीय मसला मान आपसी बातचीत से इसे सुलझाने की राह हमेशा खुली हुई है, लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तान जब भी मौका पाता है अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मसले को उछालने से बाज नहीं आता। इसके अलावा भारत में आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने वाले संगठनों और उनसे जुड़े लोगों पर लगाम कसने में पाकिस्तान सरकार की नाकामी भारत के साथ रिश्ते सुधारने की राह में एक बड़ी बाधा बनी हुई है। जहां तक चीन का सवाल है तो सीमा पर विवाद बने रहते हुए भी भारत के साथ उसके रिश्ते लंबे समय तक न केवल शांतिपूर्ण रहे बल्कि दोनों देशों में सहयोग और सामंजस्य भी बना रहा। 1962 में हुए युद्ध के बाद 1967 और फिर 1975 में हुई एक-एक हिंसक झड़प को छोड़ दें तो उसके बाद पूरे पांच दशकों तक सीमा पर हिंसा की नौबत नहीं आई। 1987 में तवांग और 2017 में डोकलाम में गतिरोध बना भी तो बातचीत से मसला सुलझा लिया गया। इस बीच दोनों देशों के बीच आपसी व्यापार ने भी नई ऊंचाई छुई। लेकिन 2020 में गलवान घाटी के बाद 2022 में तवांग में भी हिंसक झड़प हुई। बहरहाल, दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है और अगर वे अपने ही अनुभव से सबक लेकर उपयुक्त कदम उठाएं तो सीमा संबंधी मतभेदों के बावजूद शांति और सौहार्द की राह ढूंढना नामुमकिन नहीं। पाकिस्तान के आतंकवाद से तौबा करने की संभावना जरूर थोड़ी ज्यादा जटिलता लिए हुए है, लेकिन आतंकवाद सिर्फ भारत का नहीं, वैश्विक मसला है। पाकिस्तान इस बात को जितनी जल्दी समझ ले, उतना बेहतर।

कुछ अलग

गैरजरूरी विवाद

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के पर्सनल स्टाफ को संसद की 12 स्टैंडिंग कमिटियों और 8 विभागीय स्टैंडिंग कमिटियों से जोड़े जाने की खबर पर विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया जताई है। यह अनावश्यक विवाद ऐसे समय उभर आया है जब देश में लोकतांत्रिक परंपराओं और मूल्यों को कथित तौर पर कमजोर किए जाने को लेकर पहले से ही बहस चल रही है। सोमवार से ही मौजूदा बजट सत्र फिर से शुरू हो रहा है। ताजा फैसले की जानकारी देते हुए मंगलवार को राज्यसभा सचिवालय की ओर से कहा गया कि संबंधित अफसरों को 'तत्काल प्रभाव से और नया निर्देश जारी होने तक' के लिए इन कमिटियों से जोड़ा गया है। निर्देश के मुताबिक ये अफसर उन कमिटियों के कामकाज में सहायता देंगे। जाहिर है, इस कामकाज में वे बैठकें भी शामिल हैं, जिनकी प्रकृति गोपनीय मानी जाती है। स्वाभाविक ही विपक्षी दल इस पर एतराज कर रहे हैं। कई विशेषज्ञ भी इस कदम को संसद की मान्य परंपराओं और नियमों के खिलाफ बता रहे हैं। ऐसा पहली बार ही हुआ है कि राज्यसभा सभापति के स्टाफ मेंबर्स को इन कमिटियों से जोड़ा गया है। ये जिम्मेदारियां लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय के अफसरों को ही दी जाती रही हैं। हालांकि उपराष्ट्रपति कार्यालय की ओर से तो स्पष्टीकरण दिया ही गया है। खुद धनखड़ ने भी एक कार्यक्रम के दौरान सार्वजनिक तौर पर इस मसले का जिक्र करते हुए बताया कि इसके पीछे कोई गलत इरादा नहीं है। मकसद सिर्फ यह सुनिश्चित करना था कि संसदीय समितियों में मानव संसाधन की कमी न हो। तैनाती भी ऐसे अफसरों की ही की गई है जो रिसर्च और डिवेलपमेंट (R&D) से जुड़े कार्यों में कुशल माने जाते रहे हैं। लेकिन सवाल इरादों से ज्यादा तरीके को लेकर है। अगर इन संसदीय समितियों में मानव संसाधन की कमी महसूस हो रही थी तो समितियों की तरफ से सभापति को अनुरोध भेजा जाना चाहिए था। कांग्रेस नेता जयराम रमेश सहित अलग-अलग समितियों से जुड़े विपक्ष के कई नेताओं ने कहा कि समितियों में मानव संसाधन की कमी नहीं थी। फिर भी अगर उपराष्ट्रपति को अपने स्तर पर ऐसी कोई सूचना मिली थी या जरूरत महसूस हो रही थी तो संसदीय परंपराओं से हटकर कदम उठाने से पहले विपक्ष से बातचीत करके उसे विश्वास में लेना चाहिए था। आखिर संसदीय लोकतंत्र की गाड़ी तो सत्ता पक्ष और विपक्ष के दोनों पहियों के सहारे ही आगे बढ़ती है। इस कदम ने दोनों पक्षों के बीच पहले से ही मौजूद तनाव और अविश्वास को और बढ़ा दिया है। इससे आसानी से बचा जा सकता था। विपक्ष के तेवर को देखते हुए ऐसा लगता नहीं है कि वह इस फैसले को स्वीकार करेगा। यानी सोमवार से संसद में इस मसले पर भी विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच तकरार सामने आ सकती है। देखना होगा कि इसमें सुलह का कौन सा फॉर्म्युला कैसे और कब तक निकलता है।

> उपराष्ट्रपति कार्यालय की ओर से तो स्पष्टीकरण दिया ही गया है। खुद धनखड़ ने भी एक कार्यक्रम के दौरान सार्वजनिक तौर पर इस मसले का जिक्र करते हुए बताया कि इसके पीछे कोई गलत इरादा नहीं है। मकसद सिर्फ यह सुनिश्चित करना था कि संसदीय समितियों में मानव संसाधन की कमी न हो। तैनाती भी ऐसे अफसरों की ही की गई है जो रिसर्च और डिवेलपमेंट (R&D) से जुड़े कार्यों में कुशल माने जाते रहे हैं। लेकिन सवाल इरादों से ज्यादा तरीके को लेकर है। अगर इन संसदीय समितियों में मानव संसाधन की कमी महसूस हो रही थी तो समितियों की तरफ से सभापति को अनुरोध भेजा जाना चाहिए था। कांग्रेस नेता जयराम रमेश सहित अलग-अलग समितियों से जुड़े विपक्ष के कई नेताओं ने कहा कि समितियों में मानव संसाधन की कमी नहीं थी।

भारत में अब तक केवल एच3एन2 और एच1एन1 संक्रमण का पता चला

इन्फ्लूएंजा के विषाणु को गंभीरता से लेने की जरूरत

> केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में एच3एन2 वारयस के लगभग 90 मामले सामने आए हैं। एच1एन1 वारयस के आठ मामलों का भी पता चला है। विशेषज्ञों के अनुसार वारयस अत्यधिक संक्रामक है और संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने और निकट संपर्क से फैलता है। डॉक्टरों ने नियमित रूप से हाथ धोने और मास्क लगाने समेत कोविड जैसी सावधानियों की सलाह दी है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रसिर्च छींकने और खांसने के दौरान मुंह और नाक को ढंकने, बहुत सारे रतल पदार्थ, आंखों और नाक को छूने से बचने और बुखार और रशीर में दर्द के लिए पेरासिटामोल के सेवन का आग्रह किया है। नये वारयस को लेरक रबती जा रही लारपवाही नुकसान का कारण बन सकती है। इसलिए भी लोगों को अपने स्वास्थ्य को लेरक लगातार सावधानी रबतने की अपेक्षा है।

कोविड वायरस की तरह ही है इन्फ्लूएंजा का विषाणु इनदिनों देश में अपना खतरनाक प्रभाव दिखाने लगा है, जिससे दो लोगों की एक हरियाणा एवं एक कर्नाटक में मौत हुई है। इस नये वायरस से खांसी, बुखार, गले में जलन की तकलीफें बढ़ रही है। इनदिनों गला खराब होने की शिकायत आम है जो पीड़ित को लम्बे समय तक परेशान कर रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में एच3एन2 वायरस के लगभग 90 मामले सामने आए हैं। एच1एन1 वायरस के आठ मामलों का भी पता चला है। विशेषज्ञों के अनुसार वायरस अत्यधिक संक्रामक है और संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने और निकट संपर्क से फैलता है। डॉक्टरों ने नियमित रूप से हाथ धोने और मास्क लगाने समेत कोविड जैसी सावधानियों की सलाह दी है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च छींकने और खांसने के दौरान मुंह और नाक को ढंकने, बहुत सारे तरल पदार्थ, आंखों और नाक को छूने से बचने और बुखार और शरीर में दर्द के लिए पेरासिटामोल के सेवन का आग्रह किया है। नये वायरस को लेकर बरती जा रही लापरवाही नुकसान का कारण बन सकती है। इसलिए भी लोगों को अपने स्वास्थ्य को लेकर लगातार सावधानी बरतने की अपेक्षा है। बाहर निकलते समय ऐसे तमाम उपाय अपनाने चाहिए जिनसे वातावरण में पनप रहे विषाणुओं को शरीर में प्रवेश करने से रोका जा सके। पर ऐसी स्थितियों में सरकारी स्वास्थ्य तैयारियां भी पहले से रहनी चाहिए, ताकि लोगों में अफरातफरी जैसी स्थिति न बनने पाए। आम जनता भी अपनी जीवनशैली को सात्विक एवं संयममय बनाये, ताकि नये वायरस का प्रभाव कम से कम हो। पिछले कुछ महीनों से अधिकांश लोग खांसी के शिकार होते हुए देखे गये हैं। देश में फ्लू के मामले भी बढ़ रहे हैं। अधिकांश संक्रमण एच3एन2 वायरस के कारण होते हैं, जिसे 'हांगकांग फ्लू' के रूप में भी जाना जाता है। यह वायरस देश में अन्य इन्फ्लुएंजा उपप्रकारों की तुलना में अधिक खतरनाक है जो अस्पताल में भर्ती होने का कारण बनता है। भारत में अब तक केवल एच3एन2 और एच1एन1 संक्रमण का पता चला है। दोनों वायरस में कोविड जैसे लक्षण हैं। जैसाकि सर्वविदित है कि कोविड ने दुनिया भर में लाखों लोगों को संक्रमित किया और 68 लाख लोगों की मौत हुई। महामारी के दो साल बाद बढ़ते फ्लू के मामलों ने लोगों में चिंता पैदा कर दी है। लक्षणों में लगातार खांसी, बुखार, ठंड लगना, सांस फूलना और घरघराहट शामिल हैं। मरीजों ने मतली, गले में खराश, शरीर में दर्द और दस्त

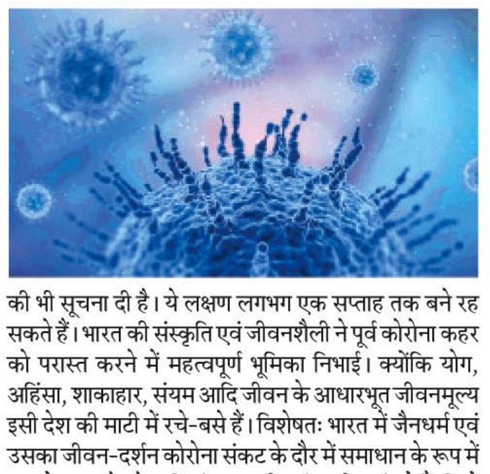

की भी सूचना दी है। ये लक्षण लगभग एक सप्ताह तक बने रह सकते हैं। भारत की संस्कृति एवं जीवनशैली ने पूर्व कोरोना कहर को परास्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। क्योंकि योग, अहिंसा, शाकाहार, संयम आदि जीवन के आधारभूत जीवनमूल्य इसी देश की माटी में रचे-बसे हैं। विशेषतः भारत में जैनधर्म एवं उसका जीवन-दर्शन कोरोना संकट के दौर में समाधान के रूप में सामने आया है, जैनमुनि मुंह पर पट्टी (मुंहपत्ती) बांधते हैं, जिसे मॉस्क के रूप में समूची दुनिया ने अंगीकार किया था। सामाजिक दूरी (सोशल डिस्टेंसिंग), आइसोलेशन, व क्वारंटीन (एकांत) जैन मुनि एवं साधक के जीवन के अभिन्न अंग दुनिया के लिये कोरोना मुक्ति के सशक्त आधार बने थे। शाकाहार एवं मद्यपान का निषेध भी जैन जीवनशैली का आधार है, जिनका बढ़ता प्रचलन कोरोना महासंकट से मुक्ति का बुनियादी सच बना था। लगता है कोरोना जाते-जाते दुनिया में शाकाहार का सशक्त वातावरण बना कर गया, लेकिन नये एच3एन2 और एच1एन1 के संक्रमण भी ऐसे भारतीय प्रयोगों एवं उपक्रमों को बडे.पैमाने पर अपनाने की अपेक्षा को जाहिर कर रहे हैं। कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों के अलावा बड़े वयस्कों और छोटे बच्चों जैसे उच्च जोखिम वाले समूहों के लिए संक्रमण गंभीर हो सकता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने हाल ही में डॉक्टरों से आग्रह किया है कि संक्रमण जीवाणु है या नहीं, इसकी पुष्टि करने से पहले मरीजों को एंटीबायोटिक्स न दें, क्योंकि वे एक प्रतिरोध विकसित कर सकते हैं। एक बार फिर नए विषाणु का संक्रमण तेजी से फैलना शुरू हो गया है। इन्फ्लूएंजा का यह विषाणु भी कोविड विषाणु की तरह ही लोगों को प्रभावित कर रहा है, हालांकि इससे उस तरह भयभीत होने की जरूरत नहीं है, मगर इसका लंबे समय तक लोगों पर असर बना रह रहा है। इस विषाणु के पैदा होने की एक खाज वजह मौसम के अचानक सर्द से गर्म होने को बताया जा रहा है। अब यह विषाणु इतनी तेजी से संक्रमण फैला रहा है कि अस्पतालों में भीड़भाड़ देखी जाने लगी है, कई अस्पतालों ने इसके लिए अलग से वार्ड बना दिया है। इसी विषाणु के प्रभाव में कोरोना के मामले भी बढ़े हुए दर्ज हो रहे हैं। स्वाभाविक ही स्वास्थ्य विभाग लोगों से सावधान रहने और बचाव के उपाय आजमाने की अपील कर रहा है। मगर इसमें राहत की बात यह है कि भारत की अधिकतर आबादी को कोरोना के टीके लगाए जा चुके हैं, बहुत सारे लोग एहतियाती खुराक भी ले चुके हैं, इस तरह ज्यादातर लोगों में प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो चुकी है। मगर जब भी कोई विषाणु अपने पांव पसारता है, तो स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां बरतने की अपेक्षा सदा बनी रहती है, क्योंकि विषाणु न सिर्फ तेजी से संक्रमण फैलाते, बल्कि अपने रूप भी बदलते रहते हैं, जन हानि का कारण भी बनते हैं। कोरोना के समय भी यही हुआ, जब विषाणु ने दूसरे दौर में अपना रूप बदल कर खुद को इतना ताकतवर बना लिया था कि बहुत सारे लोगों को उसका प्रकोप झेलना मुश्किल हो गया था। इसलिए इन्फ्लुएंजा के विषाणु का प्रभाव बेशक सामान्य मौसमी खांसी, जुकाम, बुखार जैसा लग रहा हो, पर उसे नजरअंदाज करना एक महासंकट को आमंत्रित कर सकता है। विषाणुओं के प्रभाव से बचने का सबसे बेहतर उपाय साफ-सफाई रखना, भीड़भाड़ से बचना, हाथ धोते रहना, मास्क पहनना बताया जाता है। आमतौर पर देखा जाता है कि कोई भी नया विषाणु इसलिए अधिक ताकतवर होकर फैलता है कि लोग उससे बचाव के उचित उपाय नहीं आजमाते, लापरवाही बरतते हैं। भारत जैसे देश में, जहां आबादी का दबाव अधिक है और प्रायः बड़ी आबादी साफ-सफाई को लेकर सतर्क नहीं देखी जाती, विषाणुओं के संक्रमण का खतरा अधिक बना रहता है। इसलिए इससे बचाव को लेकर सतर्कता ही पहला और प्रभावी उपाय है। वायरस से होने वाली खांसी के बढ़ने का बड़ा कारण चीकनी चीजों एवं मांसाहार-मद्यपान का अधिक मात्रा में प्रयोग करना भी है। विश्वभर के डॉक्टरों ने कोरोना के दौर में शाकाहारी भोजन को ही उत्तम स्वास्थ्य के लिए सर्वश्रेष्ठ माना है। फल-फूल, सब्जी, विभिन्न प्रकार की दालें, बीज एवं दूध से बने पदार्थों आदि से मिलकर बना हुआ संतुलित आहार भोजन में कोई भी जहरीले तत्व नहीं पैदा करता एवं नये आक्रमण कर रहे वायरस से लड़ने में सक्षम बना सकता है।

विकास के बजाय उपहार का सहारा

> वित्तवर्ष 2022-23 में केंद्र ने मनरेगा रप नब्बे हजार रकोड़ रुपए खर्च किए। बदले में पच्चीस फीसद विकास कार्य भी देश में नहीं दिखाई दिए हैं। रजिर्व बैंक का आकलन है कि बीते वर्ष में राजस्व में एक फीसद की अवश्य वृद्धि हुई है, लेकिन केंद्रीय बजट में सबसिडी का हिस्सा सात फीसद तक पहुंच गया है। यानी रसकार जीएसटी और अन्य रकों के माध्यम से वसूली रक र ही है, तो उससे कई गुना राशि मुफ्त में बांट रही है। सत्तारूढ़ र ाजनीतिक दलों में चुनाव जीतने के लिए मुफ्त रेवड़ी की घोषणा एक सुलभ उपाय के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है। इससे देश का बुनियादी ढांचा रचरमा गया है। अब देश के आम आदमी की मानसिकता रगीब बनरक जीवन यापन की हो चुकी है। वह अपने स्तर से ऊरप आना भी नहीं चाहता, क्योंकि उसे मिलने वाली मुफ्त और अनुदान आधारति योजनाओं के छिन जाने का डर है !देश के दस राज्य अपनी कर्ज लेने की अंतिम सीमा रेखा पार रक चुके हैं। आरबीआइ की रपिोर्ट बताती है कि इन राज्यों ने मुफ्त बांटने की योजनाओं रप रोक नहीं लगाई, तो राज्यों में विकास की स्थिति श्रीलंका और पाकिस्तान जैसी होगी।

जनता को मुफ्त सुविधाएं बांटने के फेर में केंद्र और राज्य सरकारें कर्ज के बोझ तले दबती जा रही हैं। वित्तवर्ष 2022-23 में केंद्र सरकार ने 4.36 लाख करोड़ रुपए की सबसिडी बांटी है। आगामी वित्तवर्ष 2023-24 में केंद्र ने सबसिडी को कम जरूर किया है, लेकिन कोरानाकाल से जारी मुफ्त राशन योजना को दिसंबर 2023 तक विस्तार दे दिया है। राष्ट्रीय खाद्यान्न योजना के अंतर्गत देश भर में मुफ्त अनाज लेने वाले लाभर्थियों की संख्या करीब नब्बे करोड़ है। केंद्रीय मंत्री संसद में स्वीकार कर चुके हैं कि राज्यों में फर्जी राशन कार्डों के माध्यम से 55.37 लाख अपात्र लाभार्थी योजना का लाभ ले रहे हैं। वित्तवर्ष 2022-23 में केंद्र ने मनरेगा पर नब्बे हजार करोड़ रुपए खर्च किए। बदले में पच्चीस फीसद विकास कार्य भी देश में नहीं दिखाई दिए हैं। रिजर्व बैंक का आकलन है कि बीते वर्ष में राजस्व में एक फीसद की अवश्य वृद्धि हुई है, लेकिन केंद्रीय बजट में सबसिडी का हिस्सा सात फीसद तक पहुंच गया है। यानी सरकार जीएसटी और अन्य करों के माध्यम से वसूली कर रही है, तो उससे कई गुना राशि मुफ्त में बांट रही है। सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों में चुनाव जीतने के लिए मुफ्त रेवड़ी की घोषणा एक सुलभ उपाय के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है। इससे देश का बुनियादी ढांचा चरमरा गया है। अब देश के आम आदमी की मानसिकता गरीब बनकर जीवन यापन की हो चुकी है। वह अपने स्तर से ऊपर आना भी नहीं चाहता, क्योंकि उसे मिलने वाली मुफ्त और अनुदान आधारित योजनाओं के छिन जाने का डर है ! देश के दस राज्य अपनी कर्ज लेने की अंतिम सीमा रेखा पार कर चुके हैं। आरबीआइ की रिपोर्ट बताती है कि इन राज्यों ने मुफ्त बांटने की योजनाओं पर रोक नहीं लगाई, तो राज्यों में विकास की स्थिति श्रीलंका और पाकिस्तान जैसी होगी। इस रिपोर्ट के मुताबिक देश के तीस राज्यों ने अप्रैल 2022 से दिसंबर 2022 तक नौ माह की अवधि में 2.28 लाख करोड़ रुपए का कर्ज लिया था, जबकि अगले तीन माह जनवरी 2023 से मार्च 2023 तक 3.34 लाख करोड़ रुपए का कर्ज लेने की कतार में शामिल थे। आरबीआइ की रिपोर्ट में घोषित दस राज्यों- पंजाब, केरल, बिहार, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, झारखंड, मध्यप्रदेश के हालात ये हैं कि इनकी समस्त आय का नब्बे फीसद हिस्सा कर्मचारियों की तनख्वाह, पेंशन, ब्याज, सबसिडी पर खर्च हो रहा है। सभी व्यय के बाद इन राज्यों में विकास के लिए दस फीसद हिस्सा भी नहीं बच रहा है। सवाल यह भी है कि क्या ये राज्य लिए गए कर्ज कभी लौटा पाएंगे? स्थितियां बदतर हैं, लेकिन चुनावी प्रबंधन के लिए मुफ्त घोषणाओं में कोई भी सरकार पीछे नहीं है। रिजर्व बैंक की गणना के अनुसार सरकार के वित्तीय अनुशासन में कर्ज का बोझ उस राज्य की जीडीपी के तीस फीसद से अधिक नहीं होना चहिए, लेकिन पंजाब 53.3 फीसद, राजस्थान 40 फीसद, बिहार 38, उत्तर प्रदेश 34, मध्यप्रदेश 32 फीसद का बोझ लिए बैठे हैं। इन राज्यों को और अधिक कर्ज देने से वित्तीय संस्थाएं परहेज कर रही हैं, लेकिन जरूरतमंद राज्य अचल संपतियां और प्रतिभूति गिरवी रख कर भी कर्ज मांगने की कतार में शामिल हैं। इन राज्यों में जो नागरिक नियमित कर अदा कर रहा है, उस पर और अधिक कर, विकास अधिभार लाद कर राज्य आय के संसाधन विकसित कर रहे हैं। इनकी स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी अति आवश्यक सुविधाएं पिछड़ चुकी हैं। आवश्यक सेवाओं में भी नियमित भर्ती के स्थान पर संविदा और अतिथि कर्मचारी नियुक्त किए जा रहे हैं। अर्थशास्त्री मानते हैं कि अतिआवश्यक सेवाओं को छोड़ कर उन योजनाओं पर, जिनका प्रतिदान शून्य हो, राज्य की जीडीपी हिस्सेदारी एक फीसद से अधिक की नहीं होनी चहिए। मगर मुफ्त और अनुदान आधारित योजनाओं में पंजाब राज्य की 2.7, आंध्र प्रदेश 2.1, मध्यप्रदेश 1.5 और राजस्थान की 2.0 फीसद हिस्सेदारी है। पंजाब की आबादी करीब तीन करोड़ है और उस पर कर्ज तीन लाख करोड़ रुपए से अधिक का है। इस तरह राज्य के प्रत्येक नागरिक पर एक लाख का कर्जा है। राज्य के पच्चीस फीसद युवा बेरोजगार हैं। राज्य सरकार रोजगार के अवसर पैदा नहीं कर पा रही है। अमूमन यह स्थति उन सभी राज्यों की है, जिन्हें आरबीआइ ने संवेदनशील राज्यों की श्रेणी में रखा है। विश्व बैंक का आकलन है कि देश के नगर निकायों को स्थानीय विकास, जल निकासी और जल प्रदाय के लिए आगामी पंद्रह वर्षों में 840 अरब डालर की दरकार है। नगर निकाय अभी तक केंद्र और राज्य सरकार से मिलने वाली आर्थिक सहायता पर निर्भर रहते आए हैं। राजनीतिक कुप्रबंधन के कारण निकाय अपने आय के स्रोत विकसित करने में विफल रहे हैं। कर्ज में डूबे राज्यों की मुफ्त घोषणाओं ने सबसे अधिक नगरीय विकास को प्रभावित किया है। संस्थाओं में तकनीकी कर्मचारियों की भर्ती के बजाय ठेके से काम लिया जा रहा है। इसके चलते नागरिक सेवाओं में गुणवत्ता और उत्तरदायित्वों का अभाव होने लगा है। नागरिक सेवाओं की बेहतर बहाली के बजाय, सरकारें सिर्फ वोट प्रबंधन कर सत्ता हासिल करने में जुट गई हैं। किसान सम्मान निधि के अंतर्गत प्रति वर्ष देश के किसानों को साठ हजार करोड़ रुपए तक की राशि केंद्र सरकार देती है। कई राज्य सरकारें इसके अलावा भी आबंटन कर रही हैं। मगर देश में कृषि क्षेत्र की हालत यह है कि अगर प्रकृति तनिक भी विचलित हो जाए तो किसानों के पास अगले दिन की व्यवस्था नहीं है। सवाल है कि हम किसानों को योजनाओं के माध्यम से कितना सक्षम बना पाए हैं? आज देश के प्रत्येक किसान परिवार पर औसतन 74,121 रुपए का कर्ज है। जबकि प्रति परिवार मासिक आय मात्र 10,218 रुपए है। अर्थशास्त्रियों की चेतावनी है कि शिक्षा और स्वास्थ्य पर अनुदान के बजाय सारी मुफ्त योजनाएं देश को गर्त में उतारने के लिए है। तीन बड़े हिंदी राज्यों मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में विधानसभा चुनाव होने हैं। आरबीआइ की सूची में मध्यप्रदेश और राजस्थान अपनी कर्ज सीमा लांघ कर संवेदनशील इलाके में पहुंच चुके हैं। इन राज्यों को अपने कर्मचारियों के मासिक वेतन और पेंशन के लिए भी कर्ज लेना पड़ रहा है। मप्र सरकार का दावा है कि वह जन्म के पूर्व से लेकर अंत्येष्टि तक गरीबों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराती है।

देश दुनीया से

टीकाकरण से 41लाख और जिंदगियां कैसे बचाई जाएँ

वैक्सिनेशन या टीकाकरण किसी चमत्कार से कम नहीं। किसी और मेडिकल खोज की तुलना में इसने दुनिया में सबसे अधिक जिंदगियां बचाई हैं। इसने समूची आबादी के लिहाज से ऐसी बीमारियों को नियंत्रित करने का हथियार दिया, जिनसे दुनिया में बड़ी संख्या में लोगों की जान जा रही थी। फिर भी हम भूल जाते हैं कि इंसानी जिंदगी को वैक्सिनेशन ने कितने बुनियादी स्तर पर बदला है। पिछली सदी के अंत में अमेरिका में संक्रामक बीमारियों से एक तिहाई लोगों की जान जा रही थी। अगर आज के हिसाब से तुलना करें तो जितने लोगों की जान कैंसर और दिल की बीमारी ले रही है, उससे अधिक लोग तब संक्रामक बीमारियों से मर रहे थे। आज वैक्सीन ने डिप्थेरिया, टायफाइड, मीजल्स जैसे रोगों को करीब-करीब खत्म कर दिया है। वहीं, 20वीं सदी में हर साल ये रोग लाखों लोगों को बीमार बना रहे थे। ऐसे रोगों से पीड़ित लोगों की संख्या में 98 फीसदी की कमी आ चुकी है। दुनिया के गरीब देशों को देखें तो यह कामयाबी और भी बड़ी लगेगी। हजारों वर्षों से स्मॉलपॉक्स बड़ी संख्या में इंसानों की जान लेता आया था, लेकिन 1977 में एक वैक्सीन की मदद से हमने इस पर काबू पा लिया। 20वीं सदी में स्मॉलपॉक्स की वजह से करीब 30 करोड़ लोगों की जान गई। अगर इसकी वैक्सीन न बनी होती तो यह रोग हर साल 5 करोड़ लोगों की जान लेता रहता। साल 2000 में आए एक अनुमान के मुताबिक, वैक्सीन से दुनिया में हर साल 1.16 करोड़ लोगों की जान बच रही है। तब से यह संख्या बढ़ी ही है। स्मॉलपॉक्स को छोड़ दें तो भी आज दुनिया भर में टीकाकरण से हर साल 38 लाख लोगों की जान बचाई जा रही है। अफसोस कि इस फायदे के बावजूद गरीब देशों में हर साल करोड़ों की संख्या में बच्चों का टीकाकरण नहीं हो पा रहा। कोविड-19 महामारी के दस्तक देने के बाद यह संकट और बढ़ा है। महामारी के कारण साल 2021 में करीब 2.5 करोड़ बच्चों को जीवनरक्षक टीके नहीं लगाए जा सके। यह पिछले 12 वर्षों में सबसे बड़ी संख्या है। दरअसल, मंदी, महंगाई और कई दूसरी वैश्विक चुनौतियों के कारण वैक्सिनेशन से दुनिया का ध्यान हट गया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने 2015 में वादा किया था कि 2030 तक शिशु मृत्यु दर में भारी कमी लाई जाएगी। यह लक्ष्य सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स (SDGs) के तहत तय किया गया था। लेकिन यह तभी हासिल हो पाएगा, जब हम वैक्सीन से जितनी जानें बचा सकते हैं, उतनी बचाएं। बदकिस्मती से SDGs में 169 लक्ष्य तय किए गए हैं, जो काफी ज्यादा हैं। बेशक, डिवेलपमेंट गोल्स में टीकाकरण बढ़ाने, शिशु मृत्यु दर को खत्म करने जैसे जरूरी लक्ष्यों को भी शामिल किया गया है, लेकिन इन्हें रीसाइक्लिंग बढ़ाने और कुदरत के साथ तालमेल बनाने वाली जीवनशैली के बराबर प्राथमिकता दी गई है, जो ठीक नहीं है। असल में, SDGs में कहीं अधिक लक्ष्य तय करने से हम इनमें से किसी लक्ष्य को हासिल करते नहीं दिख रहे। इसलिए हमें जरूरी लक्ष्यों को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा। अमेरिका की जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं और इंटरनैशनल एक्सेस सेंटर (IVAC) ने टीकाकरण बढ़ाने के फायदों और उसके खर्च का अनुमान लगाया है। इसके मुताबिक, अभी इस पर जितना पैसा खर्च किया जा रहा है, अगर वही रफ्तार बनी रही तो 2030 तक 38 लाख लोगों की जान बचाई जा सकेगी। लेकिन अगर इसके दायरे में थोड़ी भी बढ़ोतरी हो तो नतीजे कहीं बेहतर हो सकते हैं। इससे 2023 से 2030 के बीच हम और 41 लाख जानें बचा सकते हैं। यह बात सही है कि इससे खर्च भी बढ़ेगा। इसके लिए दूरदराज के इलाकों में वैक्सिनेशन कैंपेन चलाने होंगे। उन परिवारों तक पहुंचना होगा, जो अभी इसके दायरे से बाहर हैं। लेकिन इस चुनौती से निपटने का रास्ता भारत दिखा सकता है। भारत में वैक्सिनेशन कैंपों के साथ फूड इंसेंटिव भी दिए जाते हैं ताकि टीकाकरण के दायरे में अधिक लोग आ सकें।

> हजारों वर्षों से स्मॉलपॉक्स बड़ी संख्या में इंसानों की जान लेता आया था, लेकिन 1977 में एक वैक्सीन की मदद से हमने इस रप काबू पा लिया। 20वीं सदी में स्मॉलपॉक्स की वजह से रकीब 30 रकोड़ लोगों की जान गई। अरग इसकी वैक्सीन न बनी होती तो यह रोग रह साल 5 रकोड़ लोगों की जान लेता रहता। साल 2000 में आए एक अनुमान के मुताबिक, वैक्सीन से दुनिया में रह साल 1.16 रकोड़ लोगों की जान बच रही है। तब से यह संख्या बढ़ी ही है। स्मॉलपॉक्स को छोड़ दें तो भी आज दुनिया रभ में टीकारकण से रह साल 38 लाख लोगों की जान बचाई जा र ही है। अफसोस कि इस फायदे के बावजूद रगीब देशों में रह साल रकोड़ों की संख्या में बच्चों का टीकारकण नहीं हो पा रहा।

नागरिक बोध

सिर सजदे में नजरें तलाश में

कई दिनों से मन रह-रह कर अजमेर स्थित ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर जाने का हो रहा था। हर बार यह कार्यक्रम किसी न किसी वजह से टल जाता था, पर इस बार पक्के इरादे से गरीब नवाज की दरगाह पर जाने की ठान ही ली। होली से दो दिन पहले हम पति-पत्नी नई दिल्ली से शताब्दी ट्रेन से निकल पड़े। ट्रेन सही समय पर अजमेर शरीफ स्टेशन पहुंची। हम लोग स्टेशन से बाहर आए और दरगाह जाने के लिए सवारी की तलाश करने लगे। अभी हम ऑटो पर बैठे ही थे कि ऊंचे कद के एक गोरे-चिट्टे नौजवान ने हमसे आकर पूछा, दरगाह चलेंगे क्या? हमें लगा, तीर्थ स्थानों पर दर्शन कराने के नाम पर पैसे ऐंठने वालों की टोली से हमारा साबका पड़ने वाला है। पत्नी ने भी इशारा किया कि उसे अनदेखा कर सीधे दरगाह पहुंचना ठीक होगा। मैंने ऑटो वाले से आगे बढ़ने को कहा। इसी बीच युवक ने फिर इसरार किया तो मेरा मन बदल गया। मैंने पत्नी से कहा कि दर्शन ही तो कराएगा, हमारे पास ऐसा क्या है जो लूट ले जाएगा? सुनकर वह भी मान गईं। अब हम ऑटो से उतर गए। नौजवान आगे-आगे रास्ता दिखाते हुए चल रहा था। जाने कौन-कौन सी गलियों से होते हुए हम दरगाह पहुंचे। युवक ने दरगाह पर चढ़ाने के लिए हमारी पसंद की चादर और फूल आदि भी खरीदवाए। फिर सम्मान के साथ दरगाह में प्रवेश दिलाया और सजदे के लिए सारी जरूरी रिवायतें-रस्में पूरी कराईं। प्रसाद में हमें गुलाब की कुछ पंखुड़ियां मिलीं। दर्शन के बाद उसने हमें पूरी दरगाह भी घुमाई, एकदम किसी प्रशिक्षित गाइड की तरह। वहां बना जन्नत का दरवाजा दिखाकर बताया कि यह साल भर में चार बार ही खुलता है। इस दरवाजे की खासियत ही यह है कि इसी दरवाजे से ख्वाजा गरीब नवाज नमाज पढ़ने जाया करते थे। फिर उसने पानी का वह बड़ा सा स्रोत दिखाया, जिससे यहां आने वाले श्रद्धालु खुद को साफ करते हैं और तभी दरगाह में घुसते हैं। घूमते हुए अचानक हम किसी कमरे जितनी बड़ी देगचियों के सामने पहुंचे। ये दो थीं। युवक ने बताया कि जिस बड़ी वाली देगची को आप देख रहे हैं, उसमें एक बार में चार हजार चार सौ किलो तक भोजन बनाया जा सकता है। इस देगची को बनाने में सात तरह की धातुओं का प्रयोग किया गया है। इसका आकार 20 फीट है, लेकिन इसका रिम कभी गर्म नहीं होता। इसे अकबर ने बनवाया था और सबसे पहले उसने ही खुद इसमें भोजन बनाया था। अकबर यहां 14 बार आया था। इसी के पास दूसरी देगची है जो कुछ छोटी है। इसमें दो हजार चार सौ किलो तक खाना बनाया जा सकता है।

बिलावल ने माना भारत की कूटनीति का लोहा, बोले– कश्मीर पर भारतीय विदेश नीति के आगे पाक पस्त

न्यूयॉर्क ।

भारत के खिलाफ दुष्प्रचार और कश्मीर राग अलापना पाकिस्तानी हुक्मरानों का स्थायी शौक रहा है, लेकिन अब उन्हें इन मुद्दों को उछालने पर पहले की तरह तवज्जो नहीं मिलती है। गाहे-बगाहे पाकिस्तान के नेताओं का दर्द इस बात को लेकर छलकता रहता है कि भारत के खिलाफ खासतौर पर कश्मीर के मुद्दे पर उनके लिए अब समर्थन जुटाना मुश्किल होता जा रहा है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने माना है कि भारत की जबरदस्त कूटनीति के चलते उनका देश संयुक्त राष्ट्र के मुख्य एजेंडे में कश्मीर का मुद्दा शामिल नहीं करा पा रहा है। भुट्टो ने कहा, कश्मीर के मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र के मुख्य एजेंडे में शामिल कराना अब खड़े पहाड़ पर चढ़ने जैसा मुश्किल काम हो गया है। भारत का नाम लेते हुए भुट्टो की जुबान लड़खड़ाने लगी थी। अटकते हुए उन्होंने भारत को पहले दोस्त बोलने की कोशिश की, लेकिन दोस्त नहीं बोल पाए और पड़ोसी देश कहकर संबोधित किया। असल में पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र सहित हर मंच पर कश्मीर का मुद्दा उठाता रहा है। शुक्रवार को भी उन्होंने यही कोशिक की थी। मौका था इस्लामोफोबिया डे की शुरुआत का, लेकिन भुट्टो ने कश्मीर का राग अलापना शुरू कर दिया। इसे लेकर किसी ने दिलचस्पी नहीं दिखाई तो उन्हें शर्मिंदगी होने लगी।

गिलगित-बाल्टिस्तान में सैकड़ों लोगों की हत्या – पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मानवाधिकारों का उल्लंघन आम बात है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक, गिलगित-बाल्टिस्तान में पाकिस्तानी बलों सैकड़ों आम लोगों की हत्याएं की हैं। यूरोपीय संघ व स्वतंत्र मानवाधिकार संगठनों का कहना है, चीन के नेतृत्व में पाकिस्तान इस इलाके में लोगों का योजनाबद्ध नरसंहार कर रहा है, ताकि प्राकृतिक संसाधनों को हासिल किया जा सके।

तब सिर्फ तुर्किये का समर्थन मिला था – भारत ने 2019 में संविधान के अनुच्छेद 370 को खत्म करते हुए जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा भी खत्म कर दिया, जिसके बाद से पाकिस्तान लगातार यह दावा कर रहा है क भारत कश्मीर में मुस्लिमों का दमन कर रहा है। इसी दावे के आधार पर 2019 में पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र की महासभा में भारत के खिलाफ मतदान के लिए प्रस्ताव रखा था, लेकिन 193 देशों में से सिर्फ तुर्किये का समर्थन मिला था। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय से बाहर बिलावल ने कहा, भारत के कूटनीतिक दबाव से कश्मीर का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र के मुख्य एजेंडे से गायब हो गया है।

न्यूज ब्रीफ

बीबीसी में बगावत! सरकार की आलोचना पर स्टार एंकर निलंबित, साथियों ने काम करने से किया इनकार

लंदन । ब्रिटेन में बीबीसी को बगावत का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल बीबीसी के स्टार एंकर गैरी लिनेकर ने सरकार की प्रवासी नीति की आलोचना की। जिसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया। गैरी लिनेकर के निलंबन से नाराज बीबीसी कर्मचारियों ने लिनेकर के समर्थन में काम करने से इनकार कर दिया। इसके चलते बीबीसी को शनिवार को अपनी स्पेशल प्रोग्राम का प्रसारण रद्द करना पड़ा। गैरी लिनेकर इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान और बीबीसी के सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले स्पोर्ट्स एंकर हैं। गैरी लिनेकर मैच ऑफ द डे नामक फुटबॉल हाईलाइट्स दिखाने वाले कार्यक्रम के एंकर हैं। आरोप है कि गैरी लिनेकर ने हाल ही में अपने ट्विटर अकाउंट पर ब्रिटिश सरकार की नई प्रवासी नीति का विरोध किया था। इसके चलते गैरी लिनेकर को निलंबित कर दिया गया। गैरी लिनेकर के समर्थन में बीबीसी के कई अन्य एंकर्स ने भी काम करने से इनकार कर दिया। जिसके चलते बीबीसी का शनिवार को प्रसारण प्रभावित हुआ। बीबीसी के इस फैसले की आलोचना हो रही है और लोग कह रहे हैं कि बीबीसी ने सरकार के आगे घुटने टेक दिए। मामला बढ़ने के बाद बीबीसी के डायरेक्टर जनरल टिम डेवी ने कहा कि इस मामले को लेकर उनका इस्तीफा देने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि हम बीबीसी में निष्पक्षता से काम करते हैं और किसी विचारधारा या पार्टी का समर्थन नहीं करते हैं। टिम डेवी ने ये भी कहा कि वह चाहते हैं कि गैरी लिनेकर काम पर वापस लौटें और वह इस पर विचार कर रहे हैं कि एक ऐसा संतुलन बनाया जाए, जिससे कुछ एंकर्स अपने विचार भी साझा कर सकें और बीबीसी की निष्पक्षता भी कायम रहे। बता दें कि ब्रिटेन की ऋषि सुनक सरकार ने बीते दिनों संसद में प्रवासी नीति पर नया बिल पेश करने की बात कही थी।

तीन साल में चीन से युद्ध के लिए तैयार हो जाए ऑस्ट्रेलिया, अल्बानीज सरकार के लिए रेड अलर्ट रिपोर्ट

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया में प्रकाशित होने वाले दो मुख्य अखबारों की संयुक्त रिपोर्ट में प्रधानमंत्री अल्बानीज की सरकार को चीन से युद्ध के लिए तैयार रहने की सलाह दी है। द सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड और द एज की इस रिपोर्ट को रेड अलर्ट नाम दिया गया है। इसमें कहा गया है कि ऑस्ट्रेलिया को अगले तीन वर्षों में चीन से युद्ध की तैयारी कर लेनी चाहिए। इस स्वतंत्र रिपोर्ट को पांच नामी सुरक्षा विश्लेषकों से बातचीत के बाद तैयार किया गया है। इनमें एलन फिंकेल, पीटर जेनिंग्स, लाविना ली, मिक रायन और लेस्ली सीबैक के नाम शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि ऑस्ट्रेलियाई नागरिक जितना सोचते हैं, ताइवान और चीन के बीच संघर्ष होने की संभावना उससे भी ज्यादा है और इसका असर ऑस्ट्रेलिया तक पड़ सकता है। इसलिए सरकार को तेजी के साथ युद्ध की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। रिपोर्ट में आगे कहा गया, चूंकि ऑस्ट्रेलिया का गठबंधन अमेरिका के साथ है, इसलिए किसी भी तरह के युद्ध से हमारा मुंह मोड़ना काफी मुश्किल हो सकता है। इसमें ताइवान पर हमले की आशंका का जिक्र करते हुए कहा गया, अधिकतर लोग सिर्फ ताइवान पर हमले का अंदाजा लगा रहे हैं, लेकिन यह सिर्फ इकलौता परिदृश्य नहीं है, जिससे ऑस्ट्रेलिया की सुरक्षा और समृद्धि को खतरा पैदा हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया को खुद को सिर्फ इसी परिदृश्य के लिए तैयार नहीं करना चाहिए, बल्कि हमें एक साथ कई आकस्मिकताओं से जूझने की योजना पर जोर देना चाहिए। लोकतंत्र अपने अगले युद्ध के बारे में शायद ही अंदाजा लगाता है, लेकिन अगला युद्ध तय तौर पर पिछले जैसा नहीं होता। रिपोर्ट में कहा गया, युद्ध के खतरे का हमारा विश्लेषण चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के आक्रामक रवैये और सैन्य क्षमता बढ़ाने के कदमों के आधार पर है।

भारत की मदद से श्रीलंका के 40 लाख बच्चों को मिलीं किताबें, उच्चायुक्त ने दी जानकारी

कोलंबो। आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका के 40 लाख बच्चों को भारत की तरफ से दी गई आर्थिक मदद से किताबें मुहैया कराई गई हैं। श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त ने शनिवार को बताया कि भारत की तरफ से श्रीलंका को दी गई एक अरब डॉलर की मदद में से श्रीलंका ने एक करोड़ डॉलर का इस्तेमाल अपने 40 लाख छात्रों की पाठ्य पुस्तकें छपवाने के लिए किया है। भारत ने पिछले वर्ष श्रीलंका को कुल करीब तीन अरब डॉलर की मदद दी थी।

नेतन्याहू के खिलाफ इजराइल के इतिहास का सबसे बड़ा प्रदर्शन

सड़कों पर उतरे 5 लाख लोग, प्रदर्शनकारियों का साथ दिया तो पुलिस चीफ बर्खास्त

तेल अवीव।

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की सरकार के खिलाफ शनिवार को करीब 5 लाख लोग सड़कों पर उतरे। इसे इजराइल के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा प्रदर्शन बताया जा रहा है। ये लोग नेतन्याहू के उस बिल का विरोध कर रहे हैं जिसमें सुप्रीम कोर्ट की शक्तियों को कम किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक केवल इजराइल की राजधानी तेल अवीव में 2 लाख लोग प्रदर्शन के लिए जमा हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार सुप्रीम कोर्ट पर अपने फैसले को वापस नहीं लेती है तो गुरुवार के दिन ये प्रदर्शन और तेज हो जाएंगे।

तेल अवीव के पुलिस चीफ भी प्रदर्शनकारियों में शामिल – इजराइल में केवल आम लोग ही नहीं बल्कि बड़े पदों पर बैठे पुलिस अधिकारी और बिजनेसमैन भी सरकार के फैसले का विरोध कर रहे हैं। शनिवार को हुए प्रोटेस्ट में तेल अवीव के पुलिस चीफ एमिशाई अशेद ने शामिल होकर सरकार को झटका दे दिया। जैसे ही अशेद प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे तो तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उनका स्वागत किया गया। हालांकि इसके बाद उन्हें पद से हटाकर कहीं और ट्रांसफर कर दिया गया।

अब 4 प्वाइंट्स में जानें ये प्रदर्शन हो क्यों रहे हैं – पिछले महीने इजराइल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को लेकर एक प्रस्ताव जारी किया। इसके पास होने पर इजराइली संसद को सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का पलटने का अधिकार मिल जाएगा। इसे 'ओवरराइड' बिल नाम दिया गया है। अब अगर ये बिल पास हो जाता है तो संसद में जिसके पास भी बहुमत होगा, वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट सकेगा। लोगों का मानना है कि इससे देश का लोकतंत्र और सुप्रीम कोर्ट कमजोर होगा। बीबीसी के मुताबिक नए बिल से निवार्चित सरकारें जजों की नियुक्ति में दखल दे सकती हैं। जिसे सही और निष्पक्ष फैसले लेनी की ज्युडिशियरी की पावर कम हो जाएगी। नेतन्याहू का नया बिल लागू होने से किसी कानून को रद्द करने के मामले में भी सुप्रीम कोर्ट की ताकत सीमित हो जाएगी। इस बिल ने इजराइल को काफी हद तक दो हिस्सों में बांट दिया है। इजराइली सेना की रीढ़ माने जाने वाले रिजर्वविस्ट (सेना को सेवा देने वाले आम नागरिक) ने कहा है कि वे सेना को अपनी सेवा देने से इनकार कर सकते हैं।

नेतन्याहू के बर्लिन दौरे को डिस्टर्ब करेंगे प्रदर्शनकारी – इजराइल में प्रदर्शनकारी सरकार से बिल वापस लेने का दबाव डालने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। अब उन्होंने फैसला किया है कि सरकार नहीं मानती है तो वो बुधवार को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के जर्मनी दौरे पर डिस्टर्ब करेंगे। उनका प्लेन को टेक ऑफ करने से रोकने की कोशिश करेंगे। प्रदर्शनकारियों ने नेतन्याहू के रोम के दौरे पर भी ऐसा किया था। सभी ने एयरपोर्ट पर जाने वाले रास्ते में गाड़ियों को लगा दिया था। जिससे नेतन्याहू को चोपर की मदद से एयरपोर्ट तरक पहुंचना पड़ा था।

सरकार के समर्थकों ने प्रदर्शनकारियों पर अंडे फेंके – शनिवार को हुए प्रदर्शन में सरकार का समर्थन करने वाले लोगों ने प्रदर्शनकारियों पर अंडे फेंके। जिसके बाद पुलिस ने हदेरा इलाके से दो लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। वहीं तीन प्रदर्शनकारियों पर भी तेल अवीव में हाइवे को ब्लॉक करने के आरोप में पकड़ा गया। प्रदर्शनकारियों पर इस तरह की कार्रवाई के बाद रास्ते को फिर से खुलवा दिया गया। एयरफोर्स का नेतन्याहू विरोधी पायलट बर्खास्त सोमवार को नेतन्याहू के विवादित बिल का विरोध करने पर इजराइल की एयरफोर्स के पायलट को बर्खास्त कर दिया गया था। शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में सीनियर पायलट के टर्मिनेशन की जानकारी दी गई थी। इजराइली एयर फोर्स के रिजर्व पायलट्स ने भी सरकार का विरोध करते हुए स्पेशल ट्रेनिंग में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया था। कुल 40 में से 37 रिजर्व पायलट्स ने कहा था कि वो ट्रेनिंग के बजाय ज्यूडिशियल रिफॉर्म्स के विरोध में होने वाले प्रदर्शनों में हिस्सा लेंगे।

चीनी सेना के जिस अफसर पर अमेरिका ने लगाए प्रतिबंध, ड्रैगन ने उसे रक्षा मंत्री नियुक्त किया

बीजिंग ।

चीन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग को रिकॉर्ड तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता सौंपी गई है। अब चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) जिनपिंग तरफ से प्रस्तावित नामों को सरकार में अलग-अलग पद सौंपने का काम भी कर रही है। पीएम ली कियांग के बाद कम्युनिस्ट पार्टी ने अपनी पार्टी कांग्रेस में जनरल शी शांगफू को चीन को नया रक्षा मंत्री नियुक्त किया है। 65 वर्ष के शांगफू जल्द ही वेई फेंघ की जगह लेंगे, जो कि अक्तूबर में ही चीन की सेंट्रल मिलिट्री कमीशन में अपने पद से इस्तीफे का एलान कर चुके हैं।

ली शांगफू चीन की कम्युनिस्ट पार्टी में चर्चित चेहरा हैं। उन्हें जिनपिंग के नेतृत्व में 2015 में सेना की स्ट्रैटिजिक सपोर्ट फोर्स शाखा का हिस्सा बनाया गया था। इस शाखा को स्पेस, साइबर तकनीक, राजनीतिक और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर के क्षेत्र में चीन को उन्नत बनाने के लिए तैयार किया गया था। शांगफू की रक्षा मंत्री के तौर पर नियुक्ति अमेरिका-चीन के बीच पहले से खटाई में पड़े रिश्तों के लिए और मुसीबत पैदा कर सकती है। दरअसल, 2018 में अमेरिका ने शांगफू पर प्रतिबंध लगा दिए थे। वॉशिंगटन ने कहा था कि शांगफू ने चीन के लिए रूस से सुखोई-35 कॉम्बैट एयरक्राफ्ट और एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीदने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान ली शांगफू चीन की रक्षा तकनीक के आधुनिकीकरण का काम देख रहे एक उच्चाधिकार प्राप्त सैन्य आयोग में उपकरण विकास विभाग के निदेशक थे। यही नहीं अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा था कि उसकी तरफ से अमेरिकी चुनाव प्रक्रिया में रूसी दखल की कोशिशों के चलते रूसी हथियार विक्रेताओं, ली शांगफू और उनके विभाग पर वृहद प्रतिबंध लगाए गए हैं। शांगफू पर जो प्रतिबंध लगाए गए थे, उनके तहत वे अमेरिकी क्षेत्राधिकार में किसी भी लेन-देन में हिस्सा नहीं ले सकते थे। इसके अलावा उन्हें अमेरिकी वित्तीय सिस्टम में लेन-देन से भी पूरी तरह बैन कर दिया गया था। इतना ही नहीं अमेरिका में शांगफू की या उनसे जुड़ी संपत्तियों और उनके वीजा पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था। ऐसे में शांगफू को रक्षा मंत्री बनाए जाने का फैसला पहले से खराब अमेरिका-चीन के रिश्ते को और खराब कर सकता है। खासकर दो देशों के बीच रक्षा मंत्रियों की बैठक में स्थिति और खराब हो सकती है। अमेरिका को भी शांगफू के साथ बातचीत के दौरान अपने पुराने नियमों और प्रतिबंधों को ताक पर रखना पड़ सकता है, जो कि एक तरह से चीन के लिए फायदे का सौदा रहेगा।

बाइडन ने दो भारतीय-अमेरिकी सीईओ को सलाहकार समिति में किया शामिल

वाशिंगटन ।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने शुक्रवार को बड़ा फैसला लेते हुए दो भारतीय-अमेरिकी नागरिक को सलाहकार समिति में नियुक्त किया है। इनमें फ्लेक्स की मुख्य कार्यकारी अधिकारी रेवती अद्वैती और प्राकृतिक संसाधन रक्षा परिषद के सीईओ मनीष बापना है। इन दोनों को 'व्यापार नीति एवं वार्ता' की सलाहकार समिति के लिए नामित किया। राष्ट्रपति बाइडन ने 14 लोगों की एक टीम की घोषणा की जो अमेरिकी सलाहकार समिति का हिस्सा होंगी इसमें रेवती अद्वैती, मनीष बापना, टिमोथी माइकल ब्रोस, थॉमस एम कॉनवे, एरिका आरएच फुच्स, मार्लन ई किम्पसन, रयान, शोंडा यवेटे स्कॉट, एलिजाबेथ शुलर, नीना ज्लॉस्बर्ग-लैंडिस और वेन्डेल पी वीक्स शामिल हैं। यह समिति अमेरिकी व्यापार नीति के विकास, क्रियान्वयन और प्रशासन के मामलों पर अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधियों को समग्र नीतिगत सलाह देती है। व्हाइट हाउस ने कहा कि 2019 में फ्लेक्स की सीईओ का पद संभालने के बाद से अद्वैती कंपनी की रणनीतिक दिशा तय करने और फ्लेक्स को

बदलाव के जरिये अग्रणी बनाए रखने के लिए जिम्मेदार रही हैं। यह कंपनी विनिर्माण में एक नये युग को परिभाषित कर रही है। उन्हें लगातार चार साल फॉर्च्यून की उद्योग में सबसे शक्तिशाली महिलाओं और बिजनेस टुडे की भारत में सबसे शक्तिशाली महिलाओं की सूची में शामिल किया गया। फ्लेक्स से पहले अद्वैती इलेक्ट्रिकल सेक्टर वाली ईटन कंपनी में प्रेसिडेंट और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर की भूमिका में थीं, जिसमें एक लाख से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं। उन्होंने उबर के निदेशक मंडल में भी काम किया है। अद्वैती विश्व आर्थिक मंच के उन्नत विनिर्माण सीईओ समुदाय की सह-अध्यक्ष हैं।

रूस से सुखोई फाइटर जेट खरीदेगा ईरान: ईरानी डिप्लोमैट ने एसयू -35 डील की जानकारी दी, यूक्रेन जंग में रूस इस्तेमाल कर रहा ईरानी ड्रोन

तेहरान।

ईरान रूस से सुखोई एसयू -35 फाइटर जेट्स खरीदने जा रहा है। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों देशों के बीच इसे लेकर डील हुई है। यूएन में ईरानी डिप्लोमैट ने कहा- सुखोई एसयू -35 जेट को तकनीकी तौर पर ईरानी एक्सपर्ट्स ने मंजूरी दी, जिसके बाद डील को आगे बढ़ाया गया। हालांकि, रूस की तरफ से इस डील को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। दरअसल, ईरान पर यूएन ने कन्वेंशनल वेपन्स खरीदने को लेकर पाबंदी लगा रखी थी। ये पाबंदी अक्टूबर 2020 में खत्म हो गई। इसके बाद रूस ने ईरान को सुखोई एसयू -35 खरीदने की पेशकश की थी। वहीं साल की शुरुआत में आई कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि ईरान और रूस के बीच 24 फाइटर जेट्स के साथ ही

कई मिलिट्री हार्डवेयर, एयर डिफेंस सिस्टम, मिसाइल सिस्टम और हेलिकॉप्टर को लेकर डील हुई है। इससे पहले चीन भी रूस से एसयू -35 फाइटर जेट्स खरीद चुका है। वहीं इससे पहले यूक्रेन ने दावा किया था कि रूसी सेना जंग में ईरान के कामिकाजे ड्रोन्स का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कई ड्रोन्स को मार गिराने की भी बात कही थी जिसका मलबा यूक्रेन से बरामद हुआ था। हालांकि, रूस ने हमेशा इन दावों को खारिज किया है।

वहीं ईरान ने रूस को ड्रोन भेजने की बात स्वीकारी थी लेकिन उसके मुताबिक ये सप्लाई जंग शुरू होने से पहले की गई थी। एसयू -35 में एक डिजिटल कॉम्प्लेक्स है, जो सस्ते अनगाइडेड बमों का इस्तेमाल करके काफी सटीक हमला कर सकता है। एसयू -35 सिंगल-सीट, ट्विन-इंजन, सुखोई एसयू -27 फाइटर का एक वेरिएंट है। ये कई एडवांस्ड टेक्नोलॉजी से लैस है। एसयू -35 एक 4++ पीढ़ी का विमान है जो पांचवीं पीढ़ी की लड़ाकू तकनीक का उपयोग करता है। एसयू -35 लड़ाकू विमान सुपरसोनिक स्पीड से लंबी दूरी तक उड़ान भरने में सक्षम है। यह एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम से भी लैस है। इससे पहले 24 फरवरी को ईरान ने 1650 किमी की रेंज वाली क्रूज मिसाइल बनाने की जानकारी दी थी।

इमरान ने सरकार पर पार्टी कार्यकर्ता की मौत पर पर्दा डालने का लगाया आरोप, जांच की मांग की

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के घर के बाद बुधवार को पुलिसकर्मियों और पीटीआई पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई थी, कई दर्जन कार्यकर्ता घायल हो गए थे और एक कार्यकर्ता की मौत हो गई थी। वहीं अब इमरान ने शनिवार को पंजाब की कार्यवाहक सरकार पर अपनी पार्टी के एक कार्यकर्ता की मौत पर पर्दा डालने का आरोप लगाया और उसकी हत्या की न्यायिक जांच की मांग की। पुलिस की कार्रवाई में बुधवार को कथित तौर पर पीटीआई कार्यकर्ता अली बिलाल की मौत हो गई और एक दर्जन से अधिक को इमरान खान के आवास के बाहर घायल हो गए थे। कार्यकर्ता चुनावी अभियान को लेकर रैली निकालने वाले थे। इस दौरान पुलिस ने 100 से अधिक पीटीआई कार्यकर्ताओं को भी गिरफ्तार किया था। लाहौर उच्च न्यायालय द्वारा इमरान खान के भाषणों पर लगे प्रतिबंध को हटाने के बाद अपने पहले टेलीविजन संबोधन में, पीटीआई के अध्यक्ष इमरान खान ने पंजाब पुलिस को बर्बर बताते हुए प्रांतीय अधिकारियों पर कड़ा प्रहार किया और कहा कि वह विश्वास नहीं कर सकते कि उन्होंने पीटीआई कार्यकर्ता बिलाल के साथ क्या किया। मैं उनके निधन से आहत हूं। उन्होंने कहा कि किसी ने कभी उनके बारे में बुरा नहीं बोला लेकिन हिरासत में जिस तरह से उन्हें प्रताड़ित किया गया वह शर्मनाक है। इमरान खान ने लाहौर उच्च न्यायालय से पीटीआई कार्यकर्ता की मौत की जांच के लिए एक न्यायिक आयोग गठित करने का भी आग्रह किया। उनकी टिप्पणी पुलिस प्रमुख द्वारा कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने के घंटों बाद आई है। पंजाब के महानिरीक्षक डॉ उस्मान अनवर ने शनिवार को इमरान द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया। इमरान ने कहा था कि बिलाल की कथित हिरासत में हत्या के लिए प्रांतीय प्रशासन दोषी है, इस बात पर जोर देते हुए कि यह घटना विशुद्ध रूप से एक सड़क दुर्घटना का मामला थी, आगे कहा कि दुर्भाग्य से

सार्वजनिक रूप से इसकी गलत व्याख्या की जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरान खान ने कहा कि बिलाल के शरीर पर कम से कम 60 निशान थे, जो इस बात का संकेत है कि उसे प्रताड़ित किया गया था। बाद में अपने भाषण में, खान ने घोषणा की कि वह रविवार को लाहौर में एक चुनाव अभियान रैली का नेतृत्व करेंगे और अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं से कथित रूप से पार्टी के खिलाफ पुलिस की बर्बरता का सामना करने का आग्रह किया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख और पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तान जिस तरह से आगे बढ़ रहा है, भारतीय टीवी चैनल पाकिस्तान का मजाक उड़ा रहे हैं और खुशी-खुशी बता रहे हैं कि देश कैसा है, विनाश की ओर बढ़ रहा है। पीटीआई के अध्यक्ष इमरान खान जिले-ए-शाह के ईसाल-ए-सवाब के लिए एक सभा को संबोधित कर रहे थे ।

इंडोनेशिया का माउंट मेरापी ज्वालामुखी फटा, पास के गांव-सड़कों पर फैला धुंआ और राख

जकार्ता । दुनिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक इंडोनेशिया का माउंट मेरापी शनिवार को फट गया। जिससे इसके आसपास इलाके के गांव और सड़कों पर धुँआ और राख फैल गई। एक रिपोर्ट के मुताबकि मेरापी ज्वालामुखी वेधशाला ने अनुमान लगाया कि राख का बादल शिखर से 9,600 फीट (3,000 मीटर) ऊपर पहुंच गया। स्थानीय टीवी पर प्रसारित छवियों में इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के पास जावा द्वीप पर स्थित ज्वालामुखी के पास एक गाँव में राख से ढके घर और सड़कें दिखाई गईं। राष्टीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहरी ने कहा कि गर्म बादलों का एक स्तंभ हवा में 100 मीटर (गज) ऊपर उठ गया। अधिकारियों ने विस्फोट के बाद क्रेटर से सात किलोमीटर का एक प्रतिबंधित क्षेत्र स्थापित किया, जो दोपहर 12: 12 बजे (0512 जीएमटी) दर्ज किया गया। माउंट मेरापी विस्फोट से संभावित खतरे का अनुमान लगाने के लिए, जनता को संभावित खतरे वाले क्षेत्र में किसी भी गतिविधि को रोकने की सलाह दी जाती है। देश की आपदा न्यूनीकरण एजेंसी ने कहा कि हताहतों की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं थी। मुहारी ने कहा कि आस-पास के निवासियों को भी राख से परेशानी होती है और ज्वालामुखी कीचड़ के प्रवाह से संभावित खतरों से अवगत होना चाहिए, खासकर अगर ज्वालामुखी के पास बारिश होती है। मेरापी के एक अवलोकन पोस्ट के एक अधिकारी ने एक बयान में कहा कि ज्वालामुखी के पास कम से कम आठ गांव ज्वालामुखी की राख से प्रभावित हुए हैं। 2010 में ज्वालामुखी के बड़े विस्फोट में 300 से अधिक लोगों की मौत हो गई और लगभग 280,000 निवासियों को सुरक्षित जगह भेजा था।

वायरल हुआ आप नेताओं का पैसे के लेन-देन का वीडियो

पंजाब में राजनीति गरमाई

विधानसभा में गूंजा मामला

चंडीगढ़ । आप नेताओं के पैसे के लेन-देन के दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पंजाब की राजनीति गर्मा गई है। यह मामला विधानसभा में भी गूंजा। कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैरा ने मामला उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान से जवाब मांगते हुए दोनों आप नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस बीच वीडियो के संबंध में दोनों आरोपी नेताओं ने इसे विरोधियों की साजिश बताया है। एक वीडियो में कथित तौर आम आदमी पार्टी मानसा के शहरी अध्यक्ष किसी व्यक्ति से सरकारी काम के बदले पैसे लेते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में वह कह रहे हैं कि यह काम पक्का होना चाहिए। पैसे देने वाला व्यक्ति वीडियो में इसको छोटी सी भेंट बताकर उनके हाथ में 500 रुपए की गड्डी पकड़ा रहा है।

आम आदमी पार्टी के नेता कहते सुनाई पड़ रहे हैं कि *यह स्पष्ट बात है कि उनके पास आए हुए पैसे फिर वापस नहीं होते।* दूसरे वीडियो में कथित रूप से आप नेता और मार्केट कमेटी मानसा के चेयरमैन किसी व्यक्ति से काम के बदले डेढ़ लाख रुपए की बात करके अपने किसी नजदीकी को 30 हजार रुपए देने की बात कर रहा है। वीडियो में यह पैसे कथित रूप से आप के यूथ विंग के अध्यक्ष किसी व्यक्ति से लेकर जेब में डाल रहे हैं और कह रहे हैं कि बाकी के पैसे भी शीघ्र दे दो। वीडियो में पैसे देने वाला व्यक्ति भी बाकी भुगतान शीघ्र किए जाने की बात करता है। इन दोनों वीडियो के वायरल होने के बाद मानसा की राजनीति में खलबली मच गई है। आप नेता विरोधियों और आम लोगों के निशाने पर आ गए। आप के बड़े नेताओं ने इस बारे मुंह नहीं खोला है। कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैरा ने विधानसभा में इन वीडियो को लेकर राज्य सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि विधानसभा में भ्रष्टाचार के विरुद्ध बड़े दावे करने वाले मुख्यमंत्री अपनी पार्टी के नेताओं का किरदार व हाल देख लें, जो छोटे-मोटे कामों और बदलियों के लिए भी लोगों से पैसे बटोर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि सीएम मान दोनों आप नेताओं के खिलाफ तुरंत एक्शन लें। चूंकि उस समय सदन में मुख्यमंत्री मौजूद नहीं थे तो कृषि मंत्री कुलदीप धालीवाल और खैरा के बीच इसे लेकर नोकझोंक भी हुई। इसके अलावा शिअद व्यापार सेल के नेता हनीष बंसल ने विजिलेंस ब्यूरो से दोनों वायरल वीडियो को लेकर इन आप नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार एक्ट के अधीन मामला दर्ज करने की मांग की है साथ ही मुख्यमंत्री से दोनों को पार्टी से बाहर करने की मांग की है। पहला वीडियो के मामले में मार्केट कमेटी मानसा के चेयरमैन ने कहा कि उन्होंने दिसंबर महीने में शहर में लंगर सेवा चलाई थी, जिसमें यह व्यक्ति उनके दोस्त को लंगर सेवा के नाम पर पैसे दे रहा है। इसमें काम करवाने बदले पैसे लेने वाली कोई बात नहीं है।

इंफ्लूएंजा से घबराएं नहीं, समय से इलाज कराएं : सीएमओ

इंफ्लूएंजा को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

भिवानी (हिंस)। इंफ्लूएंजा के बढ़ते मामलों को लेकर स्थानीय स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। पॉजिटिव मरीज के लिए भिवानी के चौ. बंसीलाल नागरिक अस्पताल में रखने की व्यवस्थाएं की गई हैं। भिवानी जिले में पहली स्टेज के दो मरीज मिले थे, लेकिन समय पर इलाज के बाद वे ठीक हैं। भिवानी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रघुबीर शांडिल्य ने नागरिकों से अपील की है कि वे इंफ्लूएंजा से घबराए नहीं, बल्कि समय पर इलाज करवाएं। इंफ्लूएंजा फ्लू के बारे में जानकारी भिवानी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शांडिल्य ने बताया कि फ्लू एच1एन1, एच2एन2, एच3एन1 तरह के हैं। पहली स्टेज में स्वाइन फ्लू कहते हैं तथा 9एचजी में स्पेसिफिक टेस्ट करते हैं। उन्होंने बताया कि जैसे कोरोना का टेस्ट होता है, वैसे ही सही समय पर कंजरवेटिव इलाज होता है। लगभग 70 से 80 फीसदी माइल्ड टू मोडरेट होकर यह फ्लू अपने आप ठीक होने वाली बीमारी है। इसके लक्षणों के बारे में सीएमओ शांडिल्य ने बताया कि एक सप्ताह से ज्यादा खांसी, जुकाम, गला खराब होना, सांस लेने में दिक्कत, बॉडी में दर्द होना इसके लक्षण है। उन्होंने कहा कि समय रहते इलाज नहीं लिया गया या लापरवाही की तो मौत की भी आशंका बढ़ जाती है। फ्लू से बचाव के बारे में सीएमओ ने बताया कि बार-बार हैंडवाश करें, सोशल डिस्टेंस रखें, मास्क या कपड़े से मुंह को ढकें। उन्होंने कहा कि इस फ्लू के लिए भी कोविड वाले नियमों की पालना करना जरूरी है। उन्होंने बताया कि चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल में टेस्ट और सैंपल की सुविधा है। फ्लू से ग्रस्त मरीज के लिए वार्ड नंबर-9 आइसोलेशन बनाया गया है।

राजस्थान में पहली बार केजरीवाल-भगवंत मान निकालेंगे तिरंगा यात्रा

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) भी इस बार पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। आप प्रमुख और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान सोमवार को जयपुर पहुंच रहे हैं। यहां ये अजमेरी गेट पर जनसभा को संबोधित करेंगे। आप के पूर्व प्रदेश संगठन मंत्री गिरिराज सिंह खंगारोत ने बताया कि दोनों सीएम चार्टर प्लेन से 12 बजे जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वहां से सीधे सर्किट हाउस जाएंगे। सर्किट हाउस से सांगानेरी गेट पहुंचेंगे। जहां से तिरंगा यात्रा शुरू होगी। करीब 12.30 बजे यात्रा सांगानेरी गेट से शुरू होगी। जो बापू बाजार, न्यू गेट, नेहरू बाजार होते हुए अजमेरी गेट पहुंचेगी। आखिरी में अजमेरी गेट पर ट्रक में बने मंच से दोनों मुख्यमंत्री जनता को संबोधित करेंगे। करीब एक किलोमीटर की इस यात्रा में सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हाथ में लेकर उसे फहराएंगे। इस मौके पर आप के प्रदेश प्रभारी विनय मिश्रा प्रभारी समेत अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। वर्तमान में राजस्थान में आप की कार्यकारिणी नहीं है। संभावना है कि इस जनसभा के बाद आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष की घोषणा कर दें। इसके अलावा प्रदेश कार्यकारिणी के अन्य महत्वपूर्ण पदों पर भी नियुक्ति की घोषणा की जा सकती है। चुनाव नजदीक आता देख पार्टी चाहती है कि प्रदेश में करीब 50 से ज्यादा ऐसी सीटों पर चुनाव लड़ा जाए। जहां भाजपा-कांग्रेस दोनों ही पार्टियों के प्रति जनता में नाराजगी हो। ताकि वहां जनता के लिए तीसरा विकल्प बन सके। इस यात्रा में ज्यादा से ज्यादा जनता और आप के कार्यकर्ता पहुंच रहे हैं। इसके लिए प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार किया गया है।

गरीबों के लिए दो चरणों में 30 हजार मकान बनाएगी पंजाब सरकार : अमन

चंडीगढ़। पंजाब सरकार राज्य में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए दो चरणों में 25 से 30 हजार मकानों का निर्माण करेगी। यह जानकारी राज्य के आवास एवं शहरी विकास मंत्री अमन अरोड़ा ने शनिवार को विधानसभा में दी। विधानसभा में उन्होंने कहा कि पहले चरण में ईडब्ल्यूएस आवास नीति के तहत 15 हजार मकानों का निर्माण किया जाएगा। शहरी विकास मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा कि साल 2000 के बाद से राज्य में किसी भी आवास परियोजना में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के किसी भी लाभार्थी को एक भी फ्लैट आवंटित नहीं किया गया है। बजट सत्र में पुडा (पंजाब शहरी नियोजन और विकास प्राधिकरण) और गमाडा (ग्रेटर मोहाली क्षेत्र विकास प्राधिकरण) द्वारा विकसित परियोजनाओं में ईडब्ल्यूएस द्वारा प्राप्त लाभों के संबंध में विधायक कुलवंत सिंह के सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि ईडब्ल्यूएस अपार्टमेंट उपलब्ध कराने के एवज में 1,500 रुपए प्रति वर्ग फुट की राशि जमा करने की रियायत का उपयोग करते हुए, कम से कम 23 विभिन्न बिल्डर्स ने 32.85 करोड़ रुपए जमा किए हैं। अरोड़ा ने कहा कि आवास को दो चरणों में बनाया जाएगा और निविदाएं एक महीने से भी कम समय के भीतर जारी की जाएंगी। अमन अरोड़ा ने कहा कि विभिन्न आवासीय परियोजनाओं में ईडब्ल्यूएस के लिए 520 फ्लैट आरक्षित किए गए हैं।

जन-विरोधी निर्णय लेने की पर्याय बनी हरियाणा सरकार : किरण चौधरी

हिसार (हिंस)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता एवं विधायक किरण चौधरी ने कहा है कि प्रदेश सरकार हर वर्ग विरोधी निर्णयों का पर्याय बन चुकी है। कोई ऐसा वर्ग नहीं है जो इस सरकार से राजी हो। ऐसे में जरूरी हो गया है कि जनता आने वाले चुनाव में ऐसी जनविरोधी पार्टियों को सबक सिखाए जो जनता की आवाज ही न सुन रही हो। उन्होंने पुरानी पैंशन स्कीम बंद करने, परिवार पहचान पत्र से जनता को हो रही परेशानी, बेराजगारी, ई टेंडरिंग का जिक्र करते हुए प्रदेश की भाजपा-जजपा सरकार पर जमकर निशाने साधे वहीं बातों ही बातों में बिना नाम लिए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पर भी वार किए। किरण चौधरी रविवार को हिसार के कांग्रेस भवन में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। उन्होंने जिले में अनेक सामाजिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर कार्यकर्ताओं के घर जलपान किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारी वर्ग पुरानी पैंशन की मांग कर रहा है, कर्मचारियों की यह मांग बिल्कुल जायज है और सरकार को अविलंब इसे पुरानी पैंशन स्कीम लागू करनी

चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई भी युवा सरकारी नौकरी में इसीलिए जाता है कि रिटायरमेंट के बाद उसका बुढ़ापा सही ढंग से कटे लेकिन जब उसका सहारा ही बंद कर दिया तो सरकारी नौकरी का क्या फायदा। उन्होंने परिवार पहचान पत्र को परेशानी पहचान पत्र करार दिया और कहा कि इससे आए दिन नागरिकों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। हम तकनीक के खिलाफ नहीं है लेकिन तकनीक का क्रियान्वयन सही होना चाहिए। कभी पोर्टल नहीं चलते, कभी इंटरनेट नहीं चलते तो कभी गांवों में बिजली नहीं होती, कुल मिलाकर यह परेशानी पहचान पत्र जनता को परेशान कर रहा है। किरण चौधरी ने कहा कि हरियाणा बेरोजगारी में अव्व्ल है, आंकड़ों के अनुसार हरियाणा में 37 प्रतिशत से अधिक बेरोजगारी है, जो सरकार की रोजगार नीति पर सवालिया निशान है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी केवल बेरोजगारी नहीं है, इससे सामाजिक ताना—बाना भी खराब हो रहा है, बेरोजगारों की शादियां नहीं हो रही, बेरोजगार गलत रास्ते पर जा रहे हैं और सरकार कौशल निगम के नाम पर युवा वर्ग को गुमराह कर रही है। उन्होंने सरकार की ई टेंडरिंग नीति की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार ने यह सब सरपंचों को परेशान करने व गांवों का विकास बाधित करने के लिए किया है।

एच3एन2 वायरस ने फतेहाबाद में दी दस्तक युवक को मिला पॉजिटिव

फतेहाबाद (हिंस)। देश में बढ़ते एच3एन2 वायरस ने फतेहाबाद जिले में भी दस्तक दे दी है। जिले के भूना खंड के गांव सिंथला निवासी 30 वर्षीय युवक की एच3एन2 रिपोर्ट पॉजिटिव मिली है। हालांकि युवक की तबीयत अब ठीक है लेकिन स्वास्थ्य विभाग अहतियात के तौर पर युवक को होम आइसोलेट कर दिया है। साथ ही विभाग द्वारा गांव में लोगों के सैंपल लिए जाने का भी फैसला लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार गांव सिंथला निवासी युवक को निमोनिया की शिकायत के बाद 4 मार्च को हिसार के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। ज्यादा दिक्कत होने पर चिकित्सकों द्वारा उसके सैंपल लेकर एच3एन2 वायरस की जांच के लिए अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में भेजे गए थे। इसी दौरान 10 मार्च को युवक की तबीयत ठीक होने पर उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। शनिवार देर रात युवक की रिपोर्ट में वह एच3एन2 पॉजिटिव पाया गया है। इसकी सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट हो गया है। फतेहाबाद के नागरिक अस्पताल में कोई स्पेशल वार्ड या फ्लू सेंपलिंग की कोई तैयारी नहीं है। स्वास्थ्य विभाग भले ही इसे पहला मामला मान रहा हो लेकिन शहर के निजी अस्पतालों में ऐसे मरीजों की संख्या लगातार ब् रही है, जिनमें एच3एन2 के लक्षण है।

शताब्दी वर्ष में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का बड़ा लक्ष्य

पानीपत (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की तीन दिवसीय बैठक आज (रविवार) हरियाणा के पानीपत जिले के समालखा स्थित सेवा साधना एवं ग्राम विकास केंद्र पट्टीकल्याणा में शुरू हो गई। बैठक का उद्घाटन सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में संघ और उससे जुड़े सभी संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी समेत देशभर के 1400 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन के बाद बैठक परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता को सह सरकार्यवाह डॉ. मनमोहन वैद्य और अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने संयुक्त रूप से संबोधित किया। संघ कार्य का उल्लेख करते हुए डॉ. वैद्य ने बताया कि देशभर में 42,613 स्थानों पर 68,651 दैनंदिनी शाखाएं चल रही हैं। पिछले साल तक 36,903 स्थानों पर 60,117 शाखाएं लग रही थीं। साप्ताहिक मिलन मंडली की संख्या 20,826 से बढ़कर 26,877 हुई। संघ मंडली 7,980 से बढ़कर 10,412 हो गई है। उन्होंने बताया कि शताब्दी वर्ष में संघ का कार्य देशभर में एक लाख स्थानों पर पहुंचाने का लक्ष्य है। डॉ. वैद्य ने कहा कि देश का सारा समाज एक है। सब समान हैं। सब अपने हैं और मुझे समाज के लिए कुछ देना है। इसकी अनुभूति संघ की दैनंदिनी लगने वाली शाखाओं के माध्यम से होती है। बौद्धिक स्तर पर इसको जानने के बाद भी इसका नियमित अभ्यास आवश्यक है। संघ की शाखाएं व्यक्ति निर्माण का केंद्र हैं। इसलिए दैनंदिनी शाखा में जाने का आग्रह रहता है। सह सरकार्यवाह डॉ. वैद्य ने बताया कि प्रतिनिधि सभा संघ की सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई है। इस बैठक में सांगठनिक कार्य का वर्षभर का लेखाजोखा प्रस्तुत किया जाता है और आगामी कार्ययोजना पर विचार किया जाता है। यह बैठक वर्ष में एक बार होली के आसपास होती है।

हमारी पार्टी भी चुनाव लड़ेगी और चुनाव लड़ने का अधिकार सबको : ओवैसी

बाड़मेर (हिंस)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने सचिन पायलट के टोंक से चुनाव लड़ने के एलान के बाद पलटवार किया। हमारी पार्टी भी चुनाव लड़ेगी और चुनाव लड़ने का अधिकार सबको है। हम चुनाव में मुकाबला करेंगे। शिव के विधायक अमीन खान व पोकरण विधायक व मंत्री पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भरतपुर के जुनैद व उसके साथी के मर्डर पर जुबान भी नहीं खोली। इतना बड़ा कांड हुआ लेकिन दोनों कुछ भी नहीं बोले। बोलना चाहिए था। गहलोत सरकार पर जुबानी हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि बीते बजट में जो वादे किए वो पूरे नहीं किए और अल्पसंख्यक को कुछ नहीं दिया।

हर नागरिक की जरूरतों व समस्याओं को भलीभांति समझ रहे सीएम : कैप्टन भूपेंद्र

हिसार (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेंद्र ने हिसार में जन संवाद कार्यक्रम आयोजित करके नागरिकों की समस्याओं का निवारण करने व अर्बन एस्टेट में एक मार्ग का नाम कर्नल सुंदर सिंह के नाम पर किए जाने पर मुख्यमंत्री का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि हिसार के लिए गर्व का विषय है कि अपने आठ वर्ष के शासनकाल में मुख्यमंत्री मनोहर लाल हमेशा हिसार पर मेहरबान रहे हैं। कैप्टन भूपेंद्र एवं अन्य पदाधिकारियों ने रविवार को हवाई अड्डा पहुंचने पर मुख्यमंत्री का स्वागत किया और हिसार में इतने कार्यक्रम आयोजित करने पर उनका आभार जताया। जिला अध्यक्ष ने कहा कि मार्ग के नामकरण व जन संवाद कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि मेला कार्यक्रम में भी मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की और किसानों को सम्मानित किया। भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जन संवाद कार्यक्रम में सैंकड़ों नागरिकों की समस्याएं सुनकर उनका निवारण किया है। इससे साबित होता है कि मुख्यमंत्री हर नागरिक की जरूरतों व समस्याओं को भली-भांति समझते हैं। जिला मीडिया प्रमुख राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि हिसार हवाई अड्डा पहुंचने पर जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेंद्र के अलावा अनेक नेताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इनमें मुख्य रूप से निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा, विधायक विनोद भ्याना, मेयर गौतम सरदाना, डिप्टी मेयर अनिल सैनी, वरिष्ठ नेता श्रीनिवास गोयल, महामंत्री प्रवीन पोपली व एडवोकेट धर्मबीर रतेरिया, प्रदेश मंत्री सरोज सिहाग, पूर्व विधायक वेद नारंग, मनदीप मलिक, सीमा गेबीपुर, आशा खेदड़, महावीर प्रसाद, रवि सैनी, जितेंद्र जोग, कृष्ण बिश्नोई, अशोक सैनी, कपूर सिंह बेनीवाल, संजीव रेवड़ी, देवेंदर शर्मा देव, कृष्ण खटाना, राजेश सूरा, तरुण जैन, ईश्वर मालवाल, जिला मीडिया प्रमुख राजेन्द्र सपड़ा, अनिल कैरों, महेन्द्र सिंह पान्नू सहित अन्य भी शामिल रहे।

जालंधर लोकसभा उपचुनाव: राणा गुरजीत सिंह को मिली बड़ी जिम्मेदारी

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस ने विधायक राणा गुरजीत सिंह को रविवार को बड़ी जिम्मेदारी दी है। उन्हें जालंधर लोकसभा उपचुनाव में प्रचार समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है। पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने यह नियुक्ति की है। पंजाब कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर पोस्ट कर यह जानकारी दी है। ट्वीट में लिखा है कि पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने पूर्व कैबिनेट मंत्री राणा गुरजीत सिंह को आने वाले जालंधर लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इससे पहले गुरुवार को जालंधर की नौ विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस ने प्रभारियों के साथ दो-दो सह प्रभारियों की नियुक्ति की थी। कांग्रेस ने फिल्लौर में इंद्रबीर सिंह बुलारिया प्रभारी, बलविंद्र सिंह धालीवाल और सुखपाल सिंह भुल्लर को सह प्रभारी नियुक्त किया था। वहीं नकोदर में बरिंद्र सिंह पाहड़ा को प्रभारी, संतोख सिंह भलाईपुर व मलकीत सिंह दाखा को सह प्रभारी, शाहकोट में तृप्त राजिंद्र सिंह बाजवा प्रभारी, कुलबीर सिंह जीरा व कुशलदीप सिंह ढिल्लों को सह प्रभारी, करतारपुर में सुखबिंद्र सिंह सुख सरकारिया को प्रभारी, हर प्रताप सिंह अजनाला व हरमिंद्र सिंह गिल को सह प्रभारी बनाया गया। वहीं जालंधर वेस्ट में विजय इंद्र सिंगला को प्रभारी, कुलदीप सिंह वैद व दविंदर घुबाया को सह प्रभारी, जालंधर सेंट्रल में राणा कंवरपाल सिंह प्रभारी, रमिंद्र आवला और संजय तलवाड़ को सह प्रभारी, जालंधर नॉर्थ में हरदयाल सिंह कंबोज को प्रभारी, अमित विज व सुनील दत्ती को सह प्रभारी, जालंधर कैंट में राजकुमार चब्बेवाल प्रभारी, अरुण डोगरा व बलदेव सिंह जैतो को सह प्रभारी, आदमपुर में गुरकीरत सिंह कोटली को प्रभारी, लखबीर सिंह लक्खा व गुरप्रीत सिंह जीपी को सह प्रभारी नियुक्त किया। जनवरी महीने में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जालंधर से कांग्रेस सांसद संतोख सिंह चौधरी का निधन हो गया था। उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। इसके बाद से यह सीट रिक्त है। अब यहां उपचुनाव होने हैं। कांग्रेस किसी भी हाल में अपनी यह सीट खोना नहीं चाहती है। उम्मीद यह भी जताई जा रही है कि इसी बीच नगर निगम चुनाव भी हो सकता है। यही वजह है कि कांग्रेस पूरी तरह से किलेबंदी में लगी है। बता दें कि पूर्व सांसद चौधरी संतोख सिंह के विधायक बेटे विक्रमजीत सिंह चौधरी को कांग्रेस ने फिलहाल कोई जिम्मेदारी नहीं सौंपी है।

शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने खोला मोर्चा 11 सूत्रीय मांगपत्र पर आंदोलन शुरू

उदयपुर (हिंस)। शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने शिक्षकों की लम्बे समय से आ रही समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर प्रदेशव्यापी आंदोलन का आगाज कर दिया है। आंदोलन के पहले चरण के तहत राज्य के सभी विधायकों को ज्ञापन देने के बाद अब दूसरे चरण के रूप में जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। यदि सरकार शिक्षकों की समस्याओं को नहीं सुनती है तो सितंबर में प्रदेश भर में रैलियां निकाली जाएंगी। शिक्षक संघ राष्ट्रीय के जिलाध्यक्ष (उदयपुर प्रथम) पुष्पेन्द्र सिंह झाला ने रविवार को उदयपुर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि शिक्षा जैसे संवदेनशील विषय में राष्ट्र के भविष्य पर पड़ने वाले दूरगामी नकारात्मक प्रभावों की सरकार लगातार उपेक्षा कर रही है। संगठन द्वारा बार-बार आग्रह करने व लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रकट करने के उपरान्त भी सरकार ने न तो संगठन से कोई संवाद स्थापित किया और ना ही अपने स्तर पर कोई कार्रवाई की है। संगठन ने गत वर्षों में निरन्तर राज्य सरकार के समक्ष सभी स्तरों एवं माध्यमों द्वारा संपर्क कर विभिन्न शिक्षक

समस्याओं के निराकरण के लिए आग्रह किया किंतु राज्य सरकार ने उपेक्षापूर्ण रवैया अपनाते हुए समस्याओं को हल करने का कोई सार्थक प्रयास नहीं किया। इससे व्यथित और आक्रोशित होकर राज्य के शिक्षक अब आंदोलन की राह अपनाने को विवश हो गए हैं। उन्होंने 11 सूत्रीय मांगपत्र के बारे में बताया कि इसमें वेतन विसंगतियों के निराकरण के लिए गठित सावंत एवं खेमराज कमेटी की रिपोर्टों को तत्काल सार्वजनिक कर लागू करनेएवं विभिन्न वेतन विसंगतियों का तत्काल निवारण करने की मांग की गई है।

ब्राह्मणों ने भी मांगा स्थानीय निकाय और पंचायत राज में राजनीतिक आरक्षण

जयपुर (हिंस)। प्रदेश के ब्राह्मणों में भी स्थानीय निकाय और पंचायत राज संस्थानों में आरक्षित वर्ग के समान आरक्षण और अन्य सुविधाएं देने के लिए प्रदेश सरकार के समक्ष ताल ठोक दी है। विप्र फाउंडेशन के बैनर तले मेहंदीपुर में जुटे ब्राह्मणों ने राज्य सरकार के समक्ष यह मांग रखी है। ब्राह्मणों ने सरकारी भर्ती परीक्षाओं में लगातार हो रही धांधली पर भी अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए उच्च स्तरीय जांच तथा पीड़ित बेरोजगारों को इंसाफ की मांग की हैं। विप्र फाउंडेशन के संभाग स्तर पर भरतपुर संभाग के हुए पहले विप्र महाकुंभ में रविवार को जुटी हजारों की भीड़ का गुस्सा मंदिर माफी की जमीनों पर हो रहे अतिक्रमणों तथा इन्हें लेकर हो रहे अत्याचारों को लेकर भी था।

घायल को अस्पताल पहुंचाएं... 2000 रुपए पाए

पंजाब सरकार जल्द शुरू करगी फरिश्ता स्कीम

चंडीगढ़। पंजाब सरकार जल्द ही फरिश्ता स्कीम शुरू करने जा रही है। इस स्कीम का उद्देश्य इलाज के अभाव में सड़क हादसों में होने वाली मौतों में कमी लाना है। कार्रवाई के डर से कई बार लोग घायल की मदद नहीं करते हैं और वह सड़क पर ही तड़पता रहता है लेकिन पंजाब सरकार की यह योजना अब मददगार साबित होगी। योजना के मुताबिक हादसे में घायल को अस्पताल पहुंचने पर 2000 रुपए की सम्मान राशि दी जाएगी। खास बात यह है कि युवक से कोई पूछताछ नहीं होगी। पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू ने होशियारपुर में इस योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फरिश्ता स्कीम पंजाब में लागू होने जा रही है। स्कीम के मुताबिक पंजाब या पंजाब के बाहर का कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना में घायल होता है तो उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को पंजाब सरकार फरिश्ता मानेगी और उसे 2000 रुपए की सम्मान राशि देगी। व्यक्ति से किसी भी तरह की कोई पूछताछ नहीं की जाएगी। इसके अलावा घायल का इलाज नि:शुल्क किया जाएगा। भले ही वह प्राइवेट अस्पताल में ही क्यों न भर्ती हो। इलाज का खर्च पंजाब सरकार वहन करेगी। गढ़शंकर के गांव रुड़की पहुंचे पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि आम आदमी क्लीनिक के माध्यम से प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी बदलाव आया है और अब सब डिविजन और जिला अस्पतालों में अधिक से अधिक सुविधाएं देकर यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जाएगा। होशियारपुर में पहली बार आने पर स्वास्थ्य मंत्री को पंजाब पुलिस की टुकड़ी ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ने लोकहितैषी बजट पेश किया है। हर वर्ग को लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग पंजाब में अब तक 504 आम आदमी क्लीनिक खोल चुका है। मार्च के अंत तक 142 आम आदमी क्लीनिक जनता को और समर्पित कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आम आदमी क्लीनिक खुलने से लोगों को काफी लाभ पहुंचा है क्योंकि यहां प्राथमिक जांच के अलावा लैब टेस्ट फ्री की जाती हैं। दवाएं भी नि:शुल्क दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए सीएम की योगशाला शुरू की जाएगी। अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं के सवाल पर उन्होंने कहा कि अस्पतालों में स्टाफ की कमी को दूर करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में ज्यादा से ज्यादा भर्ती की जा रही हैं और लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए आईएमए का सहयोग भी लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं लोगों तक पहुंचाने के लिए रेशनलाइज व गैप एनलाइज कर पूरी व्यवस्था ठीक की जाएगी। इस दौरान उन्होंने एसडीएम से गांव के स्कूल की मरम्मत और स्वास्थ्य उपकेंद्र को आम आदमी क्लीनिक बनाने का प्रस्ताव भेजने को कहा है। उन्होंने गांव की अन्य मांगों को भी जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया।

मारुति अर्टिगा के बादशाहत को चुनौती दे रही 7 सीटर फैमिली कार किया कारेंस एडवांस फीचर्स, बेहतर लुक व स्पेशियस केबिन के साथ हाल में ही हुई लॉन्च

नई दिल्ली ।
इंडियन मार्केट में एमपीवी सेग्मेंट के लीडर के तौर पर मारुति सुजुकी अर्टिगा का जलवा है। बड़ी फैमिली हो या फिर लांग ट्रिप पर दोस्तों का साथ अपने बेहतर सीटिंग कैपिसिटी और माइलेज के चलते मारुति अर्टिगा को सबसे बेहतर विकल्प माना जाता रहा है, लेकिन मौजूदा समय में एक 7 सीटर फैमिली कार ने इस एमपीवी को बाजार में जबरदस्त टक्कर दे रखी है। हम बात कर रहे हैं हाल ही में लॉन्च हुई किया कारेंस की। एडवांस फीचर्स, बेहतर लुक और स्पेशियस केबिन के चलते ये एमपीवी अर्टिगा के बादशाहत को चुनौती देती नज़र आ रही है। बीते फरवरी महीने में इन दोनों कारों के बीच बिक्री का अंतर बहुत ही मामूली रहा है। फरवरी महीने के सेल्स रिपोर्ट के अनुसार मारुति अर्टिगा की बिक्री में भारी गिरावट देखने को मिली है। कंपनी ने इस कार के कुल 6 हजार 472 यूनिट्स की बिक्री की है, जो पिछले साल के इसी महीने में बेचे गए कुल 11 हजार 649 यूनिट्स के मुकाबले 44 प्रतिशत कम है। वहीं दूसरी ओर किया कारेंस की डिमांड बढ़ी है और इस कार के कुल 6 हजार 248 यूनिट्स की बिक्री की गई है, जो पिछले साल के 5 हजार 109 यूनिट्स के मुकाबले 22 प्रतिशत ज्यादा है। मारुति अर्टिगा और किया कारेंस के बीच बिक्री का अंतर लगातार घटता नजर आ रहा है और इस फरवरी महीने में दोनों कारों की बिक्री में महज 224 यूनिट्स की अंतर देखने को मिल रहा है। किया कारेंस को कंपनी ने कई एडवांस फीचर्स के साथ बेहतर सीटिंग कैपेसिटी में पेश किया है। इसके अलावा अपने प्राइस सेग्मेंट में ग्राहक इस एमपीवी को खूब पसंद भी कर रहे हैं। एसयूवी कार की स्टायलिंग और एमपीवी जैसा कम्फर्ट दोनों ही इस कार में मिलता है। कुल पांच वैरिएंट्स प्रीमियम, प्रेस्टीज, प्रेस्टीज प्लस, लग्जरी और लग्जरी प्लस में आने वाली ये कार 6-सीटर और 7-सीटर दोनों लेआउट में उपलब्ध है। इस कार में आपको 216 लीटर का बूट स्पेस मिलता है, जिसमें आप अपने जरूरत के लगेज रख सकते हैं। इस कार की कीमत 10.19 लाख रुपये से लेकर 18.45 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। दो पेट्रोल इंजन और एक डीजल इंजन के साथ आने वाले इस कार में 1.5 लीटर पेट्रोल (115 पीएस की पॉवर और 144 एनएम टॉर्क), 1.4 लीटर टर्बो-पेट्रोल (140 पीएस की पावर और 242 एनएम का टॉर्क) और 1.5 लीटर डीजल इंजन दिया गया है।

न्यूज ब्रीफ

गोल्ड ईटीएफ में निवेशकों ने फरवरी में डाले 165 करोड़

नई दिल्ली । गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (गोल्ड ईटीएफ) से बीते तीन महीनों में हुई निकासी के बाद फरवरी में निवेशकों ने इसमें 165 करोड़ रुपए डाले हैं। इसकी मुख्य वजह कीमती धातु के दामों में आई मामूली गिरावट है। भारतीय म्यूचुअल फंड संघ (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार निवेशकों ने गोल्ड ईटीएफ से जनवरी में 199 करोड़ रुपए की निकासी की थी। दिसंबर, 2022 में 273 करोड़ रुपए और नवंबर में 195 करोड़ रुपए की निकासी की गई थी। उससे पहले गोल्ड ईटीएफ में अक्टूबर में 147 करोड़ रुपए का निवेश हुआ था। बाजार के जानकारों ने कहा कि फरवरी में ज्यादातर बाजारों में निकासी का रुख देखने को मिला लेकिन भारत में गोल्ड ईटीएफ में निवेश हुआ है। इसकी मुख्य वजह सोने के दामों में मामूली सुधार होना है। जब भी दामों में गिरावट आती है तो ईटीएफ की मांग बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि भारत में सोने की भौतिक मांग मोटे तौर पर त्योहारों और शादी-विवाह के मौसम पर निर्भर करती है। इसके अलावा समीक्षाधीन अवधि में इस श्रेणी में पोर्टफोलियो भी बढ़कर 46.94 लाख हो गए हैं। निवेश के बावजूद गोल्ड ईटीएफ के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) जनवरी आखिर के 21,836 करोड़ रुपए से घटकर फरवरी अंत में 21,400 करोड़ रुपए रह गईं। वर्ष 2022 में गोल्ड ईटीएफ में कुल 459 करोड़ रुपए का निवेश आया जो 2021 के 4,814 करोड़ रुपए से 90 फीसदी कम है।

एपल भारत में दे सकती है तीन लाख नए रोजगार, कंपनी का रिटेल स्टोर पर रहेगा जोर

मुंबई। आईफोन बनाने वाली एपल भारत पर अपना फोकस बढ़ा रही है। इससे यह वित्त वर्ष 2026 तक भारत में तीन लाख रोजगार दे सकती है। इसमें से करीब एक तिहाई नौकरियां प्रत्यक्ष रूप से होंगी, जबकि दो लाख अप्रत्यक्ष रूप से होंगी। वित्त वर्ष 2024 में इसके 1.20 लाख रोजगार पैदा करने की उम्मीद है। इसमें 80,000 अप्रत्यक्ष और 40,000 प्रत्यक्ष रोजगार हो सकते हैं। जानकारी के मुताबिक, ज्यादातर नौकरियां निर्माण क्षेत्र में मिलेंगी। इसके बाद खुदरा क्षेत्र में भी कुछ रोजगार पैदा होंगे। टीमलीज सर्विसेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ-स्टाफिंग) कार्तिक नारायण ने कहा, हम पहले से ही एपल के ठेकेदार की ओर से निर्माण क्षेत्र में नौकरियों में तेजी का रुझान देख रहे हैं। जिस तरह से कंपनी अतिरिक्त संयंत्रों, कारखानों की योजना बना रही है, उससे अगले 36 महीनों में अतिरिक्त 1 लाख प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी।

तेल उत्पादकों ने राजस्थान को सरसों राज्य घोषित करने की मांग की

मुंबई । तेल उत्पादकों ने राजस्थान को सरसों राज्य घोषित करने की मांग की है, क्योंकि देश के तिलहन उत्पादन में उसकी हिस्सेदारी 40-45 प्रतिशत है। उद्योग जगत के एक अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में राजस्थान सरकार से आग्रह किया गया है। भारतीय सरसों तेल उत्पादक संघ (एमओपीए) के अध्यक्ष बाबू लाल दाता ने कहा कि केंद्रीय तेल उद्योग और व्यापार संगठन (सीओओआईटी) के तत्वावधान में यह उद्योग निकाय खाद्य तेल के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए यहां एक संगोष्ठी आयोजित कर रहा है। हम बार-बार सरकार से राजस्थान को सरसों राज्य घोषित करने का आग्रह कर रहे हैं। देश के सरसों उत्पादन में लगभग 40-45 प्रतिशत राजस्थान का योगदान होता है। यह ऐसी फसल है, जिसे विकास के लिए कम से कम पानी की आवश्यकता होती है। दो दिवसीय अखिल भारतीय रबी तिलहन संगोष्ठी का 43वां संस्करण शनिवार को जयपुर में शुरू हुआ।

अमेरिका का 16वां सबसे बड़ा बैंक तालाबंदी की कगार पर क्यों पहुंचा, संकट का भारत पर क्या असर होगा

नई दिल्ली ।
सिलिकॉन वैली बैंक में तालाबंदी की खबरों के बाद अमेरिका के साथ-साथ दुनियाभर के बाजार में हड़कंप मच गया। 2008 की मंदी के दौरान वाशिंगटन म्यूचुअल और लीहमन ब्रदर्स के डूबने के बाद इसे सबसे बड़ा आर्थिक संकट माना जा रहा है। अमेरिकी नियामकों ने शुक्रवार को एसवीबी को बंद करने की घोषणा कर दी। कैलफोर्निया में बैंक की तालाबंदी बंद के बाद फेडरल डिपॉजिट इन्श्योरेंश कॉरपोरेशन को बैंक के असेट रिसिवर के तौर पर नियुक्त किया गया है। इस खबर को पूरी दुनिया के बाजार में ग्लोबल मंदी की आहट के रूप में देखा जा रहा है।

एसवीबी में क्या गड़बड़ी हुई - सेंटा क्लारा स्थित एसवीबी की परेशानी तब शुरू हुई जब उसकी मूल कंपनी एसवीबी फाइनेंशियल ग्रुप ने अपने पोर्टफोलियो से 21 अरब डॉलर की प्रतिभूतियों को बेचने की घोषणा की। कंपनी ने कहा कि उसकी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए 2.25 अरब डॉलर के शेयरों की बिक्री की जा रही है। विश्लेषकों का कहना है कि स्टार्टअप उद्योग में व्यापक मंदी के कारण बैंक में उच्च जमा निकासी की स्थिति बनी जिसके परिणामस्वरूप यह कदम उठाया गया। फेड की ओर से ब्याज दरों में बढ़ोतरी के बाद एसवीबी ने ब्याज से होने वाली आमदनी में बड़ी गिरावट की आशंका जताई थी। दूसरी ओर फेड की ओर से ब्याज दरें बढ़ने से भी एसवीबी बैंक का गणित गड़बड़ हो गया। आखिरकार एसवीबी के बंद होने का सबसे बड़ा कारण उसके निवेशकों की ओर से एक साथ ही बैंक से पैसा निकालना रहा। माना जा रहा है कि निवेशकों ने बैंक के डूबने के डर से एक साथ ही बड़ी बिकवाली कर दी थी।

बैंक ने जिन बॉन्ड्स में निवेश किया क्या वे असफल रहे - एसवीबी के पास 2021 में 189 अरब डॉलर का डिपॉजिट था। बैंक ने इस पैसे से पिछले 2 वर्षों के दौरान अरबों डॉलर के बॉन्ड खरीदे थे लेकिन इस निवेश पर उसे कम ब्याज दरों के कारण पर्याप्त रिटर्न नहीं मिला। इसी बीच फेडरल रिजर्व बैंक ने टेक कंपनियों के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर दी। इससे बैंक का संकट और बढ़ गया। सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) एक हफ्ते पहले दो अरब डॉलर से अधिक की पूंजी जुटाने में असफल रहा था। उसके बाद वह

2008 के वित्तीय संकट के बाद धराशाई होने वाला अमेरिका का सबसे बड़ा बैंक बन गया। संकट के बीच कंपनी के प्रमुख ग्रेग बेकर ने शुक्रवार को कर्मचारियों को एक वीडियो संदेश में अविश्वसनीय रूप से कठिन बीते 48 घंटों के बारे में बात की और कर्मचारियों को कंपनी के वर्तमान हालात के बारे में बताया। सिलिकॉन वैली बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बेकर तीन दशक पहले कंपनी में ऋण अधिकारी के रूप में शामिल हुए थे। उन्होंने 2008 के वित्तीय संकट के बाद बैंक को चलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्हें 2011 में एसवीबी फाइनेंशियल ग्रुप के अध्यक्ष और सीईओ नियुक्त किया गया।

संस्थागत निवेशकों ने क्यों छोड़ा साथ - बैंक के रोज बिगड़ते हालात के बीच पीटर थिएल के संस्थापक फंड, कोट्यू मैनेजमेंट और यूनियन स्क्वायर वेंचर्स सहित कई प्रमुख वेंचर कैपिटलिस्ट डर गए। सूत्रों के अनुसार उन्होंने पोर्टफोलियो में अपने एक्सपोजर को सीमित करने और बैंक से अपनी नकदी खींचने का निर्देश दिया। अन्य वीसी फर्मों ने भी बैंक से अपना निवेश बाहर करने का फैसला किया। एसवीबी के शेयर में गुरुवार (9 मार्च) के कारोबारी सेशन में को 60प्रतिशत की गिरावट आई और इससे बैंक के बॉन्ड भी फिसल गए। इस बीच एसवीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ग्रेग बेकर ने उद्यम पूंजी निवेशकों सहित बैंक के ग्राहकों के साथ एक कॉन्फ्रेंस कॉल की जिसमें उन्होंने निवेशकों से शांत रहने का आग्रह किया गया। लेकिन शुक्रवार को कंपनी के शेयरों में तेज गिरावट के बाद बाजार में शेयरों की बिक्री रोक दी गई। इसी दौरान नियामकों ने बैंक को बंद करने का फैसला ले लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बीते दो दिनों में एसवीबी संकट के कारण अमेरिकी बैंकों को करीब 100 अरब डॉलर का घाटा हुआ। वहीं इस दौरान यूरोपीय बैंकों ने भी 50 अरब डॉलर का घाटा झेला। शुक्रवार के दिन भारतीय बाजार में भी बैंकिंग सेक्टर के शेयर कमजोरी के साथ कारोबार करते दिखे। एसवीबी अमेरिकी स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिहाज से बड़ा निवेशक था। यह बैंक सिलिकॉन वैली और तकनीकी स्टार्टअप्स में निवेश पर केंद्रित था। इसकी वेबसाइट के अनुसार, इसने कुल अमेरिकी स्टार्टअप के लगभग आधे और अमेरिकी उद्यम-समर्थित तकनीकी और स्वास्थ्य कंपनियों में 44प्रतिशत के साथ कारोबार किया। साइबर सुरक्षा फर्म क्राउडस्ट्राइक होल्डिंग्स जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

क्या एसवीबी विफल रहा - हां, कैलिफोर्निया डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंशियल प्रोटेक्शन एंड इनोवेशन ने बैंक का अधिग्रहण किया और अपर्याप्त तरलता और दिवालियापन का हवाला दिया। इसने फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉर्प को रिसीवर के रूप में नामित किया।

एफडीआईसी रिसीवरशिप क्या है - एफडीआईसी निवेशकों के पैसे की रक्षा कर सकता है यदि किसी बैंक जिसका उसने बीमा किया है - जैसे एसवीबी - विफल हो जाता है। रिसीवरशिप का आमतौर पर मतलब है कि एक बैंक की जमा राशि को किसी अन्य स्वस्थ बैंक की ओर से ग्रहण किया जाएगा या एफडीआईसी जमाकर्ताओं को बीमित सीमा तक भुगतान किया जाएगा। यह राशि अधिकतम 2,50,000 डॉलर होती है। करीब ढाई साल में एफडीआईसी से बीमित दूसरा बंद हुआ है। इससे पहले अक्टूबर 2020 में अलमेना स्टेट बैंक पर भी तालाबंदी की नौबत आ गई थी।

एसवीबी मसले पर एफडीआईसी ने क्या कहा - एफडीआईसी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार सिलिकॉन वैली बैंक के सभी दफ्तर 13 मार्च को खुलेंगे और बीमित जमाकर्ताओं को उनका पैसा वापस मिल जाएगा।

एलआईसी के नए चेयरमैन होंगे सिद्धार्थ मोहंती

सरकार ने एमआर कुमार को तीसरा एक्सटेंशन नहीं दिया, सिद्धार्थ अभी कंपनी में एमडी हैं

नई दिल्ली।
सिद्धार्थ मोहंती को जीवन बीमा निगम यानी एलआईसी का नया चेयरमैन बनाया गया है। सिद्धार्थ फिलहाल एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस के मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) और चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) है। उन्हें 14 मार्च से तीन महीने के लिए एलआईसी चेयरमैन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। एलआईसी के वर्तमान चेयरमैन मंगलम रामसुब्रमण्यम कुमार को एक्सटेंशन नहीं दिए जाने के बाद सिद्धार्थ को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है। सरकार ने 2019 में एमआर कुमार को एलआईसी का चेयरमैन बनाया था। वह 30 जून 2021 तक इस पद पर रहें। जुलाई 2021 से मार्च 2022 तक उन्हें पहला एक्सटेंशन मिला। फिर अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक दूसरा एक्सटेंशन मिला। अब कुमार के कार्यकाल को नहीं बढ़ाने का केंद्र का फैसला ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों के कारण अडाणी ग्रुप में एलआईसी के इन्वेस्टमेंट की गहन जांच की जा रही है। सिद्धार्थ मोहंती को 1 फरवरी, 2021 को एलआईसी और हाउसिंग फाइनेंस का एमडी बनाया गया था। उन्होंने टीसी सुशील कुमार की जगह ली थी, जो 31 जनवरी, 2021 को रिटायर हुए थे। वह 30 जून, 2023 को अपने रिटायरमेंट तक एलआईसी के एमडी के रूप में काम करने वाले हैं। एलआईसी को एक चेयरमैन और चार एमडी लीड करते हैं। बिष्णु चरण पटनायक, इपे मिनी, सिद्धार्थ मोहंती और राज कुमार। मंगलम रामसुब्रमण्यम कुमार कंपनी के वर्तमान चेयरमैन हैं।

ग्रॉस रिटन प्रिमियम्स के मामले में एलआईसी भारत की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी और दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी कंपनी है। यह कुल संपत्ति के हिसाब से दुनिया की दसवीं सबसे बड़ी बीमा कंपनी भी है। कंपनी के पास 13.35 लाख एजेंट और 27.80 करोड़ रुपए की सर्विसेज पॉलिसीज है, जो इसे ग्लोबली तीसरा सबसे मजबूत बीमा ब्रांड बनाती है।

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के नए दाम

नई दिल्ली।
इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड ने रविवार को पेट्रोल-डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। पेट्रोल-डीजल के कीमतों में राहत बरकरार है। पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर बने हुए हैं। बड़े महानगरों में भी कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। आखिरी बार देश में राष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव मई 2022 को हुआ था।

दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में एक लीटर पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर में बिक रहा है। कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये प्रति लीटर और एक लीटर डीजल 92.76 रुपये में मिल रहा है। चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर और एक लीटर डीजल 94.24 रुपये में मिल रहा है।

अन्य शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमत

- नोएडा में पेट्रोल 96.76 रुपये और डीजल 89.93 रुपये प्रति लीटर
- गुरुग्राम में पेट्रोल 96.84 रुपये और डीजल 89.72 रुपये प्रति लीटर
- बेंगलुरु में पेट्रोल 101.94 रुपये और डीजल 87.89 रुपये प्रति लीटर
- चंडीगढ़ में पेट्रोल 96.20 रुपये और 84.26 रुपये प्रति लीटर
- हैदराबाद में पेट्रोल 109.66 रुपये और 97.82 रुपये प्रति लीटर
- जयपुर में पेट्रोल 109.07 रुपये और 94.26 रुपये प्रति लीटर
- पटना में पेट्रोल 107.59 रुपये और डीजल 94.36 रुपये प्रति लीटर

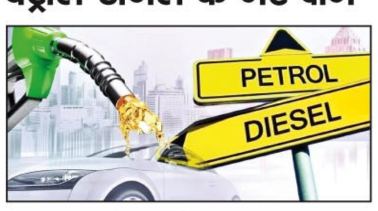

कच्चे तेल की कीमत

कच्चा तेल की कीमत फिलहाल 85 डॉलर प्रति बैरल के नीचे बनी हुई है। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का भाव 82.78 डॉलर प्रति बैरल और डब्लूटीआई क्रूड का भाव 76.68 डॉलर प्रति बैरल है।

नौकरी बदलने के बाद जरूर मर्ज कर लें अपना पीएफ अकाउंट, बहुत-सी मुश्किलों से होगा बचाव

नई दिल्ली।
अगर आपने हाल ही में अपनी नौकरी बदली है, तो ये खबर आपके लिए है। जब भी निजी क्षेत्र का कोई कर्मचारी अपनी नौकरी बदलता है, तो उसके नियोक्ता की ओर से एक नया ईपीएफ अकाउंट खोला जाता है। हालांकि, इसे खोलते समय पुराने नंबर का ही उपयोग किया जाता है। नया ईपीएफ अकांउट खुलने के कारण पुराने अकांउट में पड़ा हुआ आपका पैसा एक साथ नहीं दिखता है। इसके लिए आपको वेबसाइट पर जाकर दोनों अकाउंट को मर्ज करना होगा। दोनों अकांउट मर्ज करना काफी आसान है और आप ऑनलाइन केवल कुछ स्टेप्स का पालन इसे कर सकते हैं। सबसे पहले आपको आधिकारिक

वेबसाइट पर जाना होगा। इसके बाद सर्विसेज सेक्शन में जाना होगा। इसके बाद नया पेज खुलेगा और सर्विसेज में जाकर क्लिक करना होगा । फिर आपकी स्क्रीन पर ईपीएफ मर्ज करने का फॉर्म खुल जाएगा। फिर पंजीकृत मोबाइल नंबर दर्ज करें। फिर यहां आप और मेंबर आईडी डालकर मोबाइल पर आए ओटीपी के जरिए लॉगिन करें। इसके बाद एक नया पेज खुल जाएगा, जहां आपको पुराना ईपीएफ अकाउंट दिखेगा। फिर ईपीएफ अकाउंट नबंर दर्ज कर सबमिट पर क्लिक करेंगे। आपका ईपीएफ अकांउट मर्ज का आवेदन पूरा हो जायगा और वेरिफिकेशन के बाद सारा पैसा एक ही खाते में दिखने लगेगा। अपने दो या फिर उससे अधिक ईपीएफ अकाउंट को मर्ज करने के लिए आपका यूएएन अकाउंट सक्रिय होना जरूरी है। अगर आपको अपना यूएएन अकाउंट पता नहीं है, तो फिर आसानी से ऑनलाइन चेक कर सकते हैं।

इसके लिए आपको ओपन करना होगा। फिर सेक्शन में जाकर यूएएन पर क्लिक करें। रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से ओटीपी के लॉग इन करना होगा। इसके बाद पहले ईपीएफ अकांउट नंबर के साथ आधार और फिर पैन नंबर डालना होगा। यूएएन पर क्लिक करने पर आपका यूएएन आपके सामने होगा।

एयर इंडिया की फ्लाइट में अमेरिकी यात्री ने सिगरेट पी

प्लेन का दरवाजा खोलने की कोशिश की, मेंबर्स ने हाथ-पैर बांधकर बैठा दिया

नई दिल्ली।
एयर इंडिया के विमान में एक यात्री को सिगरेट पीते पकड़ा गया। घटना 11 मार्च की है। पुलिस के मुताबिक, लंदन से मुंबई आ रही फ्लाइट में एक अमेरिकी यात्री टॉयलेट में सिगरेट पी रहा था। क्रू मेंबर्स ने जब उसे रोका तो वह उन पर चिल्लाने लगा। फ्लाइट का दरवाजा खोलने की भी कोशिश की। इसके बाद क्रू मेंबर्स ने उसके हाथ-पैर बांधकर उसे बिठा दिया।

इंडो-अमेरिकन है आरोपी, गिरफ्तार किया जा सकता है - मुंबई में फ्लाइट लैंड होने के बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस ने 37 साल के रमाकांत पर केस दर्ज कर लिया। एक ऑफिसर ने कहा- यात्री भारतवंशी है, लेकिन उसके पास अमेरिकन सिटिजनशिप है। नियमों के मुताबिक, विमान में स्मोकिंग करने वाले को अरेस्ट किया जा सकता है। फिलहाल रमाकांत के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है।

फायर अलार्म बजने पर पहुंचे थे क्रू मेंबर्स - एक क्रू मेंबर ने कहा- फ्लाइट में स्मोकिंग की इजाजत नहीं है। बावजूद इसके एक यात्री टॉयलेट गया और वहां सिगरेट पीने लगा। फायर अलार्म

की आवाज सुनते ही हम फौरन टॉयलेट के पास पहुंचे। हमने रमाकांत के हाथ में सिगरेट देखी। इसके बाद वो हम पर चिल्लाने लगा। हमने उसने वापस सीट पर जाकर बैठने के लिए कहा। वो नहीं माने उन्होंने फ्लाइट में मौजूद यात्रियों से भी बहस की। मेंबर ने कहा- रमाकांत ने फ्लाइट का दरवाजा भी खोलने की कोशिश की। हमने उनके हाथ-पैर बांधे और उन्हें सीट पर बैठाया। इसके बाद वो अपना सिर पीटने लगा। फ्लाइट में मौजूद यात्री पेशे से डॉक्टर था, हमने उनकी मदद ली। उन्होंने रमाकांत को चेक किया। इसके बाद रमाकांत ने कहा कि उसके पास कुछ दवाइयां हैं। उनका बैग चेक करने पर हमें दवाएं तो नहीं बल्कि ई-सिगरेट मिली।

नशा किया था या नहीं, मेडिकल जांच में पता चलेगा - पुलिस ने बताया कि यात्री की मेडिकल जांच होगी। एक अधिकारी ने कहा- फिलहाल यात्री के सैंपल मेडिकल टेस्ट के लिए भेजे गए हैं। इससे उनकी दिमागी हालत का पता सकेगा। साथ ही ये भी पता लगाया जा सकता है कि उन्होंने किसी तरह का नशा किया था या नहीं।

इंडिगो फ्लाइट में स्मोकिंग कर रही थी युवती - ये पहला मामला नहीं है जब किसी यात्री को सिगरेट पीते पकड़ा गया हो। इसके पहले 5 मार्च को इंडिगो की फ्लाइट में एक 24 साल की युवती को पकड़ा गया था। कोलकाता-बेंगलुरू फ्लाइट में एक युवती टॉयलेट में सिगरेट पी रही थी। इसकी तरह 4 मार्च को अनिल मीना नाम का शख्स एयर इंडिया की कोलकाता-दिल्ली फ्लाइट में स्मोक करते पकड़ा गया था।

पैसेंजर के दुर्व्यवहार के मामले बढ़ रहे - नेशनल-इंटरनेशनल फ्लाइट में पैसेंजर के दुर्व्यवहार के मामले बढ़ रहे हैं। को-पैसेंजर्स पर पेशाब करने के मामले सामने आए हैं। यात्रियों के नशे में धुत होने की खबरें भी आई हैं। ऐसे में एयरपोर्ट अथॉरिटीज पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। दरअसल, एयरपोर्ट में एंट्री करने के बाद पहले यात्री के बैगेज की स्कैनिंग होती है। उसके बाद सिक्योरिटी होल्ड एरिया में शरीर की तलाशी ली जाती है। हैंड बैगेज की भी जांच की जाती है।

बांड के जरिए 1,000 करोड़ जुटाने की योजना

नई दिल्ली । गोदरेज समूह की इकाई गोदरेज इंडस्ट्रीज की निजी नियोजन के आधार पर बांड जारी कर 1,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना है। गोदरेज इंडस्ट्रीज ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि कंपनी के निदेशक मंडल की प्रबंधन समिति ने 10 मार्च 2023 को एक लाख तक सूचीबद्ध, असुरक्षित, प्रतिदेय, एनसीडी (गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र) जारी करने की मंजूरी दी। प्रत्येक एनसीडी का अंकित मूल्य एक लाख रुपए होगा और इस तरह कुल 1,000 करोड़ रुपए जुटाए जाएंगे। निर्गम को 25,000 एनसीडी के दो खेपों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक खेप से 250 करोड़ रुपए जुटाए जाएंगे और अधिक अभिदान मिलने की स्थिति में इसे 500 करोड़ रुपए तक बढ़ाने का विकल्प है।

फिल्म भीड़ का ट्रेलर इंटरनेट पर जारी

- कोरोना वायरस महामारी की दर्दभरी यादों की है वापसी

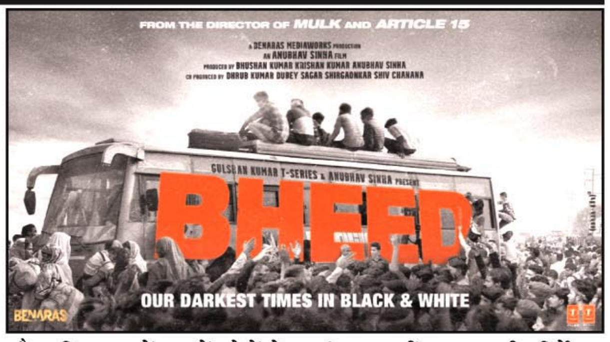

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म तू झूठी मैं मक्कार के साथ फिल्म भीड़ का ट्रेलर जोड़ा गया था, जो अब इंटरनेट पर भी जारी कर दिया गया है। ट्रेलर एक सोचा-समझा और अनोखा सिनेमाई अनुभव होने का वादा करता है। यह फिल्म उस समय की सामाजिक विषमता की कठोर वास्तविकता को दशार्ती है जब देश के भीतर सीमाएं खींची गई थीं, जब महामारी ने दस्तक दी थी। यह हमें उस समय में वापस ले जाता है जब राष्ट्र में नोवेल कोरोनावायरस तेजी से फैल रहा था और इसे रोकने के लिए लगभग तत्काल प्रभाव से पूर्ण लॉक-डाउन की घोषणा की गई थी। समस्या- निम्न और निम्न मध्यम वर्ग इस परिदृश्य में फंस गए थे कि उनके पास कोई काम नहीं था और कहीं जाना नहीं था। देश के भीतर सीमाएं खींच दी गईं और सडकों पर दिखने वालों के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। ट्रेलर में काले और सफेद दृश्य हैं, जो कहानी में एक भूतिया सुंदर और प्रामाणिक तत्व जोड़ते हैं। फिल्म के आधिकारिक सारांश में लिखा है, पूरे देश को हिलाकर रख देने वाले संकट की अनकही कहानी से प्रभावित होने के लिए तैयार हो जाइए। एक समय जब असमानता की सीमाओं ने लोगों को विभाजित किया। भीड और मानवता के लिए एक आदमी की लड़ाई की मार्मिक कहानी देखें।फिल्म के बारे में बात करते हुए, राजकुमार राव ने साझा किया, भीड़ एक ऐसी फिल्म है जो 2020 के भारत लॉकडाउन के सार और देश और दुनिया भर में लाखों लोगों के संघर्षों का सामना करती है। यह उम्मीद और लचीलेपन की कहानी है। मैं इस तरह की शक्तिशाली परियोजना का हिस्सा बनने के लिए आभारी हूं और दर्शकों को इस अनूठी सिनेमाई यात्रा का अनुभव करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। भीड पर काम करना मेरे लिए एक गहरा भावनात्मक अनुभव था। अनुभव सिन्हा वास्तविक जीवन की कहानियां कहने में माहिर हैं। और यह फिल्म अलग नहीं है। यह एक महत्वपूर्ण कहानी है। फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली भूमि पेडनेकर ने कहा, भीड़ एक ऐसी कहानी है जिसे बताए जाने की जरूरत है और यह एक सम्मान की बात है कि मैं इस तरह के स्टार कास्ट के साथ काम करने में सक्षम हूं। मैं इसका हिस्सा बनकर खुश हूं। यह फिल्म हमेशा मेरे लिए बहुत खास होने वाली है इस महत्वपूर्ण कहानी को जीवंत करने के लिए अनुभव सिन्हा के साथ काम करना एक अविश्वसनीय अनुभव था, और मैं इसे देखने के लिए दर्शकों का इंतजार नहीं कर सकती। निर्देशक अनुभव सिन्हा ने साझा किया, भीड़ एक बहुत ही खास फिल्म है, यह एक ऐसी कहानी है जिसे ईमानदारी और करुणा के साथ बताया जाना चाहिए। फिल्म को ब्लैक-एंड-व्हाइट में शूट किया गया है क्योंकि मैं उस समय अपने देश की नब्ज पकडऩा चाहता था जब हम लॉकडाउन में बहुत मुश्किल दौर से गुजर रहे थे। जब हम विभिन्न मुद्दों से जूझ रहे थे, हमारे समाज का एक वर्ग था जो उपेक्षित था और हमारे लिए अदृश्य था। भीड उनकी कहानी को प्रकाश में लाने की कोशिश कर रहे हैं और उन्हें एक ऐसे समाज के सामने लाने की कोशिश कर रहे हैं जो उन्हें भूल चुका है। फिल्म में राजकुमार राव, पंकज कपूर, भूमि पेडनेकर, आशुतोष राणा, दीया मिर्जा, वीरेंद्र सक्सेना, आदित्य श्रीवास्तव, कृतिका कामरा और करण पंडित सहित प्रभावशाली कलाकारों की टुकड़ी है। भीड अनुभव सिन्हा निर्देशित और राजकुमार राव व भूमि पेडनेकर अभिनीत ब्लैक एंड व्हाइट में बनी फिल्म है।

मैनेजर ने किया खुलासा- बेटी वंशिका के लिए जीना चाहते थे सतीश कौशिक

सतीश कौशिक के निधन से उनके परिजन और फैंस सभी सदमे में हैं। उनके मैनेजर संतोष राय ने एक सक्षात्कार में कौशिक के अंतिम क्षण के बारे में बात की। उन्होंने साझा किया कि कैसे अभिनेता अपनी बेटी वंशिका के लिए लंबे समय तक जीना चाहते थे। दरअसल, सतीश कौशिक के निधन के समय उनके साथ उनके मैनेजर संतोष राय मौजूद थे। संतोष ने कहा कि सतीश कौशिक अपनी फिल्म कागज-2 देख रहे थे, क्योंकि वह रात में एडिट पर काम करना चाहते थे। अचानक, उन्होंने मुझे बुलाया और अस्पताल ले जाने को कहा।

उन्हें उसे सांस लेने में कठिनाई हो रही थी। मैंने ड्राइवर और सुरक्षाकर्मियों के साथ उन्हें अस्पताल पहुंचाया लेकिन रास्ते में उनकी हालत बिगड़ गई। उन्होंने अपना सिर मेरे कंधे पर रख दिया और कहा कि, 'संतोष, मैं मरना नहीं चाहता, मुझे बचा लो। मुझे वंशिका के लिए जीना है। मुझे लगता है मैं नहीं बचूंगा। शशि और वंशिका का ख्याल रखना।' मैनेजर संतोष राय ने बताया कि भले ही वे कुछ ही मिनटों में अस्पताल पहुंच गए, लेकिन उससे पहले सतीश कौशिक रास्ते में बेहोश हो गए थे। संतोष ने साझा किया कि अभिनेता ने उसे बताया था कि वह अपनी बेटी वंशिका के लिए जीना चाहता है और उन्हें उसकी और उसकी पत्नी की देखभाल करनी चाहिए।

अरविंद अकेला कल्लू की फिल्म 'राज' का फर्स्टलुक आया सामने

बेहतरीन फिल्म बनाने के लिए मशहूर एसआरके म्यूजिक फिल्म्स की प्रस्तुति भोजपुरी फिल्म राज का फर्स्टलुक सामने आ गया है। इस फिल्म में युवा दिलों की धड़कन अरविंद अकेला कल्लू मुख्य भूमिका में हैं, जो पोस्टर में गंभीर लुक में नजर आ रहे हैं। उनके साथ फिल्म में फीमेल लीड में पूजा गांगुली और माही श्रीवास्तव हैं। इस फिल्म का पोस्टर बेहद आकर्षक ढंग से डिजाइन किया गया है। फिल्म राज का फर्स्टलुक अब वायरल भी हो रहा है। इस फिल्म के निमार्ता रौशन सिंह, सह निमार्ता शर्मिला आर सिंह और निर्देशक लाल बाबू पंडित हैं। फिल्म राज का फर्स्टलुक आउट होने के बाद निमार्ता रौशन सिंह ने कहा कि राज, एक सामाजिक और पारिवारिक हॉरर जोनर की फिल्म है। यह भोजपुरी के दर्शकों के लिए बेहतरीन मनोरंजन वाली फिल्म साबित होने वाली है। हमारी फिल्म को लाल बाबू पंडित ने निर्देशित किया है, जो भोजपुरी में सार्थक फिल्मों के निर्देशन करने वाले निर्देशकों में से एक हैं। उनकी फिल्में दर्शकों को खूब पसंद आती ही है। फिल्म में कल्लू का एक अलग अंदाज दर्शकों के सामने होगा। कल्लू इंडस्ट्री के युवा और प्रतिभाशाली कलाकार है। हम बस इतना कहना चाहेंगे, हमारी यह फिल्म जब भी रिलीज हो। आप जरूर देखें। आपको बता दें कि फिल्म राज में अरविंद अकेला कल्लू, पूजा गांगुली और माही श्रीवास्तव के अलावा अनूप अरोड़ा, विद्या सिंह, बीना पांडेय, रिंकू भारती, सोनू पांडेय और संजय वर्मा मुख्य भूमिका में हैं।

अपने टॉक शो के नए एपिसोड को लेकर चर्चाओं में करीना

-शो के नए सीजन में नजर आएंगे रणबीर, कपिल जैसे सेलेब्स

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान अपने इस शो वीमेन व्हाट वांटस के चलते काफी चचाओं में हैं। उनकी चर्चाओं को तब और बल मिला जब इस शो का प्रोमो रिलीज किया गया। शो के नए सीजन में रणबीर कपूर, कपिल शर्मा, शेफाली शाह समेत कई सेलेब्स बतौर गेस्ट नजर आएंगे। निमार्ताओं ने चैट शो का टीजर रिलीज किया है, जिसमें शो में हिस्सा लेने वाले सभी सेलेब्स की झलक नजर आ रही है।शेयर किए गए प्रोमो वीडियो में रणबीर और करीना डिस्कस करते नजर आते हैं कि आखिर में उनकी खराब इमेज होने का कारण करण जौहर हैं। रणबीर यह भी कहते हैं कि करीना के बच्चों जेह और तैमूर की तुलना में खुद को अकेला महसूस करते हैं। कोई भी उनकी तस्वीरें नहीं लेता है। इतना ही वो कहते हैं कि उनके अंदर बिल्कुल भी सेल्फ रिस्पेक्ट नहीं है, उन्हें किसी से माफी मांगने में कोई तकलीफ नहीं होती है। रणबीर कपूर से बातचीत करने के बाद करीना कपिल शर्मा से पूछती है कि क्या वो रोमांटिक हैं, तो उन्होंने जवाब ने कहा मेरे दो बच्चे हैं और हमने उन्हें डाउनलोड नहीं किया है। जब करीना कहती हैं कि कई लोगों को ऐसा लगता है कि महिलाएं फनी नहीं होती हैं तो इस पर वो कहते हैं कि उनकी वाइफ गिन्नी काफी फनी हैं। कपिल अपने बच्चे से जुड़ा किस्सा शेयर करते हैं कि उनका बेटा उनकी वाइफ को पापा बुलाता है, जिस पर करीना कहती है कि बच्चे कभी भी किसी को कुछ भी बोल सकते हैं। रणबीर और कपिल के अलावा करीना प्रोमो में शेफाली शाह, डिजिटल निहारिका नम, मासूम मीनावाला और रणवीर इलाहाबादी से गपशप करते हुए नजर आती। सोशल मीडिया पर करीना का ये वीडियो खूब पसंद किया जा रहा है।करीना को आखिरी बार आमिर खान के साथ लाल सिंह चड्ढा में देखा गया था। फिल्म ने सिनेमाघरों में बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन ओटीटी रिलीज के बाद इसे सराहा गया। करीना कपूर इन दिनों तीन फिल्मों को लेकर भी चचाओं में हैं। उनकी यह फिल्में हैं–विजय वर्मा और जयदीप अहलावत के साथ सुजॉय घोष की द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स; हंसल मेहता की द बकिंघम मर्डर्स; और तब्बू, कृति सनोन और दिलजीत दोसांझ के साथ रिया कपूर की द क्रू।

परफॉर्म करने के दौरान मशहूर हॉलीवुड रैपर कोस्टा टिच का निधन

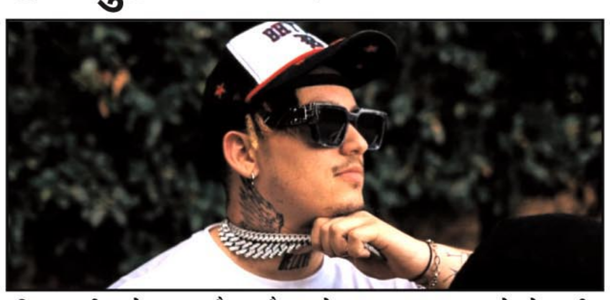

दक्षिण अफ्रीका के मशहूर रैपर और म्यूजिशियन कोस्टा टिच का निधन उनके संगीत समारोह के दौरान मंच पर गिरने के बाद हो गया। रैपर अपना एक गाना परफॉर्म कर रहे थे और तभी स्टेज पर गिर पड़े। वह 27 वर्ष के थे। कोस्टा टिच के मंच पर गिरने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में रैपर गाना गाते हुए पहले गिर पड़े और फिर उठकर दोबारा परफॉर्म किया। वह फिर से गिर पड़े और जब वह नहीं उठे तो लोग उनकी मदद के लिए दौड़ पड़े। हालांकि, अभी कोस्टा टिच की मौत की वजह स्पष्ट नहीं हुई है, लेकिन तमाम आर्टिस्ट्स, म्यूजिक इंडस्ट्री और उनके फैंस ने अपनी संवेदना व्यक्त की है। दक्षिण अफ्रीका के उभरते हुए कलाकार को मूल रूप से कोस्टा त्सोबानोग्लू के नाम से जाना जाता था। प्यार से कोस्टा टीच के नाम से पुकारे जाने वाले कलाकार मूल रूप से स्वातिनी और मोजाम्बिक की सीमा के पास स्थित एक शहर नेलस्प्रूट के रहने वाले थे। उन्होंने हाल ही में एक रीमिक्स गीत लॉन्च किया, जिसमें अमेरिकी गायक एकॉन थे। उनके सबसे सफल गाने बिग फ्लेक्सा को यू-ट्यूब पर 45 मिलियन से अधिक बार देखा गया। उनके अन्य गाने जैसे Nkalakaatha और Phezulu भी लोगों के बीच वायरल हो चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय हिप हॉप डांस प्रतियोगिता में 14वें स्थान पर आने के बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली। उनके गीतों में इजीजुलु पंक्तियों के प्रयोग ने उनके गीतों को जनता के बीच और भी लोकप्रिय बना दिया है।

फैंस शाहरुख को फिर से देखेंगे बड़े पर्दे पर

- फिल्म जवान की लीक हुई क्लिप वायरल

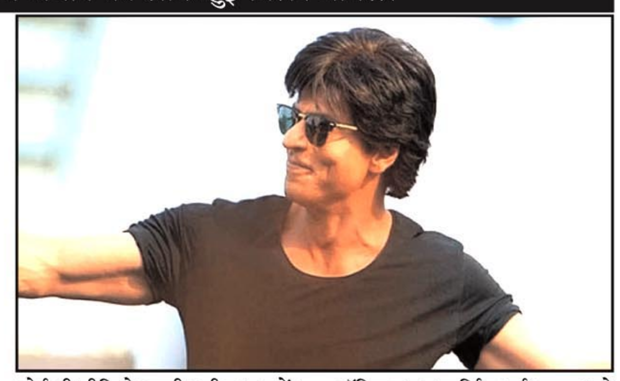

मुंबई (ईएमएस)। ब्लाक बस्टर फिल्म पठान के बाद शाहरुख खान को फिर से बड़े पर्दे पर देखेंगे, जिसका श्रेय एटली-निर्देशन जवान को जाता है। जवान का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है। यह फिल्म 2 जून को बड़े परदे पर प्रदर्शित होने जा रही है। हाल ही में जवान एक बार फिर से चचाओं में आ गयी जब इस फिल्म का एक लीक क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।वायरल हुई क्लिप में शाहरुख खान सिगरेट पी रहे हैं और गुंडों को बेल्ट से पीट रहे हैं। उनके एक फैन क्लब ने ट्विटर पर लोगों से अनुरोध किया कि वे आगामी फिल्म से क्लिप या फोटो लीक न करें। कहा जा रहा है कि शाहरुख खान इस फिल्म में अपने अब तक न देखे गए अवतार में नजर आएंगे। हालांकि इस बारे में स्वयं शाहरुख खान और निर्देशक व फिल्म से जुड़े अन्य लोग चुप्पी साधे बैठे हुए हैं। शाहरुख खान के फैन क्लब में से एक ने ट्विटर पर लोगों से अनुरोध किया कि वे इसकी झलक लीक न करें। उनके द्वारा साझा किए गए नोट को पढ़ा जा सकता है, सभी प्रशंसकों से विनम्र अनुरोध है कि जवान का कोई भी वीडियो/तस्वीर लीक न करें। और कृपया लीक क्लिप्स का लिंक भेजें जो चारों ओर घूम रहे हैं। शाहरुख खान की जवान वर्ष 2023 की बहु प्रतीक्षित फिल्मों में शुमार है। इस फिल्म का दर्शकों के साथ-साथ सिने उद्योग को बेसब्री से इंतजार है।जवान में वे एक खुफिया अधिकारी और एक चोर की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में नयनतारा, सान्या मल्होत्रा, सुनील ग्रोवर भी हैं। एटली निर्देशित शाहरुख खान के बैनर रेड चिलीज एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित की जा रही है और यह 2 जून, 2023 को रिलीज होने वाली है। मालूम हो कि गत 25 जनवरी को बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शित हुई पठान को बड़ी सफलता मिली और इसका बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन अभी जारी है। फिल्म वर्तमान में लगभग 1 करोड़ प्रतिदिन कमाई कर रही है। बॉक्स ऑफिस को उम्मीद है कि पठान के बाद जवान के जरिये शाहरुख खान फिर नए रिकॉर्ड कायम कर सकते हैं। जवान एक व्यावसायिक मनोरंजक फिल्म मानी जा रही है जिसमें शाहरुख खान दोहरी भूमिका में नजर आएंगे। इससे पहले शाहरुख खान महेश भट्ट के निर्देशन में डुप्लीकेट और मनीष शर्मा के निर्देशन में बनी फैन में दोहरी भूमिका में नजर आ चुके हैं।

पति के साथ प्री ऑस्कर इवेंट में शामिल हुईं प्रियंका

-13 मार्च को लॉस एजेंलिस के डॉल्बी थिएटर में होगा आयोजन

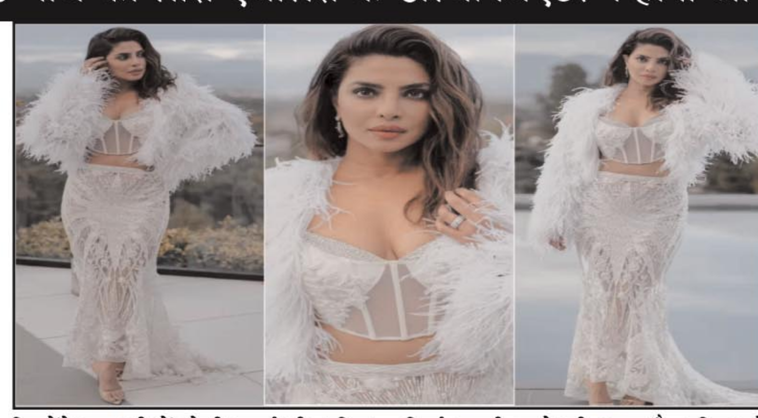

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में 95वें अकाडमी अवॉर्ड से पहले एक प्री ऑस्कर इवेंट का आयोजन किया गया, जिसमें हॉलीवुड के कई बड़े सितारों ने शिरकत की। एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा भी पति निक जोनास के साथ इस इवेंट में शामिल हुईं। इस दौरान बॉलीवुड की देसी गर्ल ने व्हाइट कलर का आउटफिट पहना हुआ था, जिसमें वह बेहद ही खूबसूरत लग रही थीं। बॉलीवुड की सबसे बड़ी स्टार्स में से एक प्रियंका चोपड़ा टीवी सीरीज क्वांटिको से ग्लोबल सेंसेशन बनकर उभरीं, उसके बाद से उन्होंने पीछे मुडकर नहीं देखा।

स्टार ने अब एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है। दक्षिण एशियाई उत्कृष्टता का जश्न मनाने के लिए प्रियंका गुरुवार, 8 मार्च को लॉस एंजिल्स में प्री-ऑस्कर कार्यक्रम में शामिल हुईं। उनके साथ उनके पति निक जोनास भी थे। देसी गर्ल 28 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर प्रीमियर के लिए निर्धारित सिटाडेल की रिलीज का इंतजार कर रही है। प्रियंका चोपड़ा और निक जोनास, जिन्होंने हाल ही में होली मनाई थी, दक्षिण एशियाई उत्कृष्टता का जश्न मनाने के लिए लॉस एंजिल्स में प्री-ऑस्कर कार्यक्रम में शामिल हुए। बेवॉच स्टार ने इवेंट से पहले इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा कीं। इनमें वह स्टनिंग लग रही हैं। प्रशंसकों ने उनके सुरुचिपूर्ण नए अवतार की प्रशंसा की।इवेंट के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया, मैं बहुत आभारी हूं कि हमारे पास न सिर्फ वापसी करने की क्षमता है, बल्कि इसे इतनी अद्भुत क्षमता के साथ करें और पैरामाउंट पिक्चर्स द्वारा होस्ट किया जाए। मेरा मतलब है, यह प्रतिष्ठित है। और मेरे चारों ओर देखने में सक्षम होने के लिए, और मेरे साथियों और सहयोगियों को देखने में सक्षम होने के लिए जिन्होंने वर्षों से फुटपाथ को धक्का दिया है, और उन्हें एक पल प्राप्त करने में सक्षम होने के लिए जो सिर्फ उनका है, मुझे पसंद है। देसी गर्ल को आखिरी बार कीनू रीव्स अभिनीत द मैट्रिक्स रिसुरेक्शन्स (2021) में देखा गया था। एक्शन-थ्रिलर ने भारत में काफी चर्चा पैदा की लेकिन व्यावसायिक रूप से असफल रही। यह समीक्षकों और दर्शकों को समान रूप से प्रभावित करने में भी विफल रही। प्रियंका रोमांटिक ड्रामा लव अगेन की रिलीज का इंतजार कर रही हैं, जिसका शीर्षक पहले इट्स ऑल कमिंग बैक टू मी था, जिसे जेम्स सी स्ट्रॉस ने लिखा और निर्देशित किया था। कलाकारों में सैम ह्यूगन, रसेल टोवी और सेलीन डायोन शामिल हैं। वह बेसब्री से प्रतीक्षित वेब सीरीज, सिटाडेल में एक गंभीर अवतार में नजर आएंगी। यह 28 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर प्रीमियर के लिए तैयार है। बता दें कि सिनेमा के सबसे बड़े अकाडमी अवॉर्ड यानी ऑस्कर अवॉर्ड को लेकर दुनियाभर के सिनेमाप्रेमी काफी एक्साइडेट हैं। 13 मार्च को लॉस एजेंलिस के डॉल्बी थिएटर में 95वें ऑस्कर अवॉर्ड का आयोजन किया जाएगा।

सूडोकु नवताल- 6368

★★★★☆ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6367 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

शब्दजाल - 7115

बं	म	मा	है	लो	ब्र	द	र	ह	क	ल
हा	टी	सू	ह	गु	ल	जी	स	ल	क	क
हे	वी	औ	द	अं	ला	त	र	म	ल	भी
रा	र	दा	र	ल	क	म	ओ	र	सु	अ
म	स	न	ष	ब	म	मी	छ	बा	न	ल
प	मी	त्या	स	जि	ब	क	प	बू	स	वि
के	ह	बु	की	टी	म	ली	टे	ल	र	दा
न	पू	कु	छ	कु	छ	हो	ता	है	प	ना
प	हे	ली	सू	ह	प	ने	ने	ल	जी	क
म	व	म	ब	फा	दी	र	ह	री	क	ह
म	ह	न	ह	म	तु	म	न	ज	ल	ना

शब्दजाल में रानी मुखर्जी की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.नाम ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

कभी अलविदा ना कहना, बाबूल, पहेली, हमतुम, सत्या, हे राम, हैलो ब्रदर, गुलाम, बंटी और बबली, कुछ कुछ होता है

शब्दजाल - 7114 का हल

सा	म	प	कु	क	या	म	त	ला	नी	क
ए	रा	र	ज	इं	डो	ने	ह	क	जं	प
क	त	दे	अ	म	न	इ	दि	न	ग	म
हि	न	शी	मा	ज	ल	स	वा	प	प	घा
न्दू	म	बा	थ	त	न	उ	ना	ख	री	त
स्ता	जे	बु	र	रा	द	बी	म	ल	ड़	सा
नी	मा	दे	सो	व	जा	स	स्ता	पी	ख	न
रा	दे	श	बा	च	प	जी	ना	ड़	भ	क
ल	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	थ	त
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	है
ते	रा	जा	क	दि	अ	ग्नि	व	र्षा	स	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6068

4	2	7		3	5	
	33		33		26	7
		4	6			3
5	34	3	30	6	32	
6				5		2
	30	5	33	7	39	
1			3			4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6067 का हल

7	2	4	6	3	5	1
2	33	2	33	4	26	7
4	5	7	6	1	2	3
3	34	5	40	6	32	6
1	3	6	4	5	7	2
5	30	3	31	7	39	5
6	5	1	3	2	7	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

उस्मान खान ने पीएसएल का जड़ा सबसे तेज शतक, मुल्तान-ग्लेडिएटर्स मैच में बने 515 रन, रिकॉर्ड्स की आंधी आई

नई दिल्ली।
पाकिस्तान सुपर लीग में इस समय रिकॉर्ड्स की बारिश का सिलसिला चल रहा है। रावलपिंडी में पिछले तीन दिनों में हुए मुकाबले में एक से एक रिकॉर्ड की धज्जियां उड़ती हुई दिखी। अब हुए मुल्तान सुल्तांस और क्वेटा ग्लेडिएटर्स के बीच मुकाबले को ही ले लीजिए। यह मैच भी रिकॉर्ड्स के लिए यादगार बन गया है। मुल्तान सुल्तांस ने पीएसएल इतिहास का सबसे बड़ा टीम स्कोर बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। मुल्तान ने क्वेटा ग्लेडिएटर्स के खिलाफ निर्धारित 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 262 रन बनाए। मुल्तान सुल्तांस की पारी के हीरो उस्मान खान रहे, जिन्होंने केवल 43 गेंदों में 12 चौके और 9 छक्के की मदद से 120 रन बनाए। अरे, इस रिकॉर्ड को भी जान लीजिए।

सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड - उस्मान खान ने पीएसएल इतिहास में सबसे तेज शतक जमाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। खान ने ग्लेडिएटर्स के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और केवल 36 गेंदों में अपना सैकड़ा पूरा करके इतिहास रच दिया। शुक्रवार को ही तो राइली रोसोयू ने 41 गेंदों में शतक जमाकर रिकॉर्ड स्थापित किया था। 24 घंटे के भीतर यह रिकॉर्ड भी ध्वस्त हो गया।

पीएसएल इतिहास में सबसे तेज शतक जमाने वाले बल्लेबाज
- 36 गेंद - उस्मान खान (मुल्तान सुल्तांस)
- 41 गेंद - राइली रोसोयू (मुल्तान सुल्तांस)
- 43 गेंद - राइली रोसोयू (मुल्तान सुल्तांस)
- 44 गेंद - जेसन रॉय (क्वेटा ग्लेडिएटर्स)
- 48 गेंद - हैरी ब्रूक (लाहौर कलंदर्स)

टी20 मैच का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड - बता दें कि रावलपिंडी में सुल्तांस और ग्लेडिएटर्स के बीच खेले गए मुकाबले ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। इस मुकाबले में कुल 515 रन बने, जिसमें 33 छक्के शामिल हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड टाइटंस और नाइट्स के बीच मैच के नाम दर्ज था, जहां 501 रन बने थे। यह मुकाबला पिछले साल अक्टूबर में सीएसए टी20 चैलेंज में खेला गया था। सुल्तांस ने पहले बल्लेबाजी करके निर्धारित 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 262 रन बनाए। जवाब में ग्लेडिएटर्स ने तगड़ा पलटवार किया और केवल 9 रन से लक्ष्य हासिल करने से चूकी। क्वेटा ग्लेडिएटर्स ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 253 रन बनाए।

काएस अहमद के नाम शर्मनाक रिकॉर्ड - क्वेटा ग्लेडिएटर्स के स्पिनर काएस अहमद के नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। मौजूदा पीएसएल में अपना चौथा मैच खेल रहे अहमद ने 4 ओवर में 77 रन देकर दो विकेट लिए। पीएसएल के इतिहास में अहमद गेंदबाजी स्पेल में सबसे खर्चीले गेंदबाज बने। उन्होंने पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 4 ओवर में 67 रन खर्च किए थे। वैसे, टी20 क्रिकेट में काएस अहमद ने संयुक्त रूप से तीसरा सबसे खर्चीला गेंदबाजी स्पेल किया।

न्यूज ब्रीफ

चीता वीरा होगा महिला चैंपियनशिप का मैस्कट, भारत टूर्नामेंट के लिए तैयार

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने शुक्रवार को आगामी आईबीए महिला विश्व चैंपियनशिप 2023 के मैस्कट वीरा का अनावरण किया। यह टूर्नामेंट 15 मार्च से 26 मार्च तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय युवा मामलों और खेल मंत्रालय के माननीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर और बीएफआई अध्यक्ष अजय सिंह के अलावा इस प्रतिष्ठित इवेंट में भाग लेने वाले भारतीय एथलीटों की मौजूदगी में मैस्कट का अनावरण किया गया। मैस्कट चीता, जिसका नाम वीरा है, शक्ति, वीरता, शौर्य और साहस का प्रतीक है। दुनिया के सबसे तेज गति से भागने वाले जानवर चीता की तरह ही मुक्केबाज रिंग में अपने विरोधियों को बड़ी ही फुर्ती से हरा देते हैं। इस लिहाज से वीरा शक्ति और साहस की प्रतिमूर्ति के तौर पर महिला मुक्केबाजों का प्रतिनिधित्व करती दिख रही है। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा, हमें (बड़े) अंतर्राष्ट्रीय इवेंट्स की मेजबानी करने की आदत डालनी होगी। जैसा कि हम विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप आयोजित कर रहे हैं, मैं अजय जी से अनुरोध करूंगा कि हमें देश भर के युवा मुक्केबाजों को यहां आने और भारतीय और अंतरराष्ट्रीय सितारों को देखने के साथ साथ-साथ किसी खास कार्यक्रम के माध्यम से कोचों से मिलने का अवसर देना चाहिए। भविष्य में उस स्तर तक पहुंचने के लिए तैयारी के बारे में एक विचार प्राप्त करने के लिए उनके लिए यह एक बड़ा मौका हो सकता है। मैं बीएफआई, अजय सिंह और उनकी टीम को तीसरी बार मुक्केबाजी विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बधाई देता हूं और सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं। माननीय मंत्री के सुझाव को स्वीकार करते हुए बीएफआई अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि बीएफआई टूर्नामेंट में देश भर के युवा मुक्केबाजों और कोचों को लाने की पूरी कोशिश करेगा, जिससे उन्हें इस खेल के शीर्ष सितारों को देखने और उनसे सीखने का मौका मिल सके। बीएफआई अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, अनुराग सिंह ठाकुर ने यह सुनिश्चित करने का बीड़ा उठाया है कि भारत खेल की दुनिया में एक ताकत बन जाए। मुक्केबाजी उस बड़े उद्देश्य में योगदान देने की कोशिश कर रहा है। हम दुनिया में तीसरे नंबर का मुक्केबाजी देश हैं। हमें अपनी महिला मुक्केबाजी टीम पर बहुत गर्व है।

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया मैच के दौरान खालिस्तान समर्थकों की धमकीः दर्शकों से कहा था- घर में रहो; अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने सतना-रीवा से दो को अरेस्ट किया

अहमदाबाद। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट मैच के दौरान दर्शकों को धमकाने के आरोपी दो खालिस्तानी समर्थकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने दोनों को मध्यप्रदेश के सतना और रीवा से अरेस्ट किया है। साइबर सेल के मुताबिक, गुरुवार को चौथे मैच में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंटनी अल्बनीस शामिल हुए थे। तब खालिस्तान समर्थक इन दो आरोपियों ने एक एडवांस सिम बॉक्स तकनीक का इस्तेमाल कर दर्शकों को स्टेडियम न आने की धमकी दी थी। प्री-रिकॉर्डेड मैसेज में लोगों को चेतावनी दी गई है-'घर में रहो, सुरक्षित रहो।' मैसेज अंग्रेजी में खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की आवाज में रिकॉर्ड था। टेली मार्केटिंग वाली तरकीब ये धमकी कई लोगों को भेजा गया था। साइबर सेल के अफसरों ने बताया कि धमकी की शिकायत मिलने के बाद हमने मामले की जांच शुरू की। एडवांस सिम बॉक्स को ट्रेस करना कई बार मुमकिन नहीं होता। फिर भी हमने आरोपियों की लोकेशन मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और पंजाब में ट्रेस करने में सफल हुए।

विकेट सेलिब्रेट करते हुए चोटिल हुए केशव महाराजः एड़ी में चोट आई, स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाना पड़ा

जोहान्सबर्ग। साउथ अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज को विकेट सेलिब्रेट करना महंगा पड़ गया। वेस्टइंडीज के खिलाफ जोहान्सबर्ग में खेल रहे महाराज ने रविवार को काइल मेयर्स को आउट किया। महाराज जैसे ही सेलिब्रेट करने लगे, उनकी एड़ी में दर्द उठ गया। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर स्ट्रेचर पर ले जाना पड़ा। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने रविवार को कहा कि महाराज की टेंडन यानी पिछली एड़ी के ऊपर वाले हिस्से में चोट आई है। वह सोमवार को सर्जन से मिलेंगे। महाराज ने काइल मेयर्स के खिलाफ आउट की अपील की थी, इसे नॉट आउट दिया गया और फिर कप्तान बावुमा ने डीआरएस लिया।

भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट, चौथे दिन का खेल खत्म

विराट कोहली ने बनाए 186 रन, टीम इंडिया 571 पर ऑलआउट; ऑस्ट्रेलिया- 3/0

अहमदाबाद।
बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में चौथे टेस्ट मैच का चौथा दिन पूरी तरह टीम इंडिया और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के नाम रहा। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में विराट ने 1205 दिन, 23 मैच और 41 पारियों के बाद इस फॉर्मेट में शतक जमाया। विराट की 186 रनों की मैराथन पारी के दम पर भारत ने अपनी पहली पारी में 571/9 का स्कोर बनाया। विराट भारतीय पारी में आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे। चोटिल श्रेयस अय्यर बल्लेबाजी के लिए नहीं आए। चौथे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बगैर नुकसान के 3 रन बनाए। ओपनर ट्रेविस हेड (3*) के साथ नाइट वॉचमैन मैथ्यू कुहनेमन (0*) नाबाद पवेलियन लौटे। टीम अब भी 88 रनों से पिछड़ रही है। टीम इंडिया ने पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया पर 91 रन की बढ़त बनाई।

1205 दिन बाद कोहली का शतक - कोहली ने 23 नवंबर 2019 को आखिरी बार बांग्लादेश के खिलाफ 27वां टेस्ट शतक जमाया था। यह उनका 28वां टेस्ट शतक है। अब कोहली के नाम 75 इंटरनेशनल शतक हो गए हैं। उन्होंने टेस्ट में 28, वनडे में 46 और टी-20 इंटरनेशनल में एक शतक जमाया है।

उमेश हुए रनआउट - उमेश यादव बिना एक भी गेंद खेले रन आउट हो गए। वे विराट कोहली की कॉल पर दो रन के लिए भागे थे लेकिन आउट फील्ड से डायरेक्ट थ्रो के कारण उन्हें विकेट गंवाना पड़ा। रविचंद्रन अश्विन 7 रन बनाकर नाथन लायन की गेंद पर आउट हुए।

अक्षर ने लगाए 4 छक्के - अक्षर पटेल 79 रन बनाकर मिचेल स्टार्क की गेंद पर बोल्ड हुए। उन्होंने अपनी पारी में 4 छक्के लगाए और विराट के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 162 रन की साझेदारी भी की। पांचवां विकेट श्रीकर भरत के रूप में गिरा। वे 44 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें नाथन लायन ने पीटर हैंड्सकॉम्ब के हाथों कैच कराया। भरत ने कोहली के साथ 84 रन की साझेदारी की। इससे पहले, रवींद्र जडेजा 23 रन बनाकर आउट हुए। जडेजा ने कोहली के साथ 170 बॉल पर 64 रन की साझेदारी की। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को भारत ने 289/3 से पारी को आगे बढ़ाया। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 480 रन बनाए।

अय्यर के पीठ में दर्द, स्केन के लिए भेजा - श्रेयस अय्यर की पीठ के निचले हिस्से में दर्द है। उन्हें स्केन के लिए भेजा गया है। इस कारण, भरत को अय्यर की जगह भेजा गया है। वह भारत की पहली पारी में बैटिंग करने के लिए नहीं आए।

ऐसे गिरे टीम इंडिया के विकेट
पहला: 21वें ओवर की आखिरी बॉल पर रोहित शर्मा शॉर्ट एक्सट्रा कवर पर खड़े लाबुशेन को कैच दे बैठे। कुहनेमन को पहला विकेट मिला। दूसरा : टॉड मर्फी ने चेतेश्वर पुजारा को आउट कर दिया। तीसरा : शुभमन गिल को नाथन लायन ने आउट कर दिया। चौथा : जडेजा टॉड मर्फी की बॉल पर शॉर्ट लॉन्ग ऑन पर खड़े उस्मान ख्वाजा को आसान कैच दे बैठे। पांचवां : लायन की बॉल पर श्रीकर भरत के बल्ले के अंदरुनी किनारे पर गेंद लगी और हैंड्सकम्ब ने कैच पकड़ा। छठा: अक्षर पटेल मिचेल स्टार्क की गेंद पर बोल्ड हुए। सातवां: रविचंद्रन अश्विन को नाथ लायन ने बाउंड्री पर कैच कराया। आठवां: उमेश यादव रन आउट हुए। नौवां: टॉड मर्फी की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में विराट ने मार्नस लाबुशेन को कैच थमाया। गिल का 3 महीने में 5वां इंटरनेशनल शतक, रोहित के 17 हजार रन पूरे तीसरे दिन टीम इंडिया पूरी तरह हावी रही। ऑस्ट्रेलिया के पहली पारी में 480 रन के जवाब में टीम ने 3 विकेट के नुकसान पर 289 रन बनाए। शुभमन गिल (128 रन) ने टेस्ट करियर का दूसरा और भारत में अपना पहला टेस्ट शतक लगाया। गिल ने इस साल 5वां इंटरनेशनल शतक जमाया है। शतकवीर शुभमन गिल ने टॉप ऑर्डर पर तीन अर्धशतकीय साझेदारियां की। उन्होंने रोहित के साथ 74 रन, चेतेश्वर पुजारा के साथ 113 रन और कोहली के साथ मिलकर 58 रन की साझेदारी की। गिल के अलावा, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के इंटरनेशनल क्रिकेट में 17 हजार रन पूरे हो गए हैं। वे ऐसा करने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज बनें। वहीं, विराट कोहली ने 8 मैच, 15 पारी और 14 महीनों बाद टेस्ट में फिफ्टी जमाई।

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, रवींद्र जडेजा, श्रीकर भरत, अक्षर पटेल, रविचंद्रन अश्विन, मोहम्मद शमी और उमेश यादव।

ऑस्ट्रेलिया : स्टीव स्मिथ (कप्तान), ट्रेविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, पीटर हैंड्सकम्ब, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, मिचेल स्टार्क, नाथन लायन, टॉड मर्फी और मैथ्यू कुहनेमन।

विमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई और यूपीः टूर्नामेंट में अपने सभी मुकाबले जीती है मुंबई

मुंबई।
विमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस और यूपी वॉरियर्ज के बीच मुकाबला खेला जाएगा। ब्रेबोर्न स्टेडियम में होगा। मुंबई इंडियंस टूर्नामेंट में अब तक एक भी मुकाबला नहीं हारी है। वह 3 मैचों में 6 पॉइंट्स के साथ पॉइंट्स टेबल में टॉप पर भी है। वहीं वॉरियर्ज ने 3 में से 2 मैच जीते हैं, वह 4 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर है। मुंबई ने टूर्नामेंट में दिल्ली, बेंगलुरु और गुजरात को हराया। वहीं यूपी ने बेंगलुरु और गुजरात को हराया, वहीं दिल्ली के खिलाफ उन्हें हार मिली।

मुंबई टेबल टॉपर्स - हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस ने टूर्नामेंट के पहले मैच से ही अपना दबदबा दिखाना शुरू कर दिया। टीम ने गुजरात को पहले मैच में 143 रन से हराया। बेंगलुरु से दूसरे मैच में मिले 156 रन के टारगेट को 14.2 ओवर में एक विकेट खोकर ही हासिल कर लिया। फिर तीसरे मैच में दिल्ली को 105 रन पर ऑलआउट कर 8 विकेट से जीत दर्ज की। टीम की साइका इशाक 3 मैचों में 9 विकेट लेकर पर्पल कैप पर कब्जा जमाए हुए हैं। वहीं हेली मैथ्यूज इतने ही मैचों में 6 विकेट लेकर और 156 रन बनाकर सबसे वैल्युएबल प्लेयर बनी हुई हैं। टीम से कप्तान हरमनप्रीत, इजाबेल वॉन्ग, अमीलिया केर और नैटली सीवर ब्रंट ने भी शानदार प्रदर्शन किया है।

वॉरियर्ज में कई गेमचेंजर प्लेयर - टूर्नामेंट में अगर कोई टीम मुंबई जैसी ताकतवर टीम को हरा सकती है तो वह यूपी वॉरियर्ज ही है। टीम को दिल्ली कैपिटल्स से हार मिली है, लेकिन जिस अंदाज में टीम ने गुजरात और बेंगलुरु के खिलाफ 2 मैच जीते, उससे साफ है कि टीम में कुछ प्लेयर ऐसी हैं जो किसी भी मैच को पलट सकती हैं। यूपी ने पहले मैच में गुजरात के खिलाफ आखिरी 17 बॉल पर 58 रन बनाकर 3 विकेट से मुकाबला जीता था। फिर बेंगलुरु से मिले 139 रन के टारगेट को 13 ओवर में बगैर विकेट गंवाए हासिल कर लिया था। दिल्ली के खिलाफ टीम को 42 रन की हार मिली, तब टीम 212 रन का टारगेट हासिल नहीं कर सकी थी। टीम से कप्तान एलिसा हीली, ताहलिया मैक्ग्रा, ग्रेस हैरिस, सोफी एक्लेस्टन, दीप्ति शर्मा और किरण नवगिरे ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

एफआईएच प्रो लीग : सुखजीत के दो गोलों से भारत ने विश्व चैम्पियन जर्मनी को हराया

राउरकेला।
भारतीय हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एफआईएच प्रो लीग मुकाबले में विश्व चैम्पियन जर्मनी को 3-2 से हरा दिया। भारतीय टीम की ओर सेस्ट्राइकर सुखजीत सिंह ने दूसरे हाफ में दो गोल दागकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। विश्व कप के मिली हार के बाद भारतीय टीम ने अपने इस पहले ही मुकाबले में विश्व चैम्पयन टीम को हराकर अपनी क्षमताएं साबित की हैं। 26 वर्षीय सुखजीत ने 31वें और 42वें मिनट में दो मैदानी गोल किये। वहीं भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 30वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर एक गोल दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इससे पहले भुवनेश्वर और यहां आयोजित हुए विश्व कप में हरमनप्रीत अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। भारत ने खेल के 42वें मिनट तक 3-0 से बढ़त हासिल कर ली थी। इसके बाद जर्मनी की ओर से पॉल फिलिप कॉफमैन और माइकल स्ट्रुथॉफ ने 44वें और 57वें मिनट में गोल कर वापसी का जबरदस्त प्रयास किया। जर्मनी के खिलाड़ी इस मैचमें पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने में विफल रहे जो उनकी हार का कारण बना। जर्मनी को छह पेनल्टी कॉर्नर मिले जबकि भारतीय टीम को चार। जर्मन टीम को लगातार पांच पेनल्टी कॉर्नर मिले पर भारतीय रक्षापंक्ति ने अच्छा बचाव किया। दूसरे क्वार्टर के अंत में स्ट्राइकर अभिषेक के प्रयास से भारतीय टीम ने लय हासिल कर ली हालांकि स्ट्राइकर गुरजांत सिंह और दिलप्रीत सिंह के हमलों को जर्मनी के

गोलकीपर एलेक्जैंडर स्टैडलर ने रोक दिया। हाफ टाइम से पहले भारतीय टीम को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला और हरमनप्रीत ने इसे गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की। इसके बाद जर्मनप्रीत के ही पास पर सुखजीत ने 31वें मिनट में भारतीय टीम की ओर से दूसरा गोल किया। फिर 11 मिनट बाद सुखजीत ने एक और गोल किया। मनप्रीत सिंह के दूर से दिए पास पर युवा खिलाड़ी एस कार्ति की सहायता से सुखजीत ने मैच में यह दूसरा गोल किया। इसके बाद भारतीय टीम ने जर्मनी को कोई अवसर नहीं दिया। जर्मनी की ओर से तीसरे क्वार्टर के अंत में पॉल फिलिप ने गोल दाग कर अंतर कम किया। मैच के अंतिम क्षणों में भारतीय टीम की रक्षापंक्ति ने अच्छा प्रदर्शन कर जर्मनी पर अंकुश लगा दिया। मैच समाप्त होने से दो मिनट ही माइकल ने हानेस मुलर की सहायता से एक और गोल दागकर स्कोर 3-2 कर दिया।

सानिया मिर्जा ने जताया पीएम मोदी का आभार, बोलीं- आपके समर्थन के लिए शुक्रिया

नई दिल्ली।
भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने अपने आखिरी मैच के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके समर्थन और प्रेरक शब्दों के लिए धन्यवाद दिया। पीएम मोदी ने मिर्जा को लिखे पत्र में कहा कि भारत की सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ी के रूप में उन्होंने एथलीटों की आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते हुए, भारतीय खेलों पर एक अमिट छाप छोड़ी है। सानिया ने लिखा मैं माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी को इस तरह के और प्रेरक शब्दों के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। मैंने हमेशा अपनी क्षमता के अनुसार अपने देश का प्रतिनिधित्व करने में बहुत गर्व महसूस किया है और भारत को गौरवान्वित करने के लिए मैं जो कुछ भी कर सकती हूं वह करना जारी रखूंगी। आपके समर्थन के लिए धन्यवाद। प्रधान मंत्री ने अपने पत्र में लिखा था टेनिस प्रेमियों के लिए यह

स्वीकार करना मुश्किल होगा कि अब से आप पेशेवर रूप से नहीं खेलेंगी। लेकिन, भारत की सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ियों में से एक के रूप में अपने करियर के माध्यम से, आपने भारतीय खेलों पर एक अमिट छाप छोड़ी है, जो एथलीटों की आने वाली पीढ़ी को प्रेरित करती है। जब आपने 13 जनवरी को इस बारे में बताया तो आपने एक छह साल की बच्ची से अपनी यात्रा को व्यक्त किया, जिसे बाद के वर्षों में विश्व स्तरीय टेनिस खिलाड़ी बनने के लिए संघर्ष करना पड़ा। आपने लिखा कि कैसे आपका सबसे बड़ा सम्मान भारत के लिए पदक जीतना रहा है। मैं कह सकता हूं कि आप भारत का गौरव हैं, जिनकी सफलता ने हर भारतीय के दिल और दिमाग को अत्यंत खुशी से भर दिया है। विंबलडन में एक जूनियर खिलाड़ी के रूप में उनकी सफलता को याद करते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि उनकी शुरुआती सफलता ने दिखाया कि वह एक ताकत बनने जा रही थीं। उन्होंने लिखा आपने भारत के लोगों को खुश होने के लिए बहुत कुछ दिया। विंबलडन में एक जूनियर खिलाड़ी के रूप में आपकी शुरुआती सफलता ने दिखाया कि आप एक ताकत बनने जा रही हैं। इसी तरह, बाद के ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में आपकी जीत, चाहे वह महिला युगल हो या मिक्स्ड डबल्स ने खेल के लिए आपके कौशल और जुनून का प्रदर्शन किया। आपने इतने सारे डबल्स इवेंट्स में जीत हासिल की, यह टीमवर्क के प्रति आपके स्वभाव को भी दर्शाता है, जो कि खेल की एक आवश्यक सीख है। भाग्य के मोड़ के कारण, आपको चोटों का सामना करना पड़ा, लेकिन इन असफलताओं ने केवल आपके संकल्प को मजबूत किया और आपने इन चुनौतियों को पार कर लिया। मिर्जा ने लाल बहादुर स्टेडियम में दो प्रदर्शनी टेनिस मैच खेले, जहां उन्होंने 2003 में अपनी डब्ल्यूटीए प्रतियोगिता की शुरुआत की थी।

विमेंस प्रीमियर लीग में 10 विकेट से जीती दिल्ली कैपिटल्स

7.1 ओवर में हासिल किया 106 का टारगेट; शेफाली की फिफ्टी, कैप को 5 विकेट

मुंबई।
विमेंस प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स ने गुजरात जायंट्स को 10 विकेट से हरा दिया। डीवाई पाटिल स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी गुजरात ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 105 रन बनाए। जवाब में कैपिटल्स ने 7.1 ही ओवर में बगैर विकेट गंवाए टारगेट हासिल कर लिया। दिल्ली से शेफाली वर्मा ने 19 बॉल में फिफ्टी जड़ी। उन्होंने 28 बॉल में 76 रन बनाए।

पहली पारी में मारियन कैप ने 5 और शिखा पांडे ने 3 विकेट लिए। इस जीत के साथ दिल्ली ने

6 पॉइंट लेकर पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। वहीं, गुजरात 4 मैचों में एक जीत के बाद 2 पॉइंट्स लेकर चौथे स्थान पर है।

पावरप्ले में कैपिटल्स की आक्रामक शुरुआत

106 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी दिल्ली को शेफाली वर्मा और मेग लेनिंग ने आक्रामक शुरुआत दिलाई। दोनों ने 3 ओवर में 34 रन जोड़ने के बाद एश्ले गार्डनर के ओवर में 23 रन बनाए। शेफाली वर्मा ने पारी के पांचवें ओवर में 19 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी की। यह विमेंस प्रीमियर लीग में उनकी दूसरी फिफ्टी है। 6 ओवर की समाप्ति पर टीम ने बगैर विकेट खोए 87 रन बना लिए। शेफाली 76 रन के स्कोर पर नाबाद रहीं। वहीं कप्तान मेग लेनिंग ने विनिंग शॉट लगाया और 15 बॉल में 21 रन के स्कोर पर नाबाद लौटीं।

किम गार्थ के अलावा कोई नहीं टिकीं

गुजरात ने पहली बॉल से विकेट गंवाने शुरू कर दिए। शुरुआत में हरलीन देओल ने 20 रन बनाए। उनके बाद किम गार्थ ने पारी संभाली और 32 रन बनाकर नाबाद पवेलियन लौटीं। जॉर्जिया वेयरहम ने 22 और तनुजा कंवर ने 13 रन की पारी खेल टीम को 100 रन के पार पहुंचाया। बाकी बैटर्स में सब्बिनेनी मेघना शून्य, लौरा वॉल्वार्ट 1, एश्ले गार्डनर शून्य, दयालन हेमलता 5, सुष्मा वर्मा 2 और स्नेह राणा 2 रन बनाकर आउट हुईं। मानसी जोशी 5 रन बनाकर नाबाद रहीं।

कैप को 4 ओवर में 5 सफलताएं

मारियन कैप ने मैच की पहली ही गेंद पर सब्बिनेनी मेघना को बोल्ड किया। फिर पारी के तीसरे ओवर में लौरा वॉल्वार्ट को भी बोल्ड किया और ओवर की तीसरी बॉल पर एश्ले गार्डनर को आउट कर दिया। पांचवें ओवर में उन्होंने हरलीन देओल को आउट किया और अपने स्पेल के आखिरी ओवर में सुष्मा वर्मा को बोल्ड किया।

पावरप्ले में बिखरा गुजरात

टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी गुजरात जायंट्स टीम की शुरुआत खराब रही। पहली ही बॉल पर मेघना बोल्ड हो गईं। तीसरे ओवर में वॉल्वार्ट और गार्डनर पवेलियन लौटीं, चौथे में हेमलता और पांचवें में हरलीन देओल भी आउट हो गईं। टीम 6 ओवर में 31 रन ही बना सकी और 5 बैटर्स पवेलियन लौट गईं।

सोने की आदतों का खुलासा करेगा फेसबुक

सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक का उपयोग लोगों के सोने की आदतों को ट्रैक करने में किया जा सकता है। इसके लिए एक डाटाबेस बनाना होगा, जब आपका दोस्त लास्ट ऑनलाइन देखा गया, चैटिंग में या फेसबुक पर पोस्ट लाइक करने में व्यस्त था। लोगों के सोने की आदत पर सैन फ्रांसिस्को के सॉफ्टवेयर इंजीनियर सोरेन लॉव जानसन अध्ययन कर रहे हैं। जॉनसन ने कहा कि अधिकतर लोगों का सुबह का सबसे पहला काम और रात को सोने जाने से पहले का काम फेसबुक विजिट होता है। यानि वे फेसबुक के बिना नहीं रह सकते। एक अध्ययन के जरिए लॉव ने एक सर्विस का निर्माण किया है जो हर 10 मिनट में फेसबुक को चेक करती है, जिससे उन्हें उनके दोस्तों की फेसबुक एक्टिविटी की सही विवरण मिलता है। साथ ही दोस्तों के सोने के समय की जानकारी के लिए फेसबुक मैसेंजर सर्विस के टाइम स्टांप का उपयोग किया। वो जानना चाहते थे कि लास्ट सीन का डाटा कहां से आता है और कुछ रिसर्च के बाद अपने फेसबुक फ्रेंड्स के यूजर IDs व लास्ट एक्टिविटी टाइम स्टांप को खोज निकाला।

अच्छी और बुरी बातें

भले ही सोशल नेटवर्किंग का क्रेज आजकल के बच्चों में अधिक दिखता हो और इंटरनेट के मामलों में वे काफी समझदार हो गए हों, लेकिन उनको ये नहीं भूलना चाहिए कि एक छोटी सी भूल उनके लिए नुकसानदेह हो सकती है। सिर्फ बच्चों ही नहीं मां-बाप को भी इस मामले में ख्याल रखना चाहिए। सोशल नेटवर्किंग में खतरे हैं तो क्या इसका यह मतलब नहीं है कि हमें इन साइट्स को ब्लॉक कर देना चाहिए या हमें इन साइट्स का प्रयोग ही नहीं करना चाहिए।

नवजात की अच्छी नींद से जुड़ी मूल बातें

नवजात के लिए स्तनपान के अलावा सबसे ज्यादा जरूरी होता है भरपूर नींद लेना। इसलिए जन्म लेने के बाद से 1 साल के होने तक बच्चे की नींद का पूरा खयाल रखना चाहिए। भरपूर नींद लेने से बच्चे का संपूर्ण विकास होता है। कई शोधों में भी यह बात सामने आ चुकी है कि भरपूर नींद लेने से बच्चे के शरीर के साथ-साथ उसके दिमाग का भी विकास ठीक तरह से होता है। लेकिन यदि बच्चे का पेट भरा न हो तो वह सो नहीं पाता है। इसलिए इसका भी ध्यान रखिए।

कितने घंटे की नींद

नवजात बच्चे को कम से कम 16 घंटे की नींद लेना चाहिए, इसमें दिन में लगभग 7-8 घंटे और रात में 8-9 घंटे की नींद पूरा करना जरूरी हो जाता है। जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता जाता है उसकी नींद की अवधि भी कम होती जाती है। यानी यदि आपका बच्चा 1 महीने का है तो उसके लिए 14-15 घंटे की नींद लेना पर्याप्त माना जाता है।2 महीने से 6 महीने तक के बच्चे को 14 घंटे की नींद लेना जरूरी है। जबकि 7 महीने से 1 साल तक के बच्चे को लगभग 13 घंटे सोना चाहिए। लेकिन जैसे-जैसे आपका बच्चा बड़ा होता जा उसकी दिन की नींद की अवधि कम करके रात की नींद की अवधि बढ़ा देना चाहिए। यानी अगर आपका बच्चा 6 महीने का है तो आपकी कोशिश यह हो कि उसे दिन में 3 घंटे सुलाएं और रात में कम से कम 11 घंटे सुलाएं।

स्तनपान और नींद

जन्म के 6 महीने तक बच्चे को केवल स्तनपान कराना चाहिए। यह बहुत ही शानदार तरीका है बच्चे को सुलाने का जब आपकी गोद में ही आपका लाडला झपकी ले ले। शुरूआत के 3-4 महीने तक बच्चा दिन और रात में फर्क नहीं कर पाता है, इसलिए बच्चे को इस दौरान दिन और रात दोनों समय बराबर मात्रा में स्तनपान कराएं। जब बच्चा सो रहा हो तब उसे स्तनपान न कराएं। जब बच्चे का पेट खाली हो जाएगा तो वह खुद नींद से जाग जाएगा ऐसे में उसे स्तनपान कराकर सुलाइए।

रात में सोते वक्त ध्यान रखें

नवजात को अच्छे से सुलाने के लिए रात में उसके साथ ही सोएं। यदि आपके पति भी आपके साथ वही बिस्तर साझा कर रहे हैं तो इसपर खास ध्यान रखें। इसके अलावा यदि आपके पति ने धूम्रपान, शराब का सेवन, थकान में हैं, या फिर दवाओं का सेवन किया है तो उनके साथ बिस्तर साझा न करें। इसकी वजह से आपके लाडले की नींद में खलल पड़ सकता है।

बच्चे को कैसे लपेटें

नवजात के शरीर का तापमान सामान्य रखने के लिए उसे कपड़े से लपेटना जरूरी है, इसके आलावा बच्चे को चौंका देने वाले झटके भी आते हैं इससे बचाने के लिए भी उनको लपेटें। शिशु को लपेटने से पहले यह जांच लीजिए कि शिशु कहीं सूखा या गीला तो नहीं है। यह सुनिश्चित करें कि आपने उसका चेहरा या सिर तो नहीं ढक दिया है, क्योंकि इससे सांस लेने में कठिनाई हो सकती है और उसके शरीर का तापमान सामान्य से अधिक हो सकता है। यदि आप अपने शिशु को लपेटती हैं तो सामान्यत: उसे ऊपर एक कम्बल या चादर की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

सुलाते समय ध्यान रखें

- बच्चे को सुलाते समय कई बातों का ध्यान रखना चाहिए, नहीं तो वह नींद से उठ सकता है।
- सुलाने वाली जगह साफ-सुथरी होनी चाहिए, गंदगी होने से संक्रमण हो सकता है।
- आपका बच्चा जहां सोए वहां ज्यादा शोर नहीं होना चाहिए।
- बच्चे को थोड़ी-थोड़ी देर में देखते रहना चाहिए कि कहीं बच्चे ने पेशाब तो नहीं किया है।
- यह देख लें कि बच्चे को कोई परेशानी न हो और उस पर अच्छी तरह चादर पड़ा हो।
- कमरे में अंधेरा होना चाहिए जिससे बच्चे को लगे कि अभी रात है।

लंबाई बढ़ाना है तो आजमाएं ताड़ासन

ताड़ासान योग की ही एक क्रिया है। ताड़ासन जैसा की नाम से ही विदित है ताड़ के पेड़ के समान। ताड़ासन एक ऐसी स्थिति हैं जब आपका शरीर ताड़ के पेड़ की तरह सीधा खड़ा होता है। इसी स्थिति को योग में ताड़ासन कहा जाता है। लेकिन सवाल ये उठता है ताड़ासन क्यों करना चाहिए। ताड़ासन के क्या लाभ हैं, ताड़ासन कौन लोग कर सकते है और किन लोगों के लिए यह अधिक लाभकारी हैं, योग के प्रकार कितने हैं। इन सभी सवालों के जवाबों को जानने के लिए ताड़ासन के बारे में और अधिक जानने की जरूरत है। तो आइए जानें आखिर ताड़ासन क्या हैं।

क्या है ताड़ासन?

ताड़ासन वह आसन है जो खड़े होकर किया जाता है और ऐसे में व्यक्ति की स्थिति ठीक वैसी होती है जैसे वह ताड़ का पेड़ हो। ताड़ासन के दौरान दोनों एड़ी और पंजे थोड़े से अंतराल में एक स्थिति में होते हैं और दोनों हाथ कमर की सीध में ऊपर की ओर होते हैं। ताड़ासन के दौरान जब दोनों हाथ ऊपर की ओर जाते हैं तो दोनों एड़ियां भी ऊपर की ओर उठती हैं और शरीर का पूरा भार पंजों पर आ जाता हैं।

ताड़ासन करने की विधि

हाथों को ऊपर ले जाकर हथेलियों को मिलाएं और हथेलियां आसमान की तरफ होनी चाहिए। ऐसी स्थिति में दोनों हाथों की अंगुलियां भी आपस में मिली होनी चाहिए। ताड़ासन के दौरान कमर सीधी और नजरें भी सामने की तरफ और गर्दन सीधी होती हैं और शरीर का पूरा भार पंजों पर आ जाता हैं और पूरे शरीर की ताकत शरीर को एक तरफ खींचने में लगती हैं। ताड़ासन जब भी करें तो ध्यान रखें कि आपके आसपास की जगह खुली हो, आप चाहे तो पार्क में भी इस आसन को आराम से कर सकते हैं। ताड़ासन की स्थिति में लंबी सांस भरकर कम से कम 1 से 2 मिनट तक रूकना चाहिए और धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में आना चाहिए। फिर कुछ सेकेंड रूककर दोबारा इसी क्रिया को दोहराना चाहिए।

सावधानियां

ताड़ासन के दौरान बहुत सावधानी बरतनी होती है। आपको बॉडी बैलेंस के साथ ही यह भी ध्यान रखना होता है कि आपके हाथ धीरे-धीरे ऊपर की ओर जा रहे हैं तो आपकी एड़ियां भी उसी रफ्तार से ऊपर की ओर उठेंगी। हाथ और पैरों को उठाते हुए आपका पेट अंदर की ओर जाना चाहिए जिससे आपका बैलेंस अच्छी तरह से बन जाए। ताड़ासन करने से पहले आपको अपने डॉक्टर या फिर योग विशेषज्ञ से सलाह ले लेनी चाहिए क्योंकि यदि आपके पैरों में कोई समस्या है तो आपको ताड़ासन करने से बचना चाहिए।

ताड़ासन के लाभ

ताड़ासन के बहुत लाभ हैं, जिन बच्चों की हाईट कम होती हैं उनके लिए ताड़ासन बहुत ही लाभदायक आसन हैं। यदि आपके पैरों या पंजों में बहुत दर्द रहता है तो आपको चाहिए कि आप ताड़ासन करना चाहिए, इससे आपके पैरों में मजबूती आएगी और पंजों में भी दर्द नहीं होगा। यदि आपका पाचन तंत्र कमजोर है या फिर आपको पेट संबंधी समस्याएं होती हैं तो आपको ताड़ासन करना चाहिए इससे आप स्वस्थ रहेंगे।

भावुकतावश न उठाएं कोई कदम, कॅरियर पर पड़ सकता है असर

परेशानी का सबब न बन जाए नौकरी बदलना

अच्छी नौकरी छोड़ना जितना आसान है, उसे पाना उतना ही कठिन इसलिए कभी भी भावुकतावश नौकरी न छोड़ें। पहले ठंडे दिमाग से अच्छी तरह उसके फायदे-नुकसान जरूर तोल लें। अक्सर देखा गया है कि व्यक्तिगत जीवन में तनाव एवं समस्याएं आने पर पलायनवादी मन वर्तमान से पलायन चाहता है और बगैर कुछ सोचे-समझे यह कदम उठा लेता है, लेकिन इसके बाद का असर अनावश्यक परेशानियां ला सकता है।

समस्याएं सुलझाने से ही आप बनेंगे निर्णय लेने के काबिल

समस्याएं सुलझने पर ही आप सही निर्णय लेने के काबिल बनेंगे। जानकारों का मानना है कि नौकरी बदलने से पहले अपनी आकांक्षाओं को भली-भांति परख लेना चाहिए। साथ ही अपनी योग्यता को ज्यादा या कम नहीं आंकना चाहिए। सही मूल्यांकन जीवन में सफल होने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसी के साथ यह भी जांच लें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि 'फैमिलियरिटी ब्रीड्स कटैम्प्ट' (किसी कार्य का गहन ज्ञान या किसी व्यक्ति से अत्यधिक नजदीकी की वजह से उनका महत्व कम होने लगना) वाली कहावत आपके कार्य के साथ भी चरितार्थ हो रही है।

इन बातों का रखें खास ध्यान...

अनजाने का आकर्षण हकीकत में कई बार मोहभंग भी करता है, लेकिन यहां यह सलाह हरगिज नहीं दी जा रही है कि महज 'ओल्ड इज गोल्ड' मान कर आप सदैव अपनी पुरानी नौकरी से ही चिपके रहें, फिर भले ही वह आपके उज्ज्वल भविष्य और शानदार कॅरियर में बाधा ही क्यों न हो। वेतन नौकरी के लिए सबसे प्रथम और महत्वपूर्ण प्रेरणा है। नई जगह अधिक वेतन मिलने जा रहा हो और अन्य सुविधाएं मिलाकर आपको आर्थिक लाभ अधिक दिखाई दे, उस कार्य पर अवश्य गौर किया जा सकता है। वर्तमान नौकरी में आपकी योग्यता का पूरा उपयोग न हो रहा हो, आगे सीखने को न मिल रहा हो, एक जड़ता की स्थिति सी आ गई हो जो आप में कार्य के प्रति ऊब भर रही हो तो आपका नौकरी बदलना एक सही कदम हो सकता है। आपके कार्य की प्रशंसा न करके बॉस आपकी हर समय आलोचना कर आपका मनोबल तोड़ने पर आमादा हो। परिणामस्वरूप आपके पास भी दफ्तर को लेकर सिर्फ नकारात्मक बातें रह जाएं और यह सब आपके व्यक्तित्व को प्रभावित कर रहा हो जिसका असर आपके पारिवारिक जीवन पर पड़ रहा हो तो नौकरी बदलने में ही समझदारी होती हैं, लेकिन नौकरी बदलते वक्त इन बातों पर ध्यान जरूर दिया जाना चाहिए।

रेसिपी

मुघलाई आलू

सामग्री

1 1/4 कप उबले और छिले हुए छोटे आलू, लंबे आधे टिकड़ो मे काटे हुए, 1/2 कप फेंटा हुआ ताजा दही,नमक स्वादअनुसार,3 टेबल-स्पून घी, 3/4 कप कसा हुआ प्याज,4 लौंग,2 इलायची, 2 टेबल-स्पून फ्रेश क्रीम, 1/2 टी-स्पून शक्कर, पीसकर खस-खस का मुलायम पेस्ट बनाने के लिए, 3 टेबल-स्पून खस-खस का पाउडर, 1 अदरक का टुकड़ा, 3 लहसुन की कलियां, 2 हरी मिर्च, कटी हुई, 2 टेबल-स्पून पानी, मिलाकर मसाला पेस्ट बनाने के लिए, 2 टेबल-स्पून पानी, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 2 टी-स्पून धनिया-जीरा पाउडर,परोसने के लिए, पुरी/पराठे/नान

विधि

दही, खस-खस का पेस्ट और नमक को एक बाउल मे डालकर अच्छी तरह मिला लें। आलू डालकर हल्के हाथों मिलाएं और मेरीनेट करने के लिए 10-15 मिनट एक तरफ रख दें। नॉन-स्टिक कढ़ाई मे घी गरम करें, प्याज, लौंग और इलायची डालकर मध्यम आंच पर 1-2 मोनट तक भुनें। तैयार मसाले का पेस्ट डालकर अच्छी तरह मिलायें और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए 1 मिनट तक पकाएं। मैरिनेट किए हुए आलू और 1/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच मे गिलाते हुए धीमी आंच पर और 2 मिनट तक पकाएं। क्रीम, नमक और शक्कर डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच मे गिलाते हुए धीमी आंच पर 10 मिनट तक पकाएं। पुरी, पराठे या नान के साथ गरमा-गरम परोसें।

मटर ढिंगरी

सामग्री

1 कप उबले हुए हरे मटर, 3/4 कप स्लाईस्ड खूंभ (ढिंगरी)

1 1/2 टी-स्पून तेल ,1/4 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 टी-स्पून अदरक-लहसून का पेस्ट, 1/2 कप बारीक कटा हुआ टमाटर, 5 टेबल-स्पून फेंटा हुआ दही, नमक, स्वाद अनुसार

1/4 टी-स्पून गरम मसाला, काजू-खसखस पेस्ट के लिए, 1/4 कप काजू, 2 टेबल-स्पून खसखस, परोसने के लिए

चावल/ पराठा/ क्रेकर

विधि

काजू और खसखस को मिलाइए और पानी का उपयोग न करते हुए मिक्सर में पीस लीजिए। थोड़ा पानी डालिए और दुबारा मुलायम होने तक पीस लीजिए। एक तरफ रख दीजिए। **आगे की विधि**: एक नॉन-स्टिक तवे में तेल गरम करिए उसमे प्याज डालिए और मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट भूनिए। उसमे अदरक-लहसून का पेस्ट, टमाटर और 2 टेबल-स्पून पानी डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट, बिच-बिच में हिलाते हुए पकाइए। उसमे लाल मिर्च का पाउडर, दही, नमक, हरे मटर और खूंभ डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर दुबारा 1 से 2 मिनट बिच-बिच में हिलाते हुए पकाइए। उसमे काजू-खसखस पेस्ट, 2 टेबल-स्पून पानी और गरम मसाला डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट, बिच-बिच में हिलाते हुए पकाइए। चावल, पराठा या क्रेकर्स के साथ गरमा गरम परोसिए।

एक बार फिर फैशन में आया पुराना ट्रेंड

महिला हो या पुरुष, बूढ़ा हो या बच्चा आजकल हर कोई फैशन ट्रेंड को फॉलो करता है। आजकल पुराने जमाने का फैशन घूम-फिर कर वापिस आ रहा है। आपको याद होगा कि पुराने जमाने की हीरोइनें लम्बा सा बेल बॉटम पहनकर इतराती थीं। पहले फ्लेयर वाले बेल बॉटम अच्छे लगते थे। उन्हें पहनना और कैरी करना भी काफी आसान हुआ करता था। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा 'गुंडे' मूवी में भी ऐसे ही लुक में नजर आई थीं।

फिल्मों में भी बदला ट्रेंड...

वैसे हॉलीवुड मूवी में भी बेलबॉटम का ट्रेंड देखा जा सकता है, जॉन ट्रावोलेटा ने सैटर-डे नाइट फीवर में बेलबॉटम पहना है। नई लुक लेने के लिए आप भी इसे ट्राई कर सकते हैं। अगर आप जानना चाहती हैं कि बेलबॉटम आपको क्यों पहनना चाहिए तो ये जान लीजिए कि इस तरह का फैशन आपको काफी कंफर्टेबल फील कराता है। और आप बेलबॉटम पैंट पहनने के बाद काफी रिलैक्स महसूस करती हैं। आइए आज हम आपको बताते हैं कि इसका फैशन पर क्या प्रभाव है?

नए लुक के लिए: जींस के कई शेड और डिजाइन आपने ट्राई किए होंगे, लेकिन अब उनसे अगर आपका दिल भर गया हो, तो बेलबॉटम को ट्राई करें। आपको रिफ्रेश फील होगा।

कम्फर्टेबल और गुड लुकिंग...

हल्के: जींस का वजन काफी ज्यादा होता है, लेकिन बेलबॉटम सॉफ्ट और हल्के कपड़े से बनी होती है। जींस के कपड़ों से बने बेलबॉटम भी जींस की तरह हैवी नहीं होते हैं।

हाइट अच्छी लगती है: बेलबॉटम पहनने के बाद कम से कम हाइट वाले की लम्बाई भी अच्छी लगती है। क्योंकि इसे पहनने से टांगे लम्बी लगती हैं।

सेक्सी लुक : बेलबॉटम पहनने के बाद कमर और टांगों पर कसाव रहता है जिससे फिगर उभर कर सामने आता है और आप काफी सेक्सी लगती हैं।

पतली लगती हैं : बेलबॉटम की यह बात खास है कि इसे पहनने के बाद शरीर काफी पतला लगता है। छरहरे बदन पर यह काफी अच्छा लगता है, लेकिन भारी शरीर के लोग भी इसे पहनने के बाद भद्दे नहीं लगते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**